THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 70 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ शु.9 2080 सोमवार, 29 मई 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

नया संसद भवन समय की मांग थी : मोदी

इसके कण-कण में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना के दर्शन

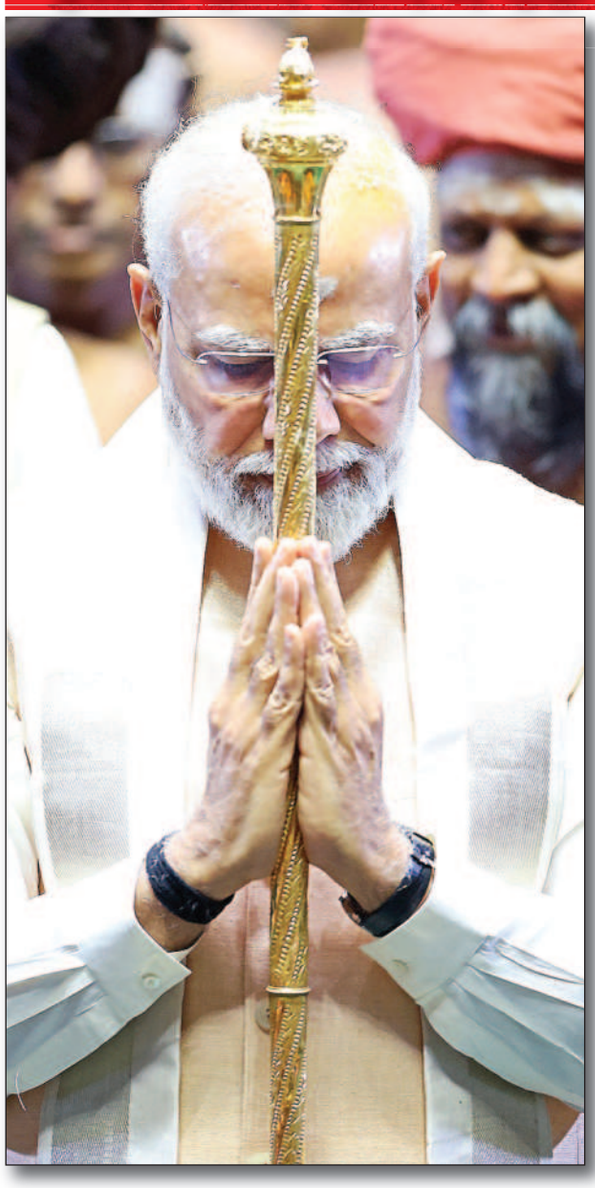

नई दिल्ली, 28 मई **(एजेंसियां)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली में नए संसद भवन का इनॉगरेशन किया। जहां पीएम मोदी ने कहा कि मैं सभी भारतीयों को लोकतंत्र के इस स्वर्णिम क्षण की बधाई देता हूं। ये सिर्फ एक भवन नहीं, 140 करोड़ भारत वासियों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिम्ब है। ये विश्व को भारत के दृढ़संकल्प का संदेश देता हमारे लोकतंत्र का मंदिर है।

नया संसद भवन योजना को यथार्थ से, नीति को निर्माण से, संकल्प को सिद्धि से जोड़ने वाली अहम कड़ी साबित होगा। नया भवन स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने का आधार बनेगा। आत्मनिर्भर भारत के नए सूर्य का साक्षी बनेगा।

नए रास्तों पर चलकर ही नए प्रतिमान गढ़े जाते हैं। आज नया भारत नए लक्ष्य तय कर रहा है। नए रास्ते गढ़ रहा है, नया जोश और नई उमंग है, नया सफर है और नई सोच है। दिशा नई है, दृष्टि नई है, संकल्प नया है और विश्वास नया है। आज फिर एक बार पूरा विश्व भारत, उसके संकल्प की दृढ़ता और भारतीय जनशक्ति की जिजीविषा को आदर और उम्मीद के भाव से देख रहा है।

सेंगोल कर्तव्य-सेवा और राष्ट्र पथ का प्रतीक

संसद में पवित्र सेंगोल भी स्थापित हुआ, जो महान चोल साम्राज्य में कर्तव्य पथ का, सेवा पथ का, राष्ट्र पथ का प्रतीक माना जाता था। राजाजी और अधीनम के संतों के मार्ग दर्शन में सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक बना था। तमिलनाडु अधीनम के संत संसद में आशीर्वाद देने आए थे, उन्हें दोबारा श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं।

भारत लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, मदर ऑफ डेमोक्रेसी भी

भारत लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, मदर ऑफ डेमोक्रेसी भी है। वैश्विक लोकतंत्र का बड़ा आधार है। लोकतंत्र हमारे लिए व्यवस्था ही नहीं, संस्कार, विचार और परंपरा है। हमारे वेद हमें सभाओं और समितियों के लोकतांत्रिक आदर्श सिखाते हैं। महाभारत में गणों और गणतंत्रों का उल्लेख मिलता है। हमने वैशाली के गणतंत्र को जीकर दिखाया है। तमिलनाडु में मिला 900 ईस्वी का शिलालेख सभी को हैरान कर देता है। लोकतंत्र ही प्रेरणा है और संविधान ही संकल्प है। इस प्रेरणा और संकल्प की सबसे श्रेष्ठ प्रतिनिधि ही संसद है।

संसद जिसका प्रतिनिधित्व करती है, उसका उद्घोष करती है। जो रुक जाता है, उसका भाग्य भी रुक जाता है। जो चलता रहता है, उसका भाग्य आगे बढ़ता है और बुलंदियों को छूता है। इसलिए चलते रहो-चलते रहो। गुलामी के बाद हमारे भारत ने बहुत कुछ खोकर अपनी नई यात्रा शुरू की थी। वो यात्रा कितने ही उतार-चढ़ावों से होते हुए, कितनी चुनौतियों को पार करते हुए आजादी के अमृतकाल में प्रवेश कर चुकी है। यह अमृत काल देश को नई दिशा देने का काल है। अनंत सपनों और आकांक्षाओं का अमृतकाल है।

भारत समृद्ध राष्ट्रों में गिना जाता था। भारत का वास्तु, विशेषज्ञता का उद्घोष किया जाता था। चोल के भव्य मंदिरों से लेकर जलाशयों और बांधों तक भारत का कौशल विश्व से आने वाले यात्रियों को हैरान कर देता था। लेकिन सैकड़ों साल की गुलामी ने हमसे हमारा ये गौरव छीन लिया। एक ऐसा भी समय आ गया, जब हम दूसरे देशों में हुए निर्माण को देखकर मुग्ध होने लग गए। 21वीं सदी का नया भारत बुलंद हौसले से भरा हुआ भारत। अब गुलामी की उस सोच को पीछे छोड़ रहा है। आज भारत प्राचीन कला की उस गौरवशाली धारा को मोड़ रहा है। संसद की नई इमारत इस प्रयास का जीवंत प्रतीक बनी। इस भवन में विरासत भी है और वास्तु भी है। कला भी है और कौशल भी है। संस्कृति भी है और संविधान के स्वर भी हैं।

लोकसभा का आंतरिक हिस्सा राष्ट्रीय पक्षी मोर, राष्ट्रीय पुष्प राज्यसभा का कमल और संसद के प्रांगण में राष्ट्रीय वृक्ष बरगद भी है। पत्थर राजस्थान, लकड़ी महाराष्ट्र, यूपी में भदोही के कारीगरों ने कालीन बुने। इसके कण-कण में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना के दर्शन हो रहे हैं। संसद के पुराने भवन में सभी के लिए अपने कार्यों को पूरा करना कितना मुश्किल हो रहा था ये हम सभी जानते हैं। टेक्नोलॉजी से जुड़ी समस्याएं थीं, बैठने की जगह की चुनौती थी।

>14

बहिष्कार के बीच बड़ा खेल कर गई सरकार!

आगे की पंक्ति में दिखे देवेगौड़ा और जगन

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने आज संसद के नए भवन का उद्घाटन कर दिया है। हालांकि यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भी दलगत राजनीति से नहीं बच सका और कांग्रेस समेत 20 राजनीतिक पार्टियों ने इस कार्यक्रम का बहिष्कार किया। राजनीति के जानकारों का मानना है कि इस विरोध के बहाने विपक्षी एकता को भी मजबूती दी जा रही है। हालांकि भाजपा भी विपक्ष की इस रणनीति को समझ रही है। यही वजह है कि संसद के नए भवन में जब प्रधानमंत्री मोदी ने अपना पहला संबोधन दिया तो उस दौरान संसद भवन में अगली कतार में कई ऐसे चेहरे दिखे, जो 2024 में एनडीए के साथ जा सकते हैं।

इन 20 पार्टियों ने किया उद्घाटन समारोह का बहिष्कार

बता दें कि विपक्षी पार्टियों ने संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह के बहिष्कार का एलान किया। इनमें से 19 पार्टियों ने एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि पीएम मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन लोकतंत्र का अपमान और उस पर सीधा हमला है। राष्ट्रपति, देश के प्रमुख होते हैं और संसदीय परंपरा का भी हिस्सा होते हैं। संसद बिना राष्ट्रपति के काम नहीं कर सकती। जिन पार्टियों ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया, उनमें कांग्रेस, डीएमके, शिवसेना (उद्धव ठाकरे), आप, समाजवादी पार्टी, सीपीआई, झारखंड मुक्ति मोर्चा, केरल कांग्रेस मानी, विधुथलाई चिरुथाईगल काची, रालोद, टीएमसी, जदयू, एनसीपी, सीपीआई एम, राजद, आईयूएमएल, नेशनल कान्फ्रेंस, आरएसपी, एमडीएमके, एआईएमआईएम शामिल रहीं।

2024 में एनडीए का हिस्सा हो सकती हैं ये पार्टियां

जहां एक तरफ विपक्ष संसद के नए भवन के उद्घाटन के सहारे एकजुटता दिखा रहा है। वहीं सरकार भी अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में जुटी है। इसी रणनीति के तहत कई राजनीतिक पार्टियों के प्रमुख संसद में अगली पंक्ति में बैठे दिखाई दिए। इनमें जदएस नेता एचडी देवेगौड़ा, वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख और आंध्र प्रदेश के सीएम जगन मोहन रेड्डी और बीजद प्रमुख नवीन पटनायक जैसे नेता शामिल रहे। साथ ही लोजपा (रामविलास), बसपा, तेदेपा के नेता भी उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए।

राज्याभिषेक समझ रहे हैं : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देश की नई संसद का उद्घाटन किया। नए संसद भवन के उद्घाटन के कुछ घंटों बाद, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीएम पर तंज कसते हुए कहा कि वह नए भवन के उद्घाटन को राज्याभिषेक समारोह मान रहे हैं। राहुल गांधी ने अपने ट्विटर हैंडल से लिखा कि संसद लोगों की आवाज है! प्रधानमंत्री संसद भवन के उद्घाटन को राज्याभिषेक समझ रहे हैं।

राहुल गांधी की पार्टी, कांग्रेस भी देश की उन 20 पार्टियों में शामिल है, जिन्होंने नई संसद के भव्य उद्घाटन का बहिष्कार किया। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने उद्घाटन के बहिष्कार के फैसले को लोकतांत्रिक लोकाचार और हमारे महान राष्ट्र के संवैधानिक मूल्यों का घोर अपमान करार दिया है। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि न तो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नए संसद भवन का उद्घाटन कराना और न ही उन्हें समारोह में आमंत्रित करना देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का अपमान है। उन्होंने यह भी कहा कि संसद अहंकार की ईंटों से नहीं बल्कि संवैधानिक मूल्यों से बनी है। संसद के उद्घाटन को लेकर विपक्षी दलों ने इस आयोजन का बहिष्कार करते हुए एक बयान जारी किया।

मणिपुर में पुलिस ने 40 आतंकियों को मार गिराया

सीएम बोले- लोगों पर एके-47 से गोलियां चला रहे थे, घर जलाने आए थे

इंफाल, 28 मई (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने राज्य में हिंसा करने वाले 40 आतंकियों को मार गिराया है। न्यूज एजेंसी ने बताया कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने रविवार को यह दावा किया है। कई आतंकियों को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है।

सीएम ने बताया कि आतंकी आम नागरिकों पर एम-16, एके-47 और स्नाइपर गनों से गोलियां चला रहे थे। वे लोगों के घर जलाने आए थे। हमने सेना और पुलिस की मदद से कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस ने बताया कि मणिपुर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच अलग-अलग झड़पों में दो की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हैं। बता दें कि गृहमंत्री अमित शाह 29 मई को मणिपुर आएंगे, उससे पहले आर्मी चीफ मनोज पांडे राज्य में स्थिति की समीक्षा करने पहुंचे हैं।

पुलिस ने आरएएफ के तीन जवानों को गिरफ्तार किया :

इससे पहले, मणिपुर पुलिस ने शनिवार को राज्य में तैनात सेंट्रल रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के तीन जवानों को गिरफ्तार किया था। जवानों पर इंफाल के न्यू चेकॉन इलाके में एक मीट की दुकान में आग लगाने का प्रयास करने का आरोप है। गृह मंत्रालय ने बताया कि आरएएफ के सोमदेव आर्य, कुलदीप सिंह और प्रदीप कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, तीनों शुक्रवार रात को सादे कपड़े पहनकर एक कार में बैठकर इलाके में आए थे। उन्होंने एक नागा आदिवासी बिजनेसमैन की मीट की दुकान में आग लगाने की कोशिश की थी। स्थानीय लोगों के विरोध करने पर वे वहां से भाग गए थे। घटना को लेकर हुए हंगामे का सीसीटीवी फुटेज पुलिस के पास है। जिसकी मदद से पोरोमपत पुलिस ने तीनों जवानों को गिरफ्तार कर लिया है।

अब तक 70 की मौत :

मणिपुर में ये जवान हिंसा के चलते कई दिनों से तैनात थे। राज्य में जातीय आरक्षण को लेकर हिंसा हो रही है। 3 मई से शुरू हुई जातीय हिंसा में अब तक 70 से अधिक लोग मारे गए हैं, 200 घायल हुए हैं और 40,000 से अधिक विस्थापित हुए हैं। राज्य में भारी संख्या में सेना और अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी है, खासकर संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

महाकाल लोक में आंधी से मूर्तियां गिरीं

सप्तऋषियों की 6 मूर्तियां टूटीं, राजस्थान में आंधी से मोबाइल टावर गिरा

उज्जैन, 28 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के उज्जैन में रविवार को तेज आंधी के कारण महाकाल लोक की मूर्तियां गिर गईं। सप्तऋषियों की 6 मूर्तियां गिर कर खंडित हुईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 अक्टूबर 2022 को उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल लोक का लोकार्पण किया था। 10 से 25 फीट ऊंची ये मूर्तियां लाल पत्थर और फाइबर रेनफोर्स प्लास्टिक से बनी हैं।

इन पर गुजरात की एमपी बाबरिया फर्म से जुड़े गुजरात, ओडिशा और राजस्थान के कलाकारों ने कारीगरी की है। क्रेन की मदद से मूर्तियों को दोबारा लगवाया जाएगा। फिलहाल मूर्तियों को फिर से लगाने के लिए महाकाल लोक को बंद किया गया है। उज्जैन में ही श्री सांदीपनि आश्रम के सामने आंधी से पेड़ उखड़कर गिर पड़ा। हादसे में कई श्रद्धालु बाल-बाल बचे।

कलेक्टर कुमार पुरषोत्तम का कहना है कि बहुत तेज आंधी आने के कारण मूर्तियां पेडस्टल से नीचे गिरी हैं। इन मूर्तियों की लाइफ 10 साल है। पत्थर की मूर्तियां बनने में समय लगेगा। फिलहाल कंपनी को ही इनका रखरखाव करना है। घटना के लिए जिम्मेदारी तय कर एक्शन लिया जाएगा।

महाकाल लोक का अभी पहले फेज का काम पूरा हुआ है। इस पर करीब 793 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इसके दूसरे फेज का काम अभी शुरू नहीं हुआ है।

जबलपुर से 3 आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, 28 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के जबलपुर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रदेश एटीएस ने जॉइंट ऑपरेशन में आईएसआईएस से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में जबलपुर से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां 26-27 मई को जबलपुर में 13 जगहों पर रातभर की छापेमारी के बाद की गईं।

छापेमारी में भारी मात्रा में धारदार हथियार, गोला-बारूद, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार तीन आरोपियों को भोपाल की विशेष एनआईए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपी सैयद ममूर अली, मोहम्मद आदिल खान और मोहम्मद शाहिद को 7 दिन की रिमांड पर सौंप दिया है। तीनों को तीन जून को दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा।

केसीआर और केजरीवाल पर भरोसा नहीं

कांग्रेस ने की विपक्षी दलों को एकजुट करने के लिए नीतीश कुमार के प्रयासों की सराहना

पटना, 28 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर तमाम विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद में जुटे हैं। इस कोशिश में सीएम नीतीश लगातार तमाम विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इस बीच कांग्रेस ने कहा कि वह विपक्षी दलों को एकजुट करने के बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों की सराहना करती है लेकिन वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) और दिल्ली के उनके समकक्ष अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं पर अब भी भरोसा नहीं कर पा रही है।

हम केजरीवाल और केसीआर पर भरोसा नहीं कर पा रहे

कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने

आरोप लगाया कि इन नेताओं ने पिछले आठ-नौ सालों में भारतीय जनता पार्टी की मदद की है। शर्मा ने बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता के रूप में पूरी जिम्मेदारी के साथ मैं कहता हूं कि हम अभी भी अरविंद केजरीवाल और केसीआर पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

अपनी बात को पुख्ता करने के लिए शर्मा ने वापस ले लिए गए कृषि बिलों के लिए दिल्ली के सीएम के समर्थन को रेखांकित किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने भ्रष्टाचार के खुलासे के लिए यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी की गिरफ्तारी की भी मांग की थी। शर्मा ने कहा, हम इसे नीतीश बाबू के विवेक पर छोड़ते हैं। वह तय कर सकते हैं कि किसे साथ लेकर चलना है।

कांग्रेस बोली मोदी सरकार की नीतियों से बिहार को नुकसान

आलोक शर्मा ने यह भी दावा किया कि एनडीए भाजपा के पूर्व सहयोगियों के साथ या तो अलग हो गया था या भाजपा पर पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगा रहा था, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूपीए जो 2014 से सत्ता से बाहर है, बरकरार है और यहां तक कि कुछ नए सहयोगी भी उसमें जुड़े हैं। बिहार में कांग्रेस के सात साल, सात सवाल दस्तावेज जारी करने वाले एआईसीसी प्रवक्ता ने नरेंद्र मोदी सरकार पर अपनी नीतियों से राज्य को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, यूपीएससी और एसएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में राज्य के युवाओं ने अच्छा प्रदर्शन किया, दोनों को भर्ती कम करने के लिए मजबूर किया गया है। सशस्त्र बल यहां एक लोकप्रिय करियर विकल्प रहा है, यही कारण है कि बिहार ने अग्निपथ योजना के खिलाफ सबसे अधिक विरोध देखा।

परिसीमन के बाद राज्यवार लोकसभा सीटें

राज्य	मौजूदा लोकसभा सीटें	परिसीमन के बाद अनुमानित लोकसभा सीटें
उत्तर प्रदेश	80	147
महाराष्ट्र	48	82
बिहार	40	76
पश्चिम बंगाल	42	67
आंध्र प्रदेश	25	37
तेलंगाना	17	25
मध्य प्रदेश	29	53
तमिलनाडु	39	53
राजस्थान	25	50
कर्नाटक	28	45
गुजरात	26	44
ओडिशा	21	31
केरल	20	24
झारखंड	14	24
असम	14	23
पंजाब	13	20
छत्तीसगढ़	11	18
हरियाणा	10	18
दिल्ली	7	12
जम्मू कश्मीर	5	9
उत्तराखंड	5	7
हिमाचल प्रदेश	4	5
त्रिपुरा	2	3
मेघालय	2	2
मणिपुर	2	2
नागालैंड	1	1
गोवा	2	1

नई लोकसभा में 888 कुर्सियां, चिंता में दक्षिणी राज्य

परिसीमन हुआ तो हिंदीभाषी राज्यों में 84% सीटें बढ़ेंगी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। नई संसद की लोकसभा में 888 सांसद बैठ सकेंगे। इस बात ने दक्षिण के राज्यों को चिंता में डाल दिया है। इन राज्यों को डर है कि 52 साल से रुका हुआ परिसीमन जनसंख्या को आधार मानकर हुआ, तो लोकसभा में हिंदीभाषी राज्यों के मुकाबले उनकी सीटें करीब आधी हो जाएंगी।

परिसीमन के बाद दक्षिण के पांच राज्यों में 42% सीटें बढ़ेंगी। जबकि हिंदीभाषी आठ राज्यों की सीटें करीब 84% बढ़ जाएंगी। यानी दक्षिण राज्यों के मुकाबले दोगुनी सीटें। पिछले चुनाव में इन्हीं आठ राज्यों से बीजेपी को 60% सीटें मिली थीं।

आखिरी बार 1976 में, 1971 की जनगणना को आधार मानकर परिसीमन किया गया था। उस वक्त देश की आबादी 54 करोड़ थी और हर 10 लाख आबादी पर एक लोकसभा सीट का फॉर्मूला अपनाया गया था। इस तरह कुल 543 सीटें तय की गईं। 2011 में देश की आबादी करीब 121 करोड़ थी। उसके बाद जनगणना नहीं हुई है। अगर उसी जनगणना को आधार मानकर 2026 में परिसीमन किया जाता है और प्रति 10 लाख आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला अपनाया जाता है, तो देशभर में कुल 1210 सीटें होंगी। चूंकि नई संसद की लोकसभा में अधिकतम 888 सांसद ही बैठ सकेंगे। अगर इसे परिसीमन का आधार मानकर 1210 सीटों के साथ एडजस्ट करें, तो यूपी को 147 और कर्नाटक को 45 सीटें मिलेंगी। बाकी राज्यों में भी यही फॉर्मूला लगेगा।

परिसीमन की सुगबुगाहट क्यों शुरू हो रही है?

1971 के बाद देश में 5 बार जनगणना हो चुकी है। 2021 वाली जनगणना अभी होनी है। आखिरी बार 2011 में जनगणना हुई थी, तब देश की आबादी करीब 121 करोड़ थी। यानी 1971 के मुकाबले 2.25 गुना ज्यादा, लेकिन लोकसभा की सीटें नहीं बढ़ीं। ऐसे में सवाल है कि 52 साल बाद भी हम उसी फॉर्मूले पर क्यों टिके हुए हैं?

2019 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने लोकसभा में 1000 सीटें करने की मांग की थी। रविवार को नई संसद के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने भी कहा कि आने वाले समय में लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह और बीजेपी राज्यसभा सांसद सुशील मोदी ने भी परिसीमन का जिक्र किया। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि 2026 में परिसीमन किया जा सकता है।

आखिरी परिसीमन से दक्षिण भारत के राज्य क्यों चिंता में हैं?

दअसल, 60 -70 के दशक में सरकार ने जनसंख्या काबू करने पर जोर लगा रखा था। दक्षिणी राज्य इस मामले में उत्तरी राज्यों खासतौर पर हिंदीभाषी राज्यों के मुकाबले काफी आगे थे, लेकिन उनकी इस उपलब्धि के पीछे एक कड़वा सच भी था। वह यह कि जनसंख्या घटी, तो लोकसभा में उत्तर भारतीय राज्यों के मुकाबले उनकी सीटें कम हो जाएंगी। दक्षिणी राज्यों की इस शिकायत को दूर करने के लिए इंदिरा सरकार ने 1976 में इमरजेंसी के दौरान संविधान में संशोधन करके नए परिसीमन पर 2026 तक रोक लगा दी। सरकार का मानना था कि 2026 तक सभी राज्यों में जनसंख्या बढ़ने की दर एक जैसी हो जाएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आंकड़े भी इसकी गवाही देते हैं।

2011 की जनगणना के मुताबिक दक्षिण भारत के राज्यों की औसत जनसंख्या वृद्धि दर 12.1% है, जबकि हिंदीभाषी राज्यों की औसत जनसंख्या वृद्धि दर 21.6%, यानी हिंदीभाषी राज्यों के मुकाबले करीब 9.5% कम। इसलिए दक्षिण के राज्यों को लगता है कि प्रति 10 लाख आबादी वाला फॉर्मूला अपनाया गया, तो लोकसभा में उनकी मौजूदगी उतर भारत के राज्यों के मुकाबले घट जाएगी।

नई संसद के मुताबिक लोकसभा की सीटें बढ़ती हैं, तो नॉर्थ ईस्ट के राज्यों पर इसका बहुत ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। आठ राज्यों को मिलाकर कुल 9 सीटों का ही इजाफा हो रहा है। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि असम में सबसे ज्यादा 9 सीटों की बढ़ोतरी हो रही है, जहां बीजेपी मजबूत है। पिछले लोकसभा में उसे असम में 9 सीटें मिली थीं। 2019 जैसा रिजल्ट रहा, तो हिंदीभाषी 8 राज्यों से बीजेपी को 60% सीटें मिल जाएंगी। दक्षिण भारत की पार्टियां और विपक्ष परिसीमन के सपोर्ट में नहीं है। उनका मानना है कि परिसीमन हुआ तो बीजेपी को फायदा होगा। इसे ऐसे समझते हैं-

परिसीमन के बाद लोकसभा में 888 सीटें होगीं। यानी बहुमत का आंकड़ा 445 होगा। 2019 में बीजेपी को कुल 303 सीटें मिली थीं। इनमें 168 सीटें हिंदीभाषी राज्यों (काउ बेल्ट) से थीं। यानी करीब 55% सीटें।

मान लीजिए परिसीमन के बाद बीजेपी 2019 का ही प्रदर्शन दोहराती है, तो उसे काउ बेल्ट में ही 309 सीटें मिलेंगी। यानी बहुमत के लिए जरूरी सीटों में से करीब 70% सीटें बीजेपी इन आठ राज्यों से ही हासिल कर लेगी। बीजेपी ने 2019 में गैरहिंदी राज्य गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। अगर वहीं प्रदर्शन बीजेपी, परिसीमन के बाद भी दोहराती है तो गुजरात में 44, पश्चिम बंगाल में 28, कर्नाटक में 40 और महाराष्ट्र में 39 सीटें मिलेंगी। इस तरह बीजेपी इन 12 राज्यों से ही बहुमत का आंकड़ा पार कर लेगी।

अब अंत में क्या 2026 या उससे पहले परिसीमन हो पाएगा?

अभी 2021 की जनगणना नहीं हुई है। सरकार परिसीमन से पहले जनगणना कराना चाहेगी। अगर 2021 की जनगणना नहीं होती है, तो वह 2011 की जनगणना को आधार मानकर परिसीमन करा सकती है, लेकिन इसमें भी पेंच है। दरअसल हमारे संविधान में आर्टिकल-81 में कहा गया है कि सदन में 550 से अधिक निर्वाचित सदस्य नहीं होंगे। ऐसे में सीटों की संख्या बढ़ती है, तो संविधान संशोधन की जरूरत पड़ सकती है।

दक्षिण के राज्यों में लगातार हो रहा विरोध

"चीन को पीछे कर भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया। इस पर तो बहुत चर्चा हुई, लेकिन इस बात पर चर्चा नहीं हो रही कि परिवार नियोजन में आगे रहने वाले ज्यादातर दक्षिणी राज्यों को लोकसभा-राज्यसभा में सीटें गवांनी पड़ेंगी।

जयराम रमेश
राज्यसभा सदस्य, कर्नाटक

"जनसंख्या नियंत्रण में दक्षिण के सभी राज्यों ने बेहतरीन काम किया। जो मैं सुन रहा हूं, लगता है कि संसद में हमारी सीटें कम करके हमें इस काम के लिए दंडित किया जाएगा। ऐसा हुआ तो यह न्याय का उपहास होगा।

केटी रामा रॉव
टीआरएस नेता और तेलंगाना के मंत्री

"यह हास्यास्पद और अनुचित है कि परिवार नियोजन को कामयाबी से लागू करने वाले राज्यों को दंडित किया जाए और लापरवाह राज्यों को प्रोत्साहित। जनसंख्या के आधार पर परिसीमन अन्याय है।

कनिमोझी एनवीएन सोमू
राज्यसभा सदस्य, तमिलनाडु

नए संसद भवन का उद्घाटन सावरकर तथा महाराष्ट्र के लोगों के लिए सम्मान की बात: शिंदे

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि दिल्ली में नए संसद भवन का उद्घाटन हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि और महाराष्ट्र के लोगों के लिए सम्मान की बात है। शिंदे ने कहा कि इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने वाले राजनीतिक दलों ने भारत के लोकतंत्र और सावरकर का "अपमान" किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किया। कई विपक्षी दलों ने समारोह का बहिष्कार किया और जोर देकर कहा कि देश के प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा संसद का उद्घाटन कराया जाना चाहिए था।

शिंदे ने ट्वीट किया, " राजनीतिक दलों ने आज उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लिया, उन्होंने भारत के लोकतंत्र तथा सावरकर जी के प्रति गहरा अनादर दिखाया है।" उन्होंने कहा, " जो लोग हमारी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व नहीं करते, जो वीर सावरकर जैसे विचारकों का तिरस्कार करते हैं..उन्होंने ही राष्ट्रीय समारोह का बहिष्कार किया।" शिंदे ने कहा कि भारत मां के बेटे का जन्म 1883 में आज ही के दिन हुआ था। उन्होंने कहा, " 140 साल बाद उसी दिन एक स्वतंत्र तथा आत्मविश्वासी भारत को एक नया संसद भवन समर्पित किया गया। यह सावरकर जी को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि और महाराष्ट्र के सभी लोगों का सम्मान है।"

दोनों पक्षों के तर्क अच्छे, विवादित कहानियों को हटा दें तो बैठ सकता है सामंजस्य; सेंगोल पर बोले शशि थरूर

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। देश को नया संसद भवन मिल गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नए भवन का उद्घाटन कर दिया. नए भवन के उद्घाटन से ठीक पहले राजदंड सेंगोल को लोकसभा स्पीकर की कुर्सी के ठीक बगल में स्थापित किया गया. लोकसभा में सेंगोल के स्थापित किए जाने को लेकर अब कांग्रेस नेता शशि थरूर का ट्वीट सामने आया है. उन्होंने कहा कि सेंगोल विवाद पर दोनों पक्षों के तर्क को अच्छा बताया है. शशि थरूर ने ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार की ओर से दिया गया यह तर्क उचित है कि सेंगोल पवित्र संप्रभुता और धर्म के शासन को मूर्त रूप देते हुए परंपरा को चलता रहना दिखाता है. दूसरी ओर से विपक्ष की ओर से दिया गया तर्क भी उचित है कि संविधान देशवासियों के नाम पर बना है और संप्रभुता देशवासियों की संसद में देशवासियों के प्रतिनिधित्व में मौजूद है. थरूर ने आगे कहा कि दोनों पक्ष विवादास्पद और ध्यान भटकाने वाली कहानी को हटाकर समांजस्य बैठा सकते हैं. इसके लिए हमें सीधा कहना चाहिए

'संसद से लेकर पंचायत भवन तक हमारी निष्ठा एक'

रविवार को नए संसद भवन का पूरे विधि विधान के साथ उद्घाटन किया गया. उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेंगोल को लोकसभा स्पीकर की चेयर में स्थापित किया. इस दौरान सर्वधर्म पाठ भी किया गया. उद्घाटन के अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि आज जब हम लोकसभा और राज्यसभा को देखकर उत्सव मान रहे हैं तो मुझे इस बात की भी खुशी है कि हमने देश में 30 हजार से अधिक नए पंचायत भवन भी बनाए हैं. पीएम ने कहा कि पंचायत भवन से लेकर संसद भवन तक हमारी निष्ठा एक ही है.

की सेंगोल शक्ति और प्रभुत्व का पारंपरिक चिन्ह है. जिसे संसद में स्थापित करते हुए भारत यह निश्चित कर रहा है कि संप्रभुता लोकसभा में रहती है न कि किसी राजा के पास. सेंगोल विवाद पर मेरे नजरिये से दोनों पक्षों के पास अच्छे तर्क हैं। सरकार का यह तर्क उचित है कि राज-दंड पवित्र संप्रभुता और धर्म के शासन को मूर्त रूप देते हुए परंपरा का चलता रहना दिखाता है। विपक्ष का यह तर्क उचित है कि संविधान देशवासियों के नाम पर बना है और संप्रभुता देशवासियों बता दें कि संसद भवन के उद्घाटन को लेकर विपक्ष शुरू से ही लामबंद नजर आया. विपक्षी पार्टियों का कहना था कि नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं, बल्कि राष्ट्रपति को करना चाहिए. कांग्रेस पार्टी ने इसे लोकतंत्र का अपमान बताया था. विपक्ष का कहना था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नए भवन का उद्घाटन नहीं कराना दलितों को भी अपमान है.

'आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री' ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया : कांग्रेस

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन किए जाने के बाद रविवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ऐसे "आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री" ने यह उद्घाटन किया है, जिन्हें संसदीय परंपराओं से नफरत है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी आरोप लगाया कि राष्ट्रपति पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी द्रौपदी मुर्मू को उनके संवैधानिक कर्तव्य का निर्वहन नहीं करने दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह नए संसद भवन का उद्घाटन किया। मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम्' अनुष्ठान किया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश ने ट्वीट किया, 28 मई को आज के दिनः नेहरू, जिन्होंने भारत में संसदीय लोकतंत्र को मज़बूत करने के लिए सबसे अधिक काम किया, उनका 1964 में अंतिम संस्कार किया गया था। रमेश ने कहा, सावरकर, जिनकी विचारधारा ने ऐसा माहौल बनाया जो महात्मा गांधी की हत्या का कारण बना, उनका जन्म (आज ही के दिन) 1883 में हुआ था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति, जो इस पद पर बैठने वाली पहली आदिवासी हैं, उन्हें अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, "उन्हें (राष्ट्रपति को) 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन की इजाज़त नहीं दी गई। रमेश ने आरोप लगाया, एक आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री, जिन्हें संसदीय प्रक्रियाओं से नफ़रत है, जो संसद में कम ही उपस्थित रहते हैं या कार्यवाहियों में कम ही भाग लेते हैं, वे 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस समेत करीब 20 विपक्षी दलों ने संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया है। उनका कहना है कि संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री को नहीं, बल्कि राष्ट्रपति को करना चाहिए।

नई संसद का डिजाइन बनाने वाले बिमल पटेल

कितनी ली फीस, किन प्रोजेक्ट पर किया है काम

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई संसद का उद्घाटन कर दिया है. ये नई संसद 971 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुई है, जिसका क्षेत्रफल 64,500 वर्ग मीटर है. इस नए भवन के कंस्ट्रक्शन का काम टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कंपनी ने पूरा किया है. वहीं भवन का आर्किटेक्ट गुजरात के मशहूर आर्किटेक्चर बिमल पटेल ने किया है. बिमल पटेल का पूरा नाम बिमल हसमुख पटेल है. बिमल देश के जाने-माने आर्किटेक्ट हैं. पटेल को आर्किटेक्ट फील्ड में तीन दशकों से ज्यादा का अनुभव है. नई संसद भवन को बिमल पटेल की आर्किटेक्ट फर्म एचसीपी डिजाइंस ने डिजाइन करके तैयार किया है. बिमल पटेल को उनके कामों में कई बार सम्मानित किया जा चुका है. पटेल को साल 2019 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. बिमल पटेल का जन्म 31 अगस्त 1961 में गुजरात में हुआ था. पटेल ने अपनी पढ़ाई सेंट जेवियर्स स्कूल से की है. बचपन से बिमल साइंटिस्ट बनना चाहते थे, लेकिन स्कूल में एक टीचर ने उन्हें सोशल और नेशनल डेवलपमेंट के बारे में सोचने के लिए इंस्पायर किया. पटेल के पिता हसमुख पटेल भी आर्किटेक्ट थे. इसी वजह से 12 क्लास में उन्होंने आर्किटेक्चर को चुना सीईपीटी यूनिवर्सिटी के एंट्रेंस एग्जाम में टॉप भी किया. पटेल ने आर्किटेक्चर में डिप्लोमा पूरा करने के बाद इसी में मास्टर्स पूरा किया. पटेल ने सिटी प्लानिंग में मास्टर्स और बर्कले यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से सिटी एंड रीजनल प्लानिंग में पीएचडी की. बिमल पटेल के पिता हसमुख सी पटेल भी एक जाने माने आर्किटेक्ट थे. उन्होंने 1960 में एचसीपी डिजाइन प्लानिंग एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की थी. साल 2018 में बिमल के पिता का निधन हो गया, लेकिन उनकी स्थापित की हुई कंपनी को नए संसद भवन और कर्तव्य पथ परियोजना का काम दिया गया था. बिमल पटेल इस कंपनी के चेयरमैन और एमडी है. नई संसद सहित कई महत्वाकांक्षी परियोजना और परामर्श सेवाओं के लिए बिमल पटेल की फर्म को 229.75 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा.

बिमल पटेल संसद भवन का डिजाइन करने के अलावा देश के कई महत्वपूर्ण और जरुरी प्रोजेक्ट पर काम कर चुके हैं.

पटेल से डिजाइन किए गए प्रोजेक्ट
काशी विश्वनाथ कॉरिडोर वाराणसी
गुजरात की नई हाई कोर्ट बिल्डिंग
आईआईएम अहमदाबाद कैंपस
आईआईटी जोधपुर
सेंट्रल विस्टा, गांधीनगर
आगा खान अकेडमी,हैदराबाद
आईआईएम अहमदाबाद का न्यू कैंपस
साबरमती रिवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट
टाटा सीजीपीएल टाउनशिप मुंद्रा
आर्किटेक्ट फील्ड में अच्छे कामों के लिए बिमल पटेल कई महत्वपूर्ण पुरस्कार भी प्राप्त कर चुके हैं-
1992 में आगा खान पुरस्कार
2001 में विश्व वास्तुकला पुरस्कार
2019 में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया

नई संसद की ओर मार्च करने की कोशिश में

हिरासत में लिए गए पहलवान, जंतर-मंतर कराया गया खाली

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने जंतर मंतर को पूरी तरह से खाली करा लिया है. जंतर-मंतर से पहलवानों के अलावा सभी प्रदर्शनकारियों को हटाया गया. पहलवानों के टेंट और अन्य सामान को भी हटाकर जंतर मंतर को साफ किया गया. इससे पहले ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन सहित शीर्ष भारतीय पहलवानों को हिरासत में लिया गया क्योंकि उन्होंने नवनिर्मित संसद भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया. एथलीट यौन उत्पीड़न और डराने-धमकाने के आरोपों को लेकर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं. डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विरोध में पहलवानों द्वारा आज दिल्ली में 'महिला सम्मान महापंचायत' का आह्वान किया गया था. जिसको लेकर दिल्ली में कड़े सुरक्षा बंदोबस्त किए गए.

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी ने कहा कि पहलवानों को हमने पहले कहा था कि आज कोई राष्ट्रविरोधी काम न करें, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं मानी. हमने सभी को डिटेन कर लिया है और जंतर मंतर खाली करा दिया है. इससे पहले पहलवानों द्वारा आज दिल्ली में 'महिला सम्मान महापंचायत' के आह्वान पर पहलवान बजरंग पुनिया ने कहा कि 'महिला सम्मान महापंचायत' के लिए दिए गए समय पर हम संसद की तरफ कूच करेंगे. मैं पुलिस प्रशासन से अपील करूंगा कि हम शांतिपूर्वक जाएंगे, हमें परेशान न किया जाए. सभी से अनुरोध है कि शांति बनाए रखें. एमसीडी के स्कूल में अस्थायी जेल बनाने की दिल्ली पुलिस की मांग को मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने ख़ारिज किया. नई संसद के उद्घाटन के दिन रेसलर्स द्वारा बुलाई गए महिला महापंचायत में हरियाणा से बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के आने की आशंका को देखते हुए आउटर नॉर्थ ज़िले के डीसीपी ने एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर को पत्र लिखकर मांग की थी कि एमसी प्राइमरी गर्ल्स स्कूल, कंझावला रॉड ओल्ड बवाना में अस्थायी जेल बनाने की अनुमति दी जाए.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 29 मई, 2023 3

सु वि चा र

परिस्थितियाँ जितनी ज्यादा आपको तोड़ती हैं.. उससे कहीं ज्यादा आपको मजबूत बना देती हैं..।

कल्याणकारी योजनाओं से प्रदेश का हर घर लाभान्वित : येर्राबेल्ली

महबूबाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज और ग्रामीण विकास मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने रविवार को कहा कि तेलंगाना के हर घर को दूरदर्शी मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी और विकास योजनाओं से लाभ हुआ है। राव जिले के थोरुरु मंडल में चेरलापलेम और हरिपिराला गांवों के बाहरी इलाके में आयोजित "आत्मीय सम्मेलनम" में बोल रहे थे।

इससे पूर्व दिन में उन्होंने चेरलापलेम में 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण भी किया और गांव में सड़क निर्माण कार्यों की आधारशिला भी रखी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा शुरू की गई विकास और कल्याणकारी योजनाएं राज्य के हर घर में पहुंच गई हैं। मैं पार्टी कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूं कि इन योजनाओं को लोगों तक ले जाएं और कांग्रेस और भाजपा की साजिशों का मुकाबला करें। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में बीआरएस की जीत होगी। राव ने लोगों के कल्याण के लिए हानिकारक नीतियों और सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टीआरएस नेताओं को लक्षित करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर (आईटी) विभाग जैसे संगठनों को तैनात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चारलापलेम गांव को विकास कार्यों के लिए 35 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने स्थानीय निवासियों को गोपालगिरी गांव में बनने वाले पाम ऑयल कारखाने में रोजगार के अवसरों का आश्वासन भी दिया। एमपीपी चिन्ना अंजैया, जेडपीटीसी मंगलापल्ली श्रीनिवास और अन्य वरिष्ठ नेता कार्यक्रमों में उपस्थित थे।

संपत्ति के लिये बड़े भाई ने ले ली छोटे भाई की जान

मदनूर, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर मंडल सोनाला गांव में संपत्ति विवाद को लेकर आज सुबह करीब चार बजे विजय को उसके बड़े भाई राजू ने चाकू मारकर हत्या कर दी। मदनूर एसआई कृष्णा रेड्डी ने बताया कि मदनूर मंडल सोनाला गांव के निवासी दो भाई विजय पाटील व राजू पाटील के बीच संपत्ति विवाद चल रहा था।

बड़े भाई राजू पाटील ने रविवार के सुबह-सुबह विजय पाटील के गहरी नींद का फायदा लेकर विजय पाटील पर धारदार चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। घअना की जांच बांसवाड़ा डीएसपी, बिचकुंडा सीआई, मदनूर एसआई कृष्णा रेड्डी कर रहे हैं। अंतिम संस्कार में जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे ने भाग लिया।

सरकार ने प्लास्टिक कचरे सहित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में कई पहल की : अरविंद कुमार

ठोस, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला का उद्घाटन

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस समारोह-2023 मनाने के एक भाग के रूप में, अभिनव और लागत प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2016 पर एक कार्यशाला का उद्घाटन एमए और यूडी के विशेष मुख्य सचिव और एचएमडीए के आयुक्त अरविंद कुमार ने किया। कार्यशाला में ए. वाणी प्रसाद, तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव और महानिदेशक, ईपीटीआरआईऔर डॉ. एन. सत्यनारायण, सी एंड डीएमए, आयुक्त, नगर आयुक्त, पर्यावरण इंजीनियर और स्वच्छता निरीक्षक शामिल थे।

अरविंद कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्लास्टिक कचरे सहित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में कई पहल की हैं और यह भी कहा कि सभी यूएलबी में मल कीचड़ उपचार संयंत्र (एफएसटीपी) स्थापित किए जा रहे हैं।

वाणी प्रसाद ने कहा कि संसाधन दक्षता और चक्रीय अर्थव्यवस्था समय की आवश्यकता थी और आगे कहा कि ईपीटीआरआई ने अपशिष्ट पुनर्चक्रण परिसर (डब्ल्यूआरसी) की स्थापना की है और शून्य अपशिष्ट अवधारणा को सुनिश्चित करने के लिए इसी तरह के केंद्र स्थापित करने में नगर पालिकाओं की मदद करेगा।

अगले साल से स्थानीय छात्रों के लिए और अधिक यूजी, पीजी सीटों की संभावना

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के तहत एपी स्थानीय लोगों के लिए निर्धारित 15 प्रतिशत आरक्षण के साथ तेलंगाना में अधिक स्थानीय छात्रों को अगले वर्ष से राज्य में इंजीनियरिंग, चिकित्सा और फार्मेसी सहित यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

एपी पुनर्गठन अधिनियम 2014, द्विभाजन के दौरान, संविधान के अनुच्छेद 371 डी के तहत प्रदान की गई सामान्य प्रवेश प्रक्रिया को दोनों उत्तराधिकारी राज्यों - तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए 10 वर्षों की अवधि के लिए जारी रखना अनिवार्य कर दिया था। इसके अनुसार प्रावधान, उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) में 85 प्रतिशत आरक्षण संबंधित स्थानीय उम्मीदवारों के लिए है और शेष 15 प्रतिशत सभी के लिए खुला है। इसका मतलब है, तेलंगाना में प्रवेश में 85 प्रतिशत आरक्षण स्थानीय छात्रों के लिए आरक्षित है, शेष 15 प्रतिशत आंध्र प्रदेश और गैर-स्थानीय लोगों (अन्य राज्यों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों) के लिए खुला था। आंध्र प्रदेश में भी यही आरक्षण नीति लागू है, जिसमें 85 प्रतिशत सीटें स्थानीय छात्रों के लिए आरक्षित हैं और 15 प्रतिशत अन्यों के लिए हैं। तेलंगाना में आईटी, फार्मेसी, लाइफ साइंसेज और अन्य क्षेत्रों के तेजी से विकास के अलावा शैक्षिक संभावनाओं, कैंपस प्लेसमेंट और नौकरी के अवसरों के आकर्षक संयोजन को देखते हुए, बड़ी संख्या में एपी छात्र हर साल आम प्रवेश प्रक्रिया के तहत राज्य में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शामिल होते हैं। तेलंगाना स्टेट इंजीनियरिंग, एग्रीकल्चर एंड मेडिकल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस एमसेट) 2023 के हाल ही में घोषित परिणामों में यह अधिक स्पष्ट था जिसमें एपी छात्रों द्वारा शीर्ष रैंक हासिल की गई थी। स्थानीय लोगों के लिए अधिक अवसर छोड़ते हुए 2024 में आम प्रवेश प्रक्रिया समाप्त हो जाती है। हालांकि, आरक्षण कोटे पर फैसला राज्य सरकार को करना होगा।

जैन समाज की सामाजिक सेवाएं सराहनीय : तलसानी

दो एकड़ जमीन मिलने पर जैन सेवा संघ ने तेलंगाना सरकार का आभार जताया

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार द्वारा स्वाभिमान भवन निर्माण के लिए जैन सेवा संघ हैदराबाद को उप्पल भगायत में 2 एकड़ जमीन दये जाने पर संघ द्वारा सरकार के प्रति आभार जताने के लिए सिकंदराबाद स्थित महबूब कॉलेज में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आवंटित भूमि का दस्तावेज जैन सेवा संघ के चेयरमैन व अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को हस्तातंरित किया। अपने संबोधन में मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सरकार विकास तथा सुशासन का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री केसीआर तेलंगाना में रहने वाले जन को अपने परिवार के सदस्य जैसा मानते हैं। तेलंगाना छोटा राज्य होने के बाद भी विकास के पैमाने पर देश में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार का उद्देश्य हर व्यक्ति तक विकास को पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार वर्ष 2014 से कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कर राज्य के हर जाति, हर समाज को लाभ पहुंचा रही है। हमारा उद्देश्य राज्य के मुख विकास के साथ-साथ सद्भाव को भी प्रोत्साहित करना है। उन्होंने जैन समाज द्वारा किए जा रहे सेवा की सराहना करते हुए आने वाले समय में भी अपने लक्ष्य की ओर बढने की उम्मीद जताई।

इसके पूर्व जैनसेवा संघ के योगेश सिंघी ने अपने स्वागत वक्तव्य में सभी जैन समुदाय की ओर से तेलंगाना सरकार के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के साथ-साथ महावीर अस्पताल की भूमि को लोज फ्री होल्ड करना पूरे समाज के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मात्र पचास दिनों में भूमि आवंटन समाज के लिए सौभाग्य का विषय है। इस अवसर पर उन्होंने भूमि आवंटन में भूमिका का निर्वाह करने के लिए मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, साईकिरण यादव सहित तेरापंथ सभा सिकंदराबाद के उपाध्यक्ष हिमांशु जैन बफणा के प्रति विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि सरकार विविध स्तरों पर हमारा सहयोग कर रही है।

हमारा भी दायित्व है कि हम तेलंगाना सरकार का कंधे से कंधा मिलाकर समर्थन करें। योगेश सिंघी ने कहा कि आगामी 3 जून को सुबह 11 बजे से भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सकल जैन समाज उपस्थिति उल्लेखनीय संख्या में पूरे उत्साह के साथ दर्ज कराए।

इस अवसर पर साईकिरण यादव ने कहा कि जैन समाज एक प्रतिष्ठित समुदाय है, जो राज्य के आर्थिक सामाजिक विकास में अपना निरंतर योगदान प्रदान कर रहा है। उन्होंने तेलंगाना विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आईटी मंत्री केटी रामाराव के नेतृत्व में हैदराबाद भारत का सिलिकॉन वैली बन गया है।

आभार एवं अभिनंदन समारोह को सफल बनाने में श्री जैन सेवा संघ हैदराबाद के उपाध्यक्ष विनोद संचेती, सुभाष पिरोदिया, महामंत्री अशोक कुमार मुथा, सहमंत्री भरत जैन, राजेश गुगलिया, कोषाध्यक्ष महेंद्र कटारिया, कार्यकारी समिति के मानिक पोकरणा जैन तथा प्रचार संयोजक प्रवीण पांडया सहित आनंद बोहरा, अनिल कातरेला, आशीष साभ्रदा, दीपक कीमती, धर्मेंद्र समदरिया, घेवर चंद कोठारी, कैलाश भंडारी, किशोर कुमार मुथा, माणकचंद पोकरणा, मोहनलाल बगरेचा, नवल बाफणा, नवीन अलिजार, पद्म कोठारी, पारस डोसी, पवन पांडया, प्रदीप सुराणा, राजेंद्र बोहरा, राजेंद्र भंडारी, राजेश साप्रदा, राकेश सुराणा, रमेश गांधी, रमेश पितलिया, सज्जनराज भंडारी, सज्जनराज सिंघवी, सुनील कावडिया, सुरेश सुराणा, विजय सुराणा, विमल मुथा, विनोद मखाणा, योगेश सोनी, रतनचंद सुराणा, सुभाषचंद शंका, नरेंद्र कुमार लुकड़ सहित अन्य ने योगदान प्रदान किया। जैन समाज को प्राप्त उक्त उपलब्धि के लिए हिमांशु बाफना, उमेश नगरेचा, विकास चाणोदिया सहित जैन समाज के सेंटर के चेयरमैन महेंदर शंका, ट्रस्टी सुनील गणमान्य उपस्थित थे।

तेलंगाना के विकास में केंद्र के योगदान पर श्वेत पत्र जारी करें भाजपा नेता : बीआरएस

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना के भाजपा सांसदों से केंद्र से राज्य में उनके योगदान पर एक श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए सरकारी सचेतक गोंगीदी सुनीता और गुव्वाला बलराजू ने कहा कि केंद्र में पिछले नौ वर्षों से सत्ता में रही भाजपा सरकार के बावजूद, तेलंगाना के भाजपा नेता राज्य के लिए धन लाने में विफल रहे हैं और वे बीआरएस सरकार की आलोचना करने के अलावा कुछ नहीं कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी की टिप्पणी की निंदा करते हुए, जिन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की नीति आयोग की बैठक से अनुपस्थिति तेलंगाना के लिए एक बड़ी क्षति है, बीआरएस विधायक गोंगीडी सुनीता ने याद दिलाया कि 10 राज्यों के मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक से दूर रहे और कई मुख्यमंत्रियों को लगा कि जब केंद्र खुलेआम सहकारी संघवाद का मजाक उड़ा रहा है तो बैठक में शामिल होने का कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के भाजपा नेताओं को तेलंगाना राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में बुनियादी ज्ञान नहीं है और वे बिना किसी वैध बिंदु के बीआरएस सरकार के खिलाफ निराधार टिप्पणी कर रहे हैं। एक अन्य विधायक गुव्वाला बलाराजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गलती पाई कि उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माता माने जाने वाले डॉ.बी.आर अंबेडकर के नाम पर नए संसद भवन का नामकरण करने की मांग पर विचार नहीं किया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री उसकी आत्म-महिमा के लिए नए संसद भवन के उद्घाटन का उपयोग कर रहे हैं।

चेन स्नेचिंग का शिकार हुआ सॉफ्टवेयर इंजीनियर

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चैतन्यपुरी में रविवार तड़के दो स्कूटर सवार बदमाशों ने एक सोने की चेन छीन ली, जिसके बाद एक सॉफ्टवेयर पेशेवर चेन स्नैचिंग का शिकार बन गया। उप्पल निवासी लिंगा साईं प्रसाद (25) अपने दोस्त पवन के साथ चैतन्यपुरी चौराहे पर खड़ा था, तभी दो व्यक्तियों ने चार तोला वजनी सोने की चेन छीन ली और फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और अपराधियों की तलाश के प्रयास शुरू कर दिये। मामला दर्ज है।

बालकृष्ण व जूनियर एनटीआर ने एनटीआर को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के संस्थापक एन.टी. रामा राव की 100वीं जयंती पर उनके परिवार के सदस्यों ने रविवार को एनटीआर के बेटे और टॉलीवुड अभिनेता नंदमुरी बालकृष्ण और पोते और लोकप्रिय अभिनेता जूनियर एनटीआरने यहां हुसैन सागर झील के किनारे एनटीआर घाट पर पुष्पांजलि अर्पित की। नंदामुरी रामकृष्ण, अभिनेता राजेंद्र प्रसाद और अन्य ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। एनटीआर घाट पर पत्रकारों से बात करते हुए बालकृष्ण ने कहा कि एनटीआर के बेटे के रूप में जन्म लेना वह अपना सौभाग्य मानते हैं। अभिनेता, जो टीडीपी विधायक भी हैं, ने कहा कि एनटीआर की जन्म शताब्दी न केवल तेलुगु राज्यों में बल्कि दुनिया भर में मनाई जा रही है। एनटीआर न केवल फिल्म उद्योग में बल्कि राजनीति में भी सफलता की सबसे बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंच गया। उन्होंने तेलुगू लोगों के प्यार और स्नेह का बदला चुकाने के लिए टीडीपी की स्थापना की।' उन्होंने याद किया कि सत्ता में आने के बाद एनटीआर ने लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं शुरू कीं।

उनके द्वारा शुरू की गई दो रुपये किलो चावल योजना ने गरीबों को खाद्य सुरक्षा दी। उन्होंने महिलाओं को संपत्ति का अधिकार देने सहित कई क्रांतिकारी कानून लाए। उन्होंने यह भी याद किया कि एनटीआर ने राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जूनियर एनटीआर ने दिग्गज अभिनेता से नेता बने को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने विचार साझा करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया।

एनटीआर ने 1982 में तेलुगु स्वाभिमान के नारे पर टीडीपी बनाई थी। उन्होंने पार्टी की स्थापना के एक साल से भी कम समय में संयुक्त आंध्र प्रदेश में सत्ता में आकर एक तरह का रिकॉर्ड बनाया। एनटीआर ने आंध्र प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया और कांग्रेस के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 18 जनवरी 1996 को उनका निधन हो गया।

नगर में सड़क मरम्मत कार्य पर 1,827 करोड़ रुपये खर्च होंगे

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। व्यापक सड़क रखरखाव कार्यक्रम (सीआरएमपी) का पहला चरण हैदराबाद में 1,050 करोड़ रुपये की लागत से मुख्य सड़कों की मरम्मत, रखरखाव और री-कार्पेटिंग सहित मुख्य सड़कों की बहाली को तीन साल की अवधि में पूरा करने के प्रबंधन के साथ सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया जा रहा है। सीआरएमपी के तहत, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने पांच साल की अवधि के लिए निजी एजेंसियों को 709 किमी की मुख्य सड़कों की मरम्मत, री-कार्पेटिंग और रखरखाव का काम सौंपा। सड़कों के जीर्णोद्धार की जिम्मेदारी एजेंसियों को दिए जाने के बाद, अतिरिक्त 102.95 किमी के हिस्सों की पहचान की गई और इन सड़कों को भी परियोजना लागत में वृद्धि किए बिना सीआरएमपी एजेंसियों को सौंप दिया गया। कुल मिलाकर, सीआरएमपी के पहले चरण के हिस्से के रूप में, 811.95 किमी शहर की मुख्य सड़कों पर, सड़क की मरम्मत, रखरखाव और री-कार्पेटिंग पर 1,050 करोड़ रुपये की लागत आई है।

सीआरएमपी कार्यों का कुल अनुमानित अनुबंध मूल्य लगभग 1,827 करोड़ रुपये है और यह पांच साल का अनुबंध है जो 2020 में शुरू हुआ था। अधिशेष धन का उपयोग अगले दो वर्षों के लिए इन मुख्य सड़कों के रखरखाव के लिए किया जाएगा। अनुबंध के अनुसार, बहाली के बाद, सड़कों के रखरखाव की जिम्मेदारी एजेंसियों की होती है। मुख्य कैरिजवे को बहाल करने और बनाए रखने के अलावा, एजेंसियों को बीचों-बीच हरियाली बनाए रखने का काम भी सौंपा गया था। जीएचएमसी के डेटा के अनुसार, कार्य प्रगति के रूप में एजेंसियों को बिल जारी किए जा रहे हैं और शिकायत निवारण में देरी होने पर एजेंसियों पर जुर्माना भी लगाया गया था। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि हम चाहते हैं कि मुख्य सड़कें गड्ढा मुक्त हों और उन पर डामर की परतें न हों। गड्ढों और सड़क क्षति से संबंधित शिकायतों को निर्धारित समय के भीतर हल नहीं करने के बाद जुर्माना लगाया गया था।

विवाद के बाद महिला ने पति को आग के हवाले किया

संगारेड्डी, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सनसनीखेज घटना में संगारेड्डी के ऊटला गांव में रविवार तड़के एक महिला ने अपने पति पर डीजल डालकर आग लगा दी। सुनकु नरसिम्हुलु (35) व्यक्ति गहरी नींद में था, तभी उसकी पत्नी यदम्मा (30) ने उस पर डीजल डालकर आग लगा दी। नरसिम्हुलु 90 प्रतिशत तक जल गया और उसे बेहतर इलाज के लिए सिकंदराबादके गांधी अस्पताल ले जाया गया। हत्या के प्रयास का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। मामला दर्ज किया गया था।

शहर के कुछ हिस्सों में झमाझम बारिश, लोगों को गर्मी से मिली थोड़ी राहत

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के कई हिस्सों में आज बारिश के साथ शहर का मौसम अचानक बदल गया। दोपहर तक चिलचिलाती धूप से परेशान रहवासियों को मौसम की ठंडक से राहत मिली।

हैदराबाद में जुबली हिल्स, बंजारा हिल्स, पुंजागुट्टा, अमीरपेट, एसआर नगर, कुकटपल्ली, खैरताबाद, आबिद, कोठी और दिलसुखनगर जैसे कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। ट्रफ रेखा विदर्भ से तेलंगाना और उत्तरी तमिलनाडु के ऊपर बनी हुई है। मौसम विभाग ने कहा कि ट्रफ के प्रभाव में अगले तीन दिनों तक तेलंगाना में मध्यम बारिश की संभावना है। राज्य के कुछ जिलों में आज भी आंधी और तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। शनिवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। सूर्यपेट जिले के लक्कावरम में अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले दो दिनों में तापमान और बढ़ेगा।

इसके अलावा, पूरे राज्य में जून के पहले सप्ताह में औसत अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी दिशाओं से कम ऊंचाई पर तेज हवाएं चल रही हैं।

SHRI GUJARATI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL
4-3-259, Sultan Bazar, Koti, Hyderabad-95
REQUIRES TEACHERS FOR MIDDLE/HIGH SCHOOL
QUALIFICATION REQUIRED:
1. MATHS/PHYSICS (BSc. BEd WITH EXPERIENCE•)
2. BIOLOGY (BSc. BEd WITH EXPERIENCE)
3. ENGLISH /SOCIAL STUDIES (M.A. BEd With Experience)
4. DRAWING (TRAINED), 5. MUSIC (TRAINED)
Contact No : 24756943
NOTE: Time-10.00A.M. to 12.00 Noon From Monday to Friday
OR SEND APPLICATION IN SCHOOL OFFICE
I/c HEADMISTRESS : Smt B. Madhuri
SHRI GUJARATI VIDYA MANDIR HIGH SCHOOL

योगी आदित्यनाथ ने

नये संसद भवन के उद्घाटन पर देशवासियों को बधाई दी

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नये संसद भवन के उद्घाटन पर देशवासियों को हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को एक ट्वीट में कहा ''ऐतिहासिक क्षण। 'नये भारत' की आशाओं, अपेक्षाओं और अभिलाषाओं की पूर्ति का प्रतीक, वैभवशाली, गौरवशाली व प्रेरणादायी नये संसद भवन को आज आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने राष्ट्र को समर्पित किया है। सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई।'' गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार सुबह दिल्ली में नये संसद भवन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने नये संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम्' अनुष्ठान किया। प्रधानमंत्री ने 'सेंगोल' (राजदंड) को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया।

योगी सरकार 35 करोड़ पेड़ लगाकर बनाएगी रिकार्ड, 5 साल में 175 करोड़ लगाने का लक्ष्य

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर योगी सरकार रिकार्ड कायम करने जा रही है। वन विभाग इस बार जुलाई में 35 करोड़ पेड़ लगाने की योजना बना रहा है। वन विभाग को इस बार वृक्षारोपण अभियान का नोडल विभाग बनाया गया है और इस अभियान की तैयारी शुरू हो गई है।

इस अभियान में शामिल होंगे 27 विभाग

राज्य में इस वर्ष एक और वृक्षारोपण रिकॉर्ड बनने के लिए तैयार है, जब एक ही दिन में 35 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे। वन विभाग के सूत्रों ने कहा कि हालांकि सटीक तारीख अभी तय नहीं की गई है, यह जुलाई में किसी भी दिन हो सकती है। इस अभियान में 27 सरकारी विभाग भाग लेंगे। वृक्षारोपण के लिए वन विभाग नोडल विभाग है।

अब तक 100 करोड़ पौधे रोपे जा चुके

योगी सरकार ने अपनी पिछली सरकार से वर्ष दर वर्ष महत्वाकांक्षी वृक्षारोपण लक्ष्य निर्धारित कर प्रदेश में अब तक 100 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं। इसने पिछले आठ वर्षों में राज्य के हरित आवरण को 8.8% से बढ़ाकर 9.2% कर दिया है। स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट (एसओएफआर) के अनुसार, 2013 में, यूपी में ग्रीन कवर 8.8% था।

दूसरे कार्यकाल में 175 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 के सर्वेक्षण में राज्य में हरित क्षेत्र में 91 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने 2030 तक इसे बढ़ाकर 15 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में पांच साल में 175 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है, जो हर साल 35 करोड़ पेड़ है।

29 प्रजातियों के पेड़ लगाने का लक्ष्य

योजना के तहत पिछले साल 35 करोड़ पेड़ लगाए गए और इस साल 35 करोड़ और लगाए जाएंगे। वृक्षारोपण कृषि-जलवायु क्षेत्रों के अनुसार किया जाएगा। विभिन्न जिलों में पौधरोपण के लिए 29 प्रजातियों की पहचान की गई है। बरगद, पीपल, पाकर, अर्जुन, आंवला, सहजन, कथल, बेल एवं अन्य प्रजातियों के पौधे रोपे जाएंगे।

यूपी में सब्जियों के दाम: अदरक और टमाटर हुआ महंगा

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। यूपी में सब्जियों की कीमत भीषण गर्मी के कारण बढ़ रहे हैं. प्रदेश में अदरक के भाव में पिछले दो हफ्तों में करीब 45 फीसदी तक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है. थोक व्यापारी गोविंद बिहारी के मुताबिक महीने से आवक प्रभावित हो रही है. इसके चलते थोक भाव 30-40 रुपए प्रतिकिलो से 90- 100 रुपए तक पहुंच गए है. वहीं फुटकर में भी भाव 150 से 180 तक पहुंच गए है. यह असर करीब एक महीने तक बरकार रहेगा.वहीं टमाटर पिछले दो महीनों से 10-12 रुपये की कीमत में बिक रहा था. उसके दाम भी अब बढ़ने लगे हैं. आजकल टमाटर की कीमत 15 रुपये किलो चल रही है. वहीं भरपूर आवक से कद्दू, पालक, बैंगन, फूल गोभी, लौकी, तोराई और भिंडी के दाम थोड़े कम हुए है. भिंडी 30 रुपये प्रति किलो, तो तरोई 15 रुपये किलो में बिक रही है. इन सब्जियों के दाम में आई तेजीः इन दिनों मौसम की मार से लोकल सब्जियों की आवक थोड़ी घटी है. व्यापारियों के मुताबिक पिछले साल की तुलना में ज्यादा असर है. देखा जाए तो आलू, लहसुन, परवल और करेले के दाम में तेजी आई है. मंडी में आलू की कीमतों में भी 4 रुपये प्रति किलो के भाव का इजाफा हुआ है जो अब 13 रु किलो में बिक रहा है लहसुन 80 रु किलो के भाव मे बिक रहे है करेले परवल की आवक होने और डिमांड होने से दाम में तेजी आई है

कानपुर में मारपीट में घायल नाबालिग की मौत

कानपुर, 28 मई (एजेंसियां)। यौन उत्पीड़न की शिकार एक नाबालिग ने लाला लाजपत राय अस्पताल में अस्पताल में भर्ती होने के एक सप्ताह से भी कम समय के बाद दम तोड़ दिया. चकेरी इलाके में पांच दिन पहले आठ साल की बच्ची एक मैनहोल के अंदर गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली थी. इस संबंध में उसके पिता ने प्राथमिकी दर्ज कराई है. एसीपी चकेरी अमरनाथ यादव ने बताया कि आठ साल के आरोपी को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है. मेडिकल जांच में उसकी आंतों में सूजन दिखाई दी. इलाज कर रहे डॉक्टरों ने कहा कि शुरू में वह होश में थी, लेकिन शनिवार को उसकी हालत बिगड़ गई और कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण उसकी मौत हो गई. अपने बयान में उसने पुलिस को बताया कि उसी मोहल्ले में रहने वाले एक लड़के ने उसके साथ जबरदस्ती की,

आरजेडी ने नए संसद भवन की तुलना ताबूत से की

बीजेपी बोली- आप नजरबट्टू हैं

पटना, 28 मई (एजेंसियां)। संसद का नया भवन वास्तु पूजा के साथ ही राष्ट्र को समर्पित कर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकरने पूजा में हिस्सा लिया। पूरा देश इन ऐतिहासिक पलों का साक्षी बना। वहीं विपक्षी नेता विरोध करते रहे। विपक्ष ने पहले ही इस कार्यक्रम का बहिष्कार करने का फैसला कर दिया था। विपक्ष की मांग थी कि पीएम मोदी क्यों संसद भवन का उद्घाटन कर रहे हैं, यह काम तो देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति को करना चाहिए? उद्घाटन के बाद भी विपक्षी नेताओं ने ट्वीट किए। हालांकि यूजर्स को यह कमेंट्स पसंद नहीं आए। अधिकांश पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। लालू यादव की पार्टी ने शर्मनाक ट्वीट किया। आरजेडी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एक फोटो शेयर की गई। इसमें संसद भवन की डिजाइन की तुलना ताबूत से की गई। लोगों को यह बात जरा भी पंसद नहीं आई। सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है कि जिन्हें संसद भवन ताबूत लग रहा हो, वो यहां कदम ना रखें। वहीं भाजपा ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आप (आरजेडी) नजरबट्टू हैं, और कुछ नहीं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति, जो इस पद पर बैठने वाली पहली आदिवासी हैं, उन्हें अपने संवैधानिक कर्तव्यों को निभाने नहीं दिया जा रहा है। उन्हें 2023 में नए संसद भवन के उद्घाटन की इजाज़त नहीं दी गई। एक आत्ममुग्ध तानाशाह प्रधानमंत्री, जिसे संसदीय प्रक्रियाओं से नफ़रत है, जो संसद में कम ही उपस्थित रहता है या कार्यवाहियों में भाग लेता है, 2023 में नए संसद भवन का उद्घाटन कर रहा है। जयराम रमेश के इस ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, सावरकर जी को समझने में आपको 7 जन्म लग जाएंगे जयराम जी। आप और आपकी सोच गुलाम थी, गुलाम है और गुलाम ही रहेगी। वहीं दलित नेता उदित राज ने कहा, देश का लोकतंत्र खतरे में है। राष्ट्रपति को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए मेरी उन सभी पार्टियो को खुली चुनौती है, जिसने नये संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार किया है। अब इस नई संसद भवन में पैर मत रखना। अब आप कुछ भी बोलते रहो संसद भवन का उद्घाटन हो चुका है, अगर आपको संतुष्टि नहीं मिली है तो जब आप प्रधानमंत्री बनोगे तब दोबारा से संसद भवन बना लेना फिर उद्घाटन करवा लेना। इनको गोमुख स्ट्रक्चर के बारे में कुछ पता नहीं और अपने आप को भगवान श्री कृष्ण के वंशजों की पार्टी बोलते हैं। कर्मों का फल वापस मिलता है। आज ये नए संसद भवन का बहिष्कार कर रहे हैं कहीं ऐसा ना हो कि संसद भवन में जाने को तरस जाएं।

दिल्ली जाने से पहले ही समाजवादी पार्टी के विधायक

अतुल प्रधान और कांग्रेस जिलाध्यक्ष हाउस अरेस्ट

मेरठ, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में चल रहे खिलाड़ियों के धरने में शामिल होने से पहले ही पुलिस ने समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान और अन्य सपा नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया है। इसके साथ ही नई संसद भवन के घेराव के लिए जा रहे कांग्रेस, रालोद और भारतीय किसान यूनियन के भी कुछ पदाधिकारियों को भी नजरबंद किया गया है।

समाजवादी पार्टी ने दिया है समर्थन

दिल्ली में चल रहे पहलवानों के धरने को सपा का भी समर्थन है। रविवार सुबह सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान और अन्य लोग दिल्ली निकलने वाले थे। इससे पहले ही पुलिस ने सपा

विधायक अतुल प्रधान और नेहा गौड कुछ अन्य नेताओं को भी हाउस अरेस्ट कर लिया। इसी क्रम में पुलिस ने कांग्रेस जिला अध्यक्ष अवनीश काजला को भी हाउस अरेस्ट किया है। इसके अलावा भारतीय किसान यूनियन ने नए संसद भवन के घेराव का ऐलान किया था।

पुलिस ने कई नेताओं को किया नजरबंद

रविवार सुबह सभी को निकलना था। इससे पहले ही पुलिस ने भारतीय किसान यूनियन और रालोद से जुड़े हुए नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया। राजकुमार सांगवान, संजय दौरालिया को भी हाउस अलग किया गया है।

बुलंदशहर में भी भाकियू नेता नजरबंद

पहलवानों के समर्थन में दिल्ली जा रहे भाकियू नेताओं को पुलिस ने नजर बंद कर लिया। किसान और भाकियू नेता नए संसद भवन के बाहर धरना देने के लिए दिल्ली जा रहे थे। भाकियू नेताओं और कार्यकर्ताओं पर पुलिस-प्रशासन नजर रखे हुए हैं। बुलंदशहर में रविवार को भाकियू टिकैत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गजेंद्र चौधरी समर्थकों के साथ दिल्ली जा रहे थे। तभी भूड़ चौराहा पर गजेंद्र चौधरी और समर्थकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके अलावा टिकैत गुट के ही युवा मंडल अध्यक्ष बब्बन चौधरी अन्य कई भाकियू कार्यकर्ता और पदाधिकारी दिल्ली पहुंच भी गए। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी किसान संगठनों पर नजर रखे हुए हैं। नेशनल हाईवे पर एसपी सिटी सुरेंद्र नाथ तिवारी भी फोर्स के साथ पहुंचे और दिल्ली जाने वालों की निगरानी कर रहे हैं।

नए संसद भवन के उद्घाटन में पहुंचे बीजेपी सांसद वरुण गांधी, मां मेनका गांधी के साथ ली सेल्फी

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन किया और ऐतिहासिक राजदंड 'सेंगोल' को लोकसभा अध्यक्ष के आसन के नजदीक स्थापित किया. पारंपरिक परिधान में पीएम मोदी ने द्वार संख्या-एक से संसद भवन परिसर में प्रवेश किया. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनका स्वागत किया. इसके बाद पीएम और लोकसभा अध्यक्ष ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की. इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई राज्यों के सीएम के अलावा बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और सांसद मौजूद रहे. नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर यूपी के पीलीभीत से बीजेपी सांसद वरुण गांधी भी मौजूद थे. उन्होंने अपनी मां और बीजेपी की ही सुल्तानपुर से सांसद मेनका गांधी के साथ सेल्फी भी ली. वरुण गांधी ने सेल्फी को ट्विटर पर भी शेयर किया है. एक तस्वीर में वो अपनी मां के साथ दिखे रहे हैं. वहीं दूसरी तस्वीर में उनकी मां के अलावा बीजेपी के सांसद मनोज तिवारी भी दिख रहे हैं. वरुण गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, हमारे नए संसदीय परिसर के उद्घाटन के इस ऐतिहासिक अवसर पर, मैंने वर्तमान लोकसभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य से एक साथ कुछ सेल्फी लेने का अनुरोध किया.

पीएम मोदी ने 'सेंगोल' को किया दंडवत प्रणाम

बता दें कि पीएम मोदी ने नए संसद भवन के उद्घाटन के मौके पर ईश्वर का आशीर्वाद लेने के लिए कर्नाटक के श्रृंगेरी मठ के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच 'गणपति होमम्' अनुष्ठान किया. पीएम 'सेंगोल' को दंडवत प्रणाम किया और हाथ में पवित्र राजदंड लेकर तमिलनाडु के अलग-अलग अधीनमों के पुजारियों का आशीर्वाद लिया. इसके बाद 'नादस्वरम्' की धुनों के बीच पीएम मोदी सेंगोल को नए संसद भवन लेकर गए और इसे लोकसभा कक्ष में अध्यक्ष के आसन के दाईं ओर एक विशेष स्थान में स्थापित किया.

परीक्षा देने कॉलेज गई थी लड़की, फिर जो हुआ उसने सबको कर दिया हैरान

बांदा, 28 मई (एजेंसियां)। यूपी के बांदा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आ रही है यहाँ घर से परीक्षा देने के लिए निकली रिश्ते में जीजा लगने वाले युवक के साथ भाग गई. दोनों के बीच बहुत वक़्त से प्रेम-प्रसंग होने की बात कही जा रही है. भागने से पहले लड़की ने परीक्षा भी दी. सामने आया है कि युवक लड़की की ही बड़ी बहन का पति है. पीड़ित परिवार ने अपने दामाद के खिलाफ पुलिस थाने में जाकर मुकदमा दर्ज करवाया है. पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मामले की तहकीकात आरम्भ कर दी है. दरअसल, मामला जिले के बिसंडा थाना के एक गांव का है. यहां के रहने वाले एक शख्स ने पुलिस थाने में जाकर अपनी ही बड़ी बेटी के पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है. पीड़ित का कहना है कि उसका दामाद उसकी छोटी को बहला-फुसला कर साथ भगा ले गया है.

राजदंड की स्थापना में केवल ब्राह्मण गुरुओं को बुलाना दुर्भाग्यपूर्ण: स्वामी प्रसाद

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रविवार को नई संसद भवन के उद्घाटन को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उद्घाटन समारोह में सिर्फ दक्षिण भारत के ब्राह्मण धर्मगुरुओं को बुलाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। अगर भाजपा को पंथनिरपेक्ष संप्रभु-राष्ट्र भारत में विश्वास होता तो देश के सभी धर्म गुरुओं को आमंत्रित करती। उन्होंने संसद में सेंगोल की स्थापना पर कहा कि भाजपा देश को राजतंत्र के रास्ते पर ले जा रही है। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि सेंगोल राजदंड की स्थापना पूजन में केवल दक्षिण के कट्टरपंथी ब्राह्मण गुरुओं को बुलाया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा सरकार का यदि पंथनिरपेक्ष संप्रभु-राष्ट्र भारत में विश्वास होता तो देश के सभी धर्म गुरुओं यथा- बौद्ध धर्माचार्य (भिक्षुगण), जैन आचार्य (ऋषि), गुरु ग्रंथी साहब, मुस्लिम धर्मगुरु (मौलाना), ईसाई धर्मगुरु (पादरी) आदि सभी को आमंत्रित किया जाना चाहिए था। ऐसा न कर भाजपा अपनी दूषित मानसिकता और घृणित सोच को दर्शाया है। यद्यपि भाजपा सरकार सेंगोल राजदंड की स्थापना कर राजतंत्र के रास्ते पर जा रही है अपितु दक्षिण के ब्राह्मण धर्मगुरुओं को बुलाकर ब्राह्मणवाद को भी स्थापित करने का कुत्सित प्रयास कर रही है।

डिप्टी सीएम केशव के बेटे का विवादित बयान

पुलिस अब आजम की भैंस नहीं पकड़ती, अतीक को गोली मारने का काम करती है

कौशांबी, 28 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बेटे योगेश मौर्य का एक बयान सुर्खियां में है। योगेश ने शनिवार को भरवारी में आयोजित नव निर्वाचित नगर पालिका अध्यक्ष कविता सरोज के शपथ ग्रहण समारोह में मंच से विवादित बयान दिया। इसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की पुलिस अब आजम खां की भैंस नहीं खोजती, बल्कि अतीक को गोली मारने का काम करती है। इसके बाद वह यहीं पर नहीं रुके। मीडिया से मुखातिब होते हुए योगेश ने सिराथू व चायल के सपा विधायकों के बारे में भी टिप्पणी की। कहा कि दोनों विधायक अपने-अपने क्षेत्र में घुसने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही हैं। इसके लिए उन्होंने भाजपा के विकास को जिम्मेदार बताया। समारोह में डीएम सुजीत कुमार, एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव, बारा (प्रयागराज) विधायक वाचस्पति व चायल के पूर्व विधायक संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष अनीता त्रिपाठी समेत तमाम भाजपाई मौजूद थे।

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा वीडियो

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव मौर्या के बेटे योगेश मौर्या बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत करने आए थे। अपने संबोधन में वह भाजपा सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए एक ऐसा बयान दे बैठे, जो सोशल मीडिया की सुर्खियां बना गया। योगेश ने मंच से कहा कि अंत में वह सिर्फ इतना कहना चाहते हैं कि डीएम साहब की पुलिस अब आजम खां की भैंस पकड़ने का काम नहीं करती, वह अतीक को गोली मारने का काम करती है। इसके बाद वह मंच छोड़ अपनी कुर्सी की ओर बढ़े तो मंचासीन अफसर और नेता मुस्कुराने लगे।

पीएम मोदी ने किया नए संसद भवन का उद्घाटन मायावती बोलीं- 'पवित्र संविधान की नेक मंशा...'

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री मोदी ने आज नया संसद भवन भारतवासियों को समर्पित किया. विपक्षी दलों के बहिष्कार के बीच रविवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे पीएम मोदी ने नए संसद भवन का उद्घाटन किया. वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने नए संसद भवन के उद्घाटन के लिए केंद्र सरकार को शुभकामनाएं दीं. मायावती ने ट्वीट कर लिखा, नये संसद भवन के आज किये गये उद्घाटन के लिए केन्द्र को शुभकामनायें. इस नए संसद भवन का परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की मानवतावादी सोच तथा उनके बनाये गये पवित्र संविधान की नेक मंशा के हिसाब से देश व जनहित में सही व भरपूर इस्तेमाल हो, यह उचित होगा. बता दें कि 19 विपक्षी दल ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया था. हालांकि कुछ दल इस विषय पर केंद्र के समर्थन में भी थे, बसपा प्रमुख मायावती ने इस मामले पर केंद्र सरकार का समर्थन किया था. नए संसद भवन के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने इस भवन के निर्माण करने वाले श्रमजीवियों को सम्मानित किया, और कहा कि नया संसद भवन समय की मांग थी क्योंकि आने वाले समय में लोकसभा और राज्यसभा सीटों में इजाफा होगा. संसद भवन का उद्घाटन करते हुए पीएम ने कहा कि आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए अविस्मरणीय है. संसद का नया भवन हम सभी को गर्व और उम्मीदों से भर देने वाला है. मुझे विश्वास है कि यह दिव्य और भव्य इमारत जन-जन के सशक्तिकरण के साथ ही राष्ट्र की समृद्धि और सामर्थ्य को नई गति और शक्ति प्रदान करेगी. पीएम ने कहा कि नए संसद भवन ने करीब 30 हजार श्रमिकों को रोजगार दिया है. उन्होंने कहा कि नया संसद भवन आत्मनिर्भर भारत के सूर्योदय का साक्षी बनेगा. उन्होंने कहा कि हमारा संविधान ही हमारा संकल्प है. वहीं नए संसद भवन के उद्घाटन को लेकर विपक्ष ने केंद्र पर निशाना साधा. एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि देश में लोकतंत्र नहीं है, विपक्ष की मौजूदगी के बिना नए संसद भवन का उद्घाटन संपन्न नहीं हो सकता।

एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे के कपड़ों की जांच रिपोर्ट आई सामने

अब इन 4 लोगों का होगा डीएनए टेस्ट

वाराणसी, 28 मई (एजेंसियां)। भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत के मामले में पुलिस प्रशासन को एक और जांच रिपोर्ट मिली है. जो प्रयोगशाला में आकांक्षा के कपड़ों के जांच के बाद सामने आई है. इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद पुलिस भोजपुरी गायक समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के डीएनए टेस्ट की तैयारी कर रही है, ताकि जांच में आगे की कार्रवाई की जा सके.

बता दें कि, 26 मार्च 2023 को आकांक्षा दुबे की डेड बॉडी वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में मिली थी. इसके बाद 27 मार्च को आकांक्षा दुबे की मां मधु दुबे की शिकायत पर भोजपुरी सिंगर समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ सारनाथ आने पर मुकदमा दर्ज किया गया था. शिकायत के बाद पुलिस ने 6 अप्रैल को समर सिंह को गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद से लगातार पुलिस तेजी मामले की जांच में जुटी हुई है. सारनाथ थाने की पुलिस अब जेल में बंद भोजपुरी गायक समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह समेत कुछ अन्य लोगों के डीएनए जांच कराए जाने की तैयारी कर रही है. पुलिस इसके लिए जल्द ही कोर्ट से अनुमति की मांग करेगी.

गर्भवती पत्नी को फोन पर दिया तीन तलाक महिला बोली- जीजाजी ने बहका दिया है पति को

बांदा, 28 मई (एजेंसियां)। यूपी के बांदा से एक बार फिर तीन तलाक का सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां शौहर ने दहेज में बाइक, 5 लाख रुपये और सोने की चेन न मिलने पर शादी के महज 8 महीने बाद बहनोई के कहने पर अपनी बीवी को तीन तलाक दे दिया. इतना ही नहीं, पीड़िता के गर्भवती होने के बावजूद ससुराल जनों ने उससे मारपीट की और घर से निकाल दिया. पीड़िता अपने ससुरालियों की मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर पुलिस स्टेशन पहुंची. पुलिस ने तुरंत महिला के शौहर सहित 7 ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और मुस्लिम महिला विवाह सुरक्षा अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू की. मामला चिल्ला थाना के शादी मदनपुर गांव का है. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका निकाह 18 अगस्त 2022 को इसी गांव के एक युवक से हुआ था. पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा गहने, सामान आदि देते हुए बारात में आये 800 लोगों का स्वागत सत्कार कर विदा किया. ससुराल में दिए गए दहेज को लेकर कोई खुश नहीं था. इसलिए वे निकाह के 2 महीने बाद दहेज में एक बाइक, 5 लाख रुपये और सोने की चेन की मांग करने लगे. पीड़िता ने बताया कि वह गर्भवती भी है, इसलिए दहेज की मांग कर रहे ससुरालियों की हर प्रताड़ना सहती रही. कई पंचायतें हुईं लेकिन ससुराल वाले नहीं माने. दहेज की खातिर वे उसे शारीरिक और मानसिक यातनाएं देते रहे और अंत में धक्के मारकर घर से निकाल दिया. इसके बाद वह अपने मायके आ गई. पीड़िता का कहना है कि फिर शौहर ने अपने बहनोई के कहने पर फोन पर उसे तीन तलाक दे दिया.

मोदी के मन की बात का 101वां एपिसोड: पीएम ने सावरकर की जयंती पर उन्हें याद किया

बोले- वे स्वाभिमानी, कभी गुलामी बर्दाश्त नहीं की

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो प्रोग्राम मन की बात के 101वें एपिसोड में युवासंगम, देश के म्यूजियम, जल संरक्षण और सावरकर की जयंति पर आधे घंटे बात की। पीएम ने कहा- युवासंगम में युवा दूसरे राज्यों के शहरों और गांवों में जाते हैं, उन्हें अलग-अलग तरह के लोगों के साथ मिलने का मौका मिलता है। देश के म्यूजियम आने वाली पीढ़ियों की बहुत मदद करता है। देश में स्वाधीनता संग्राम में आदिवासी भाई-बहनों के योगदान को समर्पित 10 नए म्यूजियम बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने सावरकर की जयंती पर उन्हें याद करते हुए कहा- वीर सावरकर का का निडर, स्वाभिमानी स्वभाव कभी गुलामी की मानसिकता को बर्दाश्त नहीं कर सका।

आज के प्रोग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 3 बड़ी बातें

1. युवा संगम के जरिए एक-दूसरे की भाषा-संस्कृति को समझ रहें युवा

प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम की शुरुआत युवा संगम की चर्चा से की। पीएम ने कहा- बीते दिनों 100वें एपिसोड में हमने मन की बात में काशी तमिल संगमम की बात की, सौराष्ट्र तमिल संगमम की बात की। कुछ समय पहले ही वाराणसी में काशी तेलुगु संगमम भी हुआ। देश में ऐसा ही एक अनूठा प्रयास युवा संगम है। पीएम ने कहा- हमारे देश में देखने के लिए बहुत कुछ है। इसी को देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने युवा संगम नाम से एक बेहतरीन पहल की है। युवा संगम में युवा दूसरे राज्यों के शहरों और गांवों में जाते हैं, उन्हें अलग-अलग तरह के लोगों के साथ मिलने का मौका मिलता है। युवासंगम के पहले राउंड में लगभग 1200 युवा, देश के 22 राज्यों का दौरा कर चुके हैं। जो भी युवा युवासंगम का हिस्सा बने हैं, वे अपने साथ ऐसी यादें लेकर वापस लौट रहे हैं, जो जीवनभर उनके हृदय में बसी रहेंगी। प्रधानमंत्री ने फोन पर अरुणाचल के ग्यामर न्योकुम और बिहार के सासाराम की विशाखा से बात कर युवा संगम के अनुभव जाने।

2. म्यूजियम के जरिए देश के इतिहास को संजोकर रखा जा रहा

पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले ही मैं जापान में हिरोशिमा में था। वहां मुझे हीरोशिमा पीस मेमोरियल म्यूजियम में जाने का अवसर मिला। ये एक भावुक कर देने वाला अनुभव था। जब हम इतिहास की यादों को संजोकर रखते हैं तो वो आने वाली पीढ़ियों की बहुत मदद करता है। कई बार म्यूजियम में हमें नए सबक मिलते हैं तो कई बार हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कुछ दिन पहले ही भारत में इंटरनेशनल म्यूजियम एक्सपो का भी आयोजन किया था। इसमें दुनिया के 1200 से अधिक म्यूजियम की विशेषताओं को दर्शाया गया। हमारे यहां भारत में अलग-अलग प्रकार के ऐसे कई म्यूजियम हैं, जो हमारे अतीत से जुड़े अनेक पहलुओं को प्रदर्शित करते हैं। बीते वर्षों में भी हमने भारत में नए-नए तरह के म्यूजियम और मेमोरियल बनते देखे हैं। स्वाधीनता संग्राम में आदिवासी भाई-बहनों के योगदान को समर्पित 10 नए म्यूजियम बनाए जा रहे हैं।

कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में बिप्लोबी भारत गैलरी हो या फिर जलियावालां बाग मेमोरियल का पुनुरुद्धार, देश के सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों को समर्पित पीएम म्यूजियम भी आज दिल्ली की शोभा बढ़ा रहा है। दिल्ली में ही नेशनल वॉर मेमोरियल और पुलिस मेमोरियल में हर रोज अनेकों लोग शहीदों को नमन करने आते हैं। पहली बार देश में सभी म्यूजियम के बारे में जरुरी जानकारियों को कंपाइल भी किया गया है। म्यूजियम किस थीम पर आधारित है, वहां किस तरह की वस्तुएं रखी हैं, वहां का कॉन्टेक्ट डिटेल्स क्या है। ये सब कुछ एक ऑनलाइन डायरेक्टरी में समाहित है। मेरा आपसे आग्रह है कि आपको जब भी मौका मिले, अपने देश के इन म्यूजियम को देखने जरुर जाएं

3. आज सावरकर की जयंती, वे त्याग-साहस और संकल्प के प्रतीक

प्रधानमंत्री ने कहा- मेरे प्यारे देशवासियो, आज 28 मई को, महान स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर जी की जयंती है। उनके त्याग, साहस और संकल्प-शक्ति से जुड़ी गाथाएं आज भी हम सबको प्रेरित करती हैं। वीर सावरकर का व्यक्तित्व दृढ़ता और विशालता से समाहित था। उनके निर्भीक और स्वाभिमानी स्वाभाव को गुलामी की मानसिकता बिल्कुल भी रास नहीं आती थी। पीएम ने कहा- 4 जून को संत कबीरदास जी की भी जयंती है। कबीरदास जी ने जो मार्ग हमें दिखाया है, वो आज भी उतना ही प्रासंगिक है। संत कबीर ने समाज को बांटने वाली हर कुप्रथा का विरोध किया, समाज को जागृत करने का प्रयास किया। पीएम ने एक्टर और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव की 100वीं जयंति पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम बोले- मेरे प्यारे देशवासियो, हम सबने एक कहावत कई बार सुनी होगी। बार-बार सुनी होगी।

बिन पानी सब सून। बिना पानी जीवन पर संकट तो रहता ही है, व्यक्ति और देश का विकास भी ठप्प पड़ जाता है। ये जल संरक्षण की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। भविष्य की इसी चुनौती को देखते हुए आज देश के हर जिले में 75 अमृत सरोवरों का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने 21 जून को होने वाले वर्ल्ड योगा डे की भी चर्चा की। पीएम ने कहा- आपको मौसम की हर परिस्थिति में अपनी सेहत का ध्यान रखना है। वर्ल्ड योगा डे की भी देश-विदेश में तैयारियां चल रही हैं। आप इन तैयारियों के बारे में भी अपने 'मन की बात' मुझे लिखते रहिए। किसी और विषय पर कोई और जानकारी अगर आपको मिले तो वो भी मुझे बताइयेगा।

महाराष्ट्र : ठाणे में पावरलूम इकाई के मालिक से 1.13 करोड़ रुपये की ठगी

ठाणे, 28 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित एक पावरलूम इकाई के मालिक से कथित तौर पर 1.13 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। निजामपुरा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति ने 2013 से 2016 के बीच आरोपियों को कपड़े की आपूर्ति की, जिसके लिए उन्हें 1,13,61,662 रुपये का भुगतान करना था। 53 वर्षीय पीड़ित भिवंडी इलाके में पावरलूम इकाई का मालिक है। अधिकारी ने पीड़ित के शिकायत के हवाले से बताया कि वह पिछले साल पांच अप्रैल को आरोपियों के पास अपना बकाया मांगने गया, लेकिन उन लोगों ने उसे पैसे देने से मना कर दिया और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने तथा हत्या करवाने की धमकी भी दी। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई जिसके आधार पर संबंधित प्रावधानों के तहत आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच की जा रही है।

इंदौर में मूर्ति स्थापना से पहले खाटू श्याम मंदिर में हुई तोड़फोड़, आरोपी फरार

इंदौर, 28 मई (एजेंसियां)। इंदौर के एक मंदिर में तोड़फोड़ की घटना हुई है। मूर्ति स्थापना के पहले शनिवार देर रात घटना हुई। यह मंदिर इतवारिया बाजार स्थित नवनिर्मित गर्भगृह में तैयार किया जा रहा था। मल्हारगंज क्षेत्र में अनिल डेयरी के सामने यह मंदिर बनाया गया है। मंदिर में खाटू श्याम की प्रतिमा स्थापित किया जाना है। मंदिर से जुड़े कैलाश भाटी ने बताया कि रात को राजा पम्मी और इनके साथियों ने मंदिर में तोड़फोड़ कर दी, जिसके बाद वहां भारी संख्या में खाटू श्याम के भक्त जमा हुए। भीड़ को देखकर आरोपी वहां से भाग गए। आरोपियों को गिरफ्तार करने की पुलिस से मांग की है। मौके पर पुलिस भी आ गई थी। हालांकि अब दोबारा मंदिर को ठीक कर वहां मूर्ति स्थापना होगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मंदिर प्रबंध समिति के लोग पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। आरोपी फरार हैं।

मणिपुर : दुकान में आग लगाने की कोशिश के आरोप में आरएएफ के तीन कर्मी गिरफ्तार

इंफाल, 28 मई (एजेंसियां)। इंफाल में न्यू चेकॉन इलाके की एक स्थानीय दुकान में आग लगाने की कोशिश के आरोप में मणिपुर पुलिस ने हिंसा प्रभावित राज्य में तैनात केंद्रीय त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के तीन कर्मियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, आरएएफ के सोमदेव आर्य, कुलदीप सिंह और प्रदीप कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच की जाएगी. पुलिस ने बताया कि तीन केंद्रीय पुलिसकर्मी रात एक कार में बैठकर सादे कपड़ों में इलाके में आए और एक नगा आदिवासी व्यवसायी की मांस की दुकान में कथित तौर पर आग लगाने की कोशिश की. स्थानीय लोगों के विरोध करने पर वे वहां से फरार हो गए. सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगालने पर आरोपियों की पहचान हो पाई. पोरोमपात थाने की पुलिस ने शनिवार रात उन्हें गिरफ्तार किया. निलंबन का यह आदेश केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अशांत पूर्वोत्तर राज्य के दौरे से पहले दिया गया है.

संसद के बाद अब राम मंदिर की बारी, ग्राउंड फ्लोर बनकर हुआ तैयार, ट्रस्ट ने शेयर की तस्वीरें

अयोध्या, 28 मई (एजेंसियां)। संसद के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन के बाद अब राम मंदिर की बारी है. अयोध्या में मंदिर निर्माण जिस तेजी से हो रहा है उसे देखकर तो ऐसा ही लग रहा है. अयोध्या में राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर कर तैयार हो गया है. निर्माण स्थल की ताजा तस्वीरों से इसका पता चलता है. अयोध्या में भव्य राम मंदिर को लेकर निर्माण कार्य जोरों पर हैं. इस बीच निर्माण स्थल की ताजा तस्वीरें सामने आई है जिसमें दिखाई दे रहा है कि राम मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग बनकर तैयार हो गया है. यह तस्वीरें श्रीराम मंदिर के निर्माण को करा रहे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने शेयर की हैं. बता दें, अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को 2024 तक श्रद्धालुओं के लिए खोलने का लक्ष्य रखा गया है.

मप्र : लीज खत्म होने पर भोपाल में 350 करोड़ रुपये की 20 एकड़ भूमि जिला प्रशासन ने कब्जे में ली

भोपाल, 28 मई (एजेंसियां)। भोपाल जिला प्रशासन ने नियमों का उल्लंघन करने पर छह दशक पहले मुंबई के एक व्यक्ति को लीज पर दी गई लगभग 350 करोड़ रुपये कीमत की 20 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि यह जमीन भोपाल शहर में सेवनिया गौड़ क्षेत्र में अपर झील (भोजताल) के पास स्थित है। भोपाल के जिलाधिकारी आशीष सिंह ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा, "पूर्व में ही इस 20 एकड़ जमीन की लीज खत्म कर निरस्त कर दी गई थी। शनिवार को कब्जेधारी से इस जमीन को शासन के कब्जे में ले लिया गया है।" वहीं, तहसीलदार अवनीश मिश्र ने बताया कि ग्राम सेवनिया गोंड में खसरा नंबर 104, रकबा 20 एकड़ भूमि बंबई (अब के मुंबई) के गोकुलदास को लीज पर दी गई थी।

पंजाब: बीएसएफ ने अमृतसर सीमा के पास नशीले पदार्थ ले जा रहे पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया

अमृतसर, 28 मई (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अमृतसर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया और शनिवार शाम को एक तस्कर को नशीले पदार्थों की खेप के साथ गिरफ्तार कर लिया। बीएसएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, अमृतसर के धनोए खुर्द गांव के पास गहरे इलाके में तैनात बीएसएफ के जवानों ने एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी और 27 मई की रात को एक संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। क्षेत्र की बाद की खोज के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने धनोए खुर्द गांव के पास खेती के खेतों से डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीकेर का एक काला क्वाडकॉप्टर बरामद किया। इस बीच, धनोए खुर्द गांव के पास तैनात जवानों ने भी तीन लोगों को गांव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और लगभग 3.4 किलोग्राम के तीन पैकेटों की संदिग्ध खेप वाले एक बैग के साथ एक संदिग्ध को पकड़ लिया। खेप के साथ एक लोहे का हुक और चार चमकदार पट्टियां भी जुड़ी हुई पाई गईं। बीएसएफ ने कहा कि इस बीच, ग्राम धनो खुर्द के पास तैनात सैनिकों ने भी 03 व्यक्तियों को गाँव की ओर भागते हुए देखा, उन्हें चुनौती दी और 03 पैकेट (सकल वजन - लगभग 3.4 किलोग्राम) के संदिग्ध मादक पदार्थों की खेप वाले बैग के साथ 01 संदिग्ध को पकड़ लिया।

भूकंप से कांप उठा महाराष्ट्र, दो बार महसूस किए गए झटके

रिक्टर स्केल में मापी गई इतनी तीव्रता

पालघर, 28 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में भूकंप से धरती कांप उठी। यहां चाँद मिनटों में दो बार भूकंप आया, जिससे पूरे इलाके में हड़बड़ी मच गई। हालांकि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार पालघर में रिक्टर पैमाने पर 3.5 और 3.3 की तीव्रता वाले दो भूकंप के झटके क्रमशः शाम 5:15 बजे और 5:28 बजे दर्ज किए गए। प्लेट्स के टकराने से आता है भूकंप यह धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है, जिन्हें इनर कोर, आउटर कोर, मैन्टल और क्रस्ट कहा जाता है। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल को लिथोस्फेयर कहा जाता है। ये 50 किलोमीटर की मोटी परतें होती हैं, जिन्हें टैक्टोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैक्टोनिक प्लेट्स अपनी जगह से हिलती रहती हैं, घूमती रहती हैं, खिसकती रहती हैं। ये प्लेट्स अमूमन हर साल करीब 4-5 मिमी तक अपने स्थान से खिसक जाती हैं। ये क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर, दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इस क्रम में कभी कोई प्लेट दूसरी प्लेट के निकट जाती है तो कोई दूर हो जाती है। इस दौरान कभी-कभी ये प्लेट्स एक-दूसरे से टकरा जाती हैं। ऐसे में ही भूकंप आता है और धरती हिल जाती है। ये प्लेटें सतह से करीब 30-50 किमी तक नीचे हैं।

भूकंप का केंद्र और तीव्रता

भूकंप का केंद्र वह जगह होती है, जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा महसूस होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती है, इसका प्रभाव कम होता जाता है। इसकी तीव्रता का मापक रिक्टर स्केल होता है। रिक्टर स्केल पर यदि 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकंप आता है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर की तरफ होती है तो प्रभाव क्षेत्र कम होता है। भूकंप की जितनी गहराई में आता है, सतह पर उसकी तीव्रता भी उतनी ही कम महसूस की जाती है।

जम्मू कश्मीर: महबूबा मुफ्ती ने कहा- यासीन मलिक मामले में होना चाहिए पुनर्विचार

जम्मू, 28 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक के मामले की समीक्षा की मांग की, जबकि पीपुल्स कांफ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन ने अलगाववादी नेता के लिए मौत की सजा की एनआईए की याचिका को खतरनाक करार दिया। हालांकि, अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने कहा कि देश की सुरक्षा को खतरे में डालने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को मलिक के लिए मौत की सजा की मांग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और कहा कि इस तरह के खूंखार आतंकवादी को मृत्युदंड नहीं देने का परिणाम न्याय का गर्भपात होगा। जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के प्रमुख को पिछले साल एक ट्रायल कोर्ट ने एक टेरर फंडिंग मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की यह प्रतिक्रियाएं एनआईए द्वारा अदालत का दरवाजा खटखटाने के बाद सामने आई हैं। महबूबा ने कहा कि मलिक के मामले की समीक्षा और पुनर्विचार होना चाहिए, क्योंकि भारत जैसे लोकतंत्र में एक प्रधानमंत्री के हत्यारों को भी माफ कर दिया गया है। उन्होंने अपने पूर्व पार्टी और कैबिनेट सहयोगी बुखारी पर भी निशाना साधा। कहा कि मलिक की फांसी का समर्थन करने वाले लोग हमारे सामूहिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा हैं। पीडीपी प्रमुख ने अपने ट्विटर हैंडल पर ट्वीट में लिखा, भारत जैसे लोकतंत्र में जहां एक पीएम के हत्यारों को भी माफ कर दिया गया था, यासीन मलिक जैसे राजनीतिक कैदी के मामले की समीक्षा और पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उनकी फांसी का समर्थन करने वाला नया राजनीतिक इखवानी हमारे सामूहिक अधिकारों के लिए गंभीर खतरा है।

यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्याय कायम रहे- बुखारी

अल्ताफ बुखारी ने कहा कि मलिक के लिए मौत की सजा की मांग वाली एनआईए की याचिका जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी फंडिंग को रोकने की जरूरत को उजागर करती है। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्याय कायम रहे और जो लोग हमारे देश की सुरक्षा को खतरे में डालने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ कठोर कदम उठाए जाने चाहिए।

एनआईए की याचिका खतरनाक-लोन

इस बीच पीपुल्स कांफ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने कहा कि एनआईए की याचिका खतरनाक है। लोन ने ट्विटर पर लिखा, यासीन मलिक पर एनआईए की याचिका खतरनाक है। यह एक विनम्र दलील है। आपको अच्छे मौसम वाले कश्मीर के विशेषज्ञों से गुमराह नहीं होना चाहिए। कृपया हर स्थिति में एक छोटी अवधि और एक लंबी अवधि होती है। मलिक को किसने बनाया पर भी सवाल उठाए। सज्जाद लोन ने कहा, उन लोगों के बारे में क्या, जिन्होंने भारतीय संविधान (1987) के तहत हुए चुनावों में धांधली की और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को जेल में डाल दिया। उन्होंने कहा, मैं हथियार उठाने वालों को माफ करने की बात नहीं करता। लेकिन क्या हम उन लोगों की निंदा नहीं कर सकते, जिन्होंने एक युवा को हथियार उठाने के लिए मजबूर किया। पूर्व मंत्री ने पूछा कि क्या 1987 के बाद कब्रिस्तान भरने वाले कानून के दायरे से बाहर हैं। उनके खिलाफ कभी कार्रवाई नहीं की जाएगी। लोन ने कहा कि अब और प्रयोग नहीं होने चाहिए। कश्मीरी लोगों को शांति से रहने देना चाहिए।

रोजगार को लेकर सीएम धामी ने बताया पूरा प्लान

देहरादून, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने देश को साल 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में उत्तराखंड के योगदान का खाका नीति आयोग के समक्ष पेश किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 2 वर्षों के अंदर अकेले कृषि-बागवानी सेक्टर, मानसखंड मंदिर माला मिशन में ही डेढ़ लाख से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। प्रदेश में विभिन्न सेक्टर में 40 हजार करोड़ रुपये का निवेश भी संभावित है। इससे भी प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में सीएम ने कहा कि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने एवं उत्तराखंड को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए 'सशक्त उत्तराखंड 25' की अवधारणा पर काम आरम्भ कर दिया गया है। पीएम गतिशक्ति योजना में गुजरात के पश्चात उत्तराखंड दूसरा प्रदेश है, जहां अधिकतम कार्य पूरा किया गया है। पीएम के मार्ग दर्शन में बद्री-केदार धाम के पुनर्निर्माण का संकल्प जल्द साकार होने जा रहा है। कुमांऊ क्षेत्र के पौराणिक मंदिर तथा गुरुद्वारों को एक सर्किट में जोड़ने के लिये मानसखण्ड मंदिर माला मिशन आरम्भ किया गया है। इस परियोजना से तकरीबन 50,000 परिवारों को प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से रोजगार का अनुमान है। 1 लाख को रोजगार सीएम ने कहा कि रोजगार के सृजन के लिए 18000 पॉली हाउस एक साथ स्वीकृत किये गये हैं। इससे आगामी 2 सालों में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से तकरीबन 1 लाख से ज्यादा रोजगार का सृजन होगा। पर्यटन नीति 2023 के अन्तर्गत तकरीबन 40 हजार करोड़ रुपये का निवेश सम्भावित है। विदेशों में रोजगार के लिए मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना लाई गई है।

कांग्रेस के बड़े दलित नेता का दावा

एमपी में बीजेपी 50 से अधिक सीटें लाती है तो करेंगे अपना मुंह काला -

मुरैना, 28 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले 2023 का विधानसभा चुनाव सेमी फाइनल है। इस सेमी फाइनल को हमें भारी बहुमत से जीतना है, क्योंकि सेमी फाइनल जीतने के बाद ही फाइनल में बीजेपी को चित करेंगे। मध्यप्रदेश में बीजेपी को 30 सीटे भी जीतने के लाले पड़ जाएंगे। अगर भाजपा मध्यप्रदेश में 50 सीटों से ऊपर लाती है तो मैं संसद भवन के आगे अपने हाथों से मुंह काला कर लूंगा। यह बात मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष फूल सिंह बरैया ने मुरैना में कही। वे शनिवार को कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने के लिए मुरैना आए हुए थे। शहर स्थित जीवाजी गंज टाउन हॉल में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता फूल सिंह बरैया ने कहा कि कल रविवार 28 मई को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन का उद्घाटन करने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री का यह कार्य अनैतिक और असंवैधानिक है। सभी राजनैतिक संस्थाओं के मुखिया राष्ट्रपति होते हैं। इसलिए मुखिया के होते हुए कोई और उद्घाटन करे, यह सरासर गलत है। कांग्रेस सहित सभी 21 पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं। बीजेपी ऐसा इसलिए कर रही है क्योंकि राष्ट्रपति आदिवासी समाज से हैं।

दिग्विजय सिंह आईएसआईएस के लिए जासूसी करने वाले इन नेताओं को भिजवाएंगे जेल

भोपाल, 28 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल तत्वों पर लगातार एक्शन जारी हैं। जबलपुर में भी आईएसआईएस से कनेक्ट आतंकी माड्यूल बर्स्ट हुआ। इस बीच पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का भी बड़ा बयान सामने आया है। खंडवा पहुंचे पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा है कि एमपी में कांग्रेस की सरकार बनते ही सबसे पहले वह ऐसे लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाएंगे, जिन पर देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप है। उन सभी को जेल भिजवाया जाएगा। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा और बजरंग दल के कई लोगों ने पाकिस्तान के आईएसआईएस इंटेलिजेंस के लिए जासूसी की हैं। सरकार बनते ही उनके खिलाफ राष्ट्रद्रोह का प्रकरण दर्ज किया जाएगा और जेल पहुंचाएंगे। वो लोग कौन-कौन है, दिग्विजय सिंह ने उनके नाम नहीं बताये। इधर सरकार के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा पहले ही कह चुके है कि दिग्विजय सिंह सुर्खियों में आने के लिए बगैर तथ्यों के और प्रमाण के बयान देते हैं, इसलिए उनके बयानों को कोई गंभीरता से नहीं लेता है। कई बार कहा कि कोई प्रमाण लाओ तो लाते नही है। चरित्र हत्या की राजनीति कांग्रेस करती है और जनता बंटाधार जी को अच्छे से जानती हैं। आपको बता दें कुछ समय से एमपी में आतंकी संगठनों से जुड़े मामलों का लगातार खुलासा हो रहा हैं। सरकार भी ढूंढ ढूंढकर ऐसे तत्वों पर कार्रवाई कर रही हैं। एमपी का एचयूएनटी कनेक्शन उजागर होने के बाद जबलपुर में जिस तरह आईएसआईएस माड्यूल का भंडाफोड़ हुआ, बेहद चौकाने वाला है। कर्नाटक इलेक्शन के वक्त कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल बैन का मुद्दा भी शामिल किया था। उसके बाद देश में जमकर बहस हुई। सिमी के साथ एमपी में इस संगठन पर प्रतिबन्ध लगाने दिग्विजय सिंह ने अपनी सरकार के वक्त साल 2000 में भी डिमांड की थी।

रेत माफिया ने बीड कलेक्टर को कुचलने की कोशिश की बॉडीगार्ड डम्पर के बोनट पर 3 किमी तक चढ़ा रहा, पकड़ने की कोशिश में घायल

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले की कलेक्टर दीपा मुधोल मुंडे की कार को रेत माफिया ने टक्कर मारने की कोशिश की। घटना गुरुवार की है, जिसमें उनका बॉडीगार्ड घायल हुआ है, जिसे हॉस्पिटल ले जाया गया। बाद में बॉडीगार्ड की शिकायत पर गेवराई तालुका पुलिस ने हत्या करने के प्रयास में डम्पर के ड्राइवर पर मामला दर्ज कर, उसे अरेस्ट कर लिया है। दरअसल दीपा मुधोल औरंगाबाद से बीड आ रही थीं। रात 3.15 बजे उन्होंने गेवराई तालुका के पास बिना नंबर के डम्पर को रेत ले जाते हुए देखा। उन्होंने डम्पर का पीछा करने कहा। जब बॉडीगार्ड ने डम्पर ड्राइवर को रुकने का इशारा किया तो उसने कलेक्टर की गाड़ी के आगे रेत पलटा दी। इससे उनकी गाड़ी फंस गई। कलेक्टर ने अपने ड्राइवर से डम्पर का पीछा करने कहा। करीब एक किमी के बाद डम्पर के ड्राइवर ने अचानक रेत को सड़क पर गिरा दिया, जिससे दीपा की कार उसमें फंस गई। कलेक्टर के अंगरक्षक अंबादास पावने डम्पर की तरफ दौड़े और उस पर चढ़ गए। लेकिन ड्राइवर ने गार्ड को धमकाया और गाड़ी चलाता रहा। करीब तीन किमी के बाद उसने डंपर रोका और भाग गया। इसके बाद दीपा ने बीड पुलिस को खबर की, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते लोकल क्राइम ब्रांच की मदद से डम्पर के ड्राइवर प्रकाश कोकरे को अरेस्ट कर लिया। दीपा मुधोल 2011 के बैच की आईएएस अधिकारी हैं। इससे पहले वे उस्मानाबाद में कलेक्टर रह चुकीं है। वे सिडको औरंगाबाद के प्रशासक पद पर भी रहीं। बीड में पहली बार महिला कलेक्टर के रूप में फरवरी 2023 में उनका ट्रांसफर हुआ था। यहां आने के बाद से ही रेत माफिया उनके निशाने पर हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बीड के गेवराई और माजलगांव तालुकों में सबसे ज्यादा अवैध रेत खनन हो रहा है। इन पर राजस्व प्रशासन कार्रवाई तो करता है, लेकिन यह कार्रवाई केवल अस्थाई होती है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 29 मई- 2023

अमूल पर विवाद

जैसे-जैसे आबादी बढ़ती गई वैसे-वैसे खाने पीने की चीजों की मांग भी बढ़ती गई। डिमांड एंड सप्लाई के सिद्धांत पर चलते हुए उसके दाम भी निर्धारित होते गए। कई बार ऐसा समय भी आया जब मांग के अनुपात में सामान मिलना तक मुश्किल हो गया। जाहिर है जब जरूरत की किसी चीज के उत्पादन में कमी होने लगे या उसकी आपूर्ति करने में मुश्किल पेश आने लगे तो उसके लिए बाजार में मारामारी शुरू हो जाती है। कुछ यही हाल रोजमर्रा की जिंदगी के हिस्से में आने वाले दूध का भी है। दूध के लिए निजी विक्रेताओं से लेकर संगठित रूप से सहकारी डेयरियों तक के माध्यम से दूध की बिक्री होती है। दूध की बिक्री के पीछे एक समूचा तंत्र बहुत ही मुस्तैदी से काम करता है, तब जाकर हर घर तक दूध पहुंच पाता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी समय आता है जब दूध की मांग बढ़ने के बावजूद उसकी आपूर्ति नहीं हो पाती तो लोग उसकी पूर्ति के लिए अन्य स्रोतों को भी ढूंढने लगते हैं। इसी क्रम में गुजरात कोआपरेटिव क्षेत्र के सबसे बडे दूध उत्पादक अमूल ने भी देश के विभिन्न राज्यों में संभावनाएं तलाश कर अपनी खरीद -बिक्री के तंत्र का विस्तार करना शुरू किया है। उसने राज्यों में अपने उत्पाद को घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास किया। उत्तम गुणवत्ता की वजह से वह जहां भी गया लोगों की जुबान पर चढ़ता चला गया। इस वजह से देश भर में दूध के बाजार में खड़े होते नए समीकरणों के समांतर स्थानीय जरूरतों को पूरा करने का सवाल अब एक तरह के विवाद की शक्ल लेता जा रहा है। पहले दूध की खरीद-बिक्री में खड़ी होने वाली नई परिस्थितियां कर्नाटक चुनाव में एक मुद्दा बनीं थीं और अब तमिलनाडु में भी इस मसले पर खींचतान शुरू हो गई है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिख कर मांग की है कि अमूल को राज्य में दूध खरीदने से रोका जाए। इसके पीछे उनकी दलील है कि तमिलनाडु राज्य सहकारी दुग्ध कंपनी 'आविन' का क्षेत्र है। लेकिन इस राज्य में अब अमूल की ओर से बड़े पैमाने पर दूध की खरीदी की जा रही है। इससे आविन पर विपरीत असर पडना तय है। ऐसे में अगर अमूल को रोका नहीं गया तो इससे राज्य की सहकारी संस्था आविन को नुकसान होगा, जो यहां 1981 से काम कर रही है। हालांकि अमूल अब भी अपने अलग-अलग उत्पाद तमिलनाडु में कई दुकानों के जरिए बेच रहा था, लेकिन उसकी एक सहायक संस्था ने कृष्णगिरी जिले में एक प्रसंस्करण संयंत्र (चिलिंग प्लांट) लगाया है और इसके लिए बड़े पैमाने पर कई इलाकों से दूध की खरीद की जाने की खबरें हैं। इस मसले पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का कहना है कि भारत में यह नियम रहा है कि एक-दूसरे के क्षेत्र में दखल दिए बिना दुग्ध सहकारी समितियां काम करें। यदि इस नियम का पालन नहीं किया गया तो जाहिर है 'आपरेशन वाइट फ्लड' श्वेत क्रांति की भावना के खिलाफ है, जिसकी शुरुआत ही दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए की गई थी। माना कि देश भर में क्षेत्रीय सहकारी संस्थाएं सभी राज्यों में डेयरी विकास के लिए महत्त्वपूर्ण रही हैं। लेकिन अमूल के विस्तार को इस रूप में देखा जा रहा है कि इससे इस क्षेत्र में गैरजरूरी प्रतियोगिता शुरू हो जाएगी और इसके असर से दूध की कमी जैसे हालात भी पैदा हो सकते हैं। बता दें कि कुछ समय पहले कर्नाटक में चुनाव के दौरान भी इसी तरह का विवाद शुरू हो गया था, जब अमूल ने वहां अपने प्रवेश का संकेत दिया था। वहां भी स्थानीय स्तर पर दुग्ध उत्पादन करने वाली कंपनी 'नंदिनी' की स्थिति पर इसका असर पड़ने की आशंका के मद्देनजर खींचतान चली थी। यहां तक कि उसे चुनावी मुद्दा बना लिया गया था। अमूल के विस्तार के विरोध के बीच यह तर्क भी दिया जा रहा है कि स्थानीय दुग्ध उत्पादन समितियों की वजह से लोगों को उचित और नियंत्रित कीमत पर दूध मिल रहा है। आपको बता दें कि दूध की बढ़ती कीमतें अब बहुत सारे लोगों की पहुंच से दूर होने लगी हैं। इस लिहाज से देखें तो दूध को लेकर बढ़ते विवाद के बीच यह देखने की बात होगी कि इसका असर आने वाले दिनों में दूध की कीमतों पर क्या और कितना पडेगा? इससे निपटने के लिए सरकार की योजना क्या है इसे भी जाहिर करना होगा।

शांति अभियानों में संलग्न हैं शांति रक्षक

योगेश कुमार गोयल

24 अक्तूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ ही संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी, जो एक ऐसा अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जो अपनी स्थापना के बाद से ही विश्व शांति के साथ-साथ मानवाधिकार, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति तथा अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को सुविधाजनक बनाने के लिए कार्यरत रहा है। इसकी स्थापना द्वितीय विश्वयुद्ध के विजेता देशों ने मिलकर इस उद्देश्य से की थी ताकि संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के मामलों में हस्तक्षेप करने से भविष्य में पुनः विश्वयुद्ध जैसे हालात न उभरने पाएं। इन देशों में अमेरिका, यूके, फ्रांस, रूस इत्यादि दुनिया के शक्तिशाली देश शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र के संस्थापकों को उम्मीद थी कि वे इसके जरिये युद्ध को सदा के लिए रोक पाएंगे किन्तु 1945 से 1991 के शीत युद्ध के समय विश्व के विरोधी भागों में विभाजित होने के कारण शांति रक्षा संघ को बनाए रखना बहुत कठिन हो गया था। 29 मई 1948 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहला संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन स्थापित किया गया था। उस समय इसरायल तथा अरब देशों के बीच फैली अशांति को दूर करने के लिए वहां यूएन द्वारा शांति रक्षक सैनिकों की तैनाती की गई थी। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप तथा मध्य पूर्व में 71 शांति अभियानों की स्थापना की गई। दुनियाभर में शांति बहाल करने में संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षकों की अहम भूमिका रहती है, जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपनी जान दांव पर लगाकर कार्य करते रहे हैं और फिलहाल विश्वभर में एक लाख से भी अधिक पुरूष व महिला बतौर शांति रक्षक यूएन के शांति अभियानों में संलग्न हैं, जिनमें विभिन्न देशों में करीब 96 हजार सैनिकों और पुलिसबल के अलावा लगभग 15 हजार आम नागरिक और हजारों स्वयंसेवक यूएन के शांति रक्षा मिशन में शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन में सबसे ज्यादा संख्या इथोपिया और बांग्लादेश के शांति रक्षकों की है और इन दोनों देशों के बाद इसमें सर्वाधिक योगदान देने वाले देशों में भारत है। फिलहाल सात हजार से भी अधिक भारतीय सैन्य और पुलिस जवान अफगानिस्तान, कांगो, हैती, लेबनान, लाइबेरिया, मध्य पूर्व, साइप्रस, दक्षिण सूडान, पश्चिम एशिया और पश्चिम सहारा में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों में शांति रक्षा के लिए तैनात हैं। जहां तक यूएन के शांति मिशनों में भारत की भूमिका की बात है तो सबसे पहले नवम्बर 1950 से जुलाई 1954 तक चले कोरियाई युद्ध के दौरान भारत की ओर से इस मिशन में 17 अधिकारी, 9 जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) तथा 300 सैनिक तैनात किए गए थे। भारत हथियारों से लैस एक दल को 1956 से 1967 के बीच संयुक्त राष्ट्र की आपातकालीन सेना में भेजने वाला देश भी बना था। उस अवधि के दौरान भारत की ओर से 393 अधिकारी, 470 जेसीओ तथा 12383 जवान संयुक्त राष्ट्र के मिशन में शामिल हुए थे। 1960 से 1964 तक चले यूएसओसी कांगो मिशन में भारतीय वायुसेना के छह कैनबरा बॉम्बर एयरक्राफ्ट भी तैनात किए गए थे, जिनमें 467 अधिकारी, 401 जेसीओ तथा 11354 जवानों ने हिस्सा लिया था और उस मिशन में 39 सैनिकों ने अपने प्राण भी गंवाए थे।

मणिपुर हिंसा का जिम्मेदार कौन ?

रघु ठाकुर

मणिपुर में मैतेई समाज को आदिवासी समाज में शामिल करने के विरोध में स्थानीय आदिवासियों में जिनमें नगा और कुकी मुख्यतः शामिल है ने तीखी और हिंसक प्रतिक्रिया की है जो कि वहां की सरकार के लिये भी अप्रत्याशित थी। हालांकि मैतई समाज को आदिवासी समाज में शामिल करने का आदेश सरकार ने ही दिया था और मुख्यमंत्री जे. वीरेन्द्र सिंह की इसमें अहम भूमिका थी। चूंकि मैतई समाज की आबादी राज्य की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत है इसलिये मुख्यमंत्री ने इसे अपने चुनाव जीतने का एक महत्वपूर्ण हथियार माना होगा। हालाकि हाल ही में जब इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका आई थी तो सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के खिलाफ टिप्पणी की और कहा कि हाईकोर्ट का राज्य सरकार को दिया गया आदेश गलत है। इस घटना में जहां एक तरफ 100 से अधिक लोग मारे गये लगभग 15000 लोग निर्वासित हुये जिन्हें सेना ने दंगाग्रस्त इलाकों से निकाला और 500 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुये। सार्वजनिक सम्पत्ति की और जन धन की कितनी हानि हुई है इसकी कल्पना करना कठिन है? आखिर ऐसी घटनाओं के लिये कौन जिम्मेवार है, इस पर गंभीरता से विचार होना चाहिये? मेरी राय में इस घटना के लिये तीनों पक्ष जवाबदार हैं :-न्यायपालिका याने हाईकोर्ट, राज्य सरकार, मैतई समाज के अगुआ लोग। जैसा कि मैंने ऊपर कहा कि हाईकोर्ट का आदेश या निर्देश कितना अविचारित था इसका तो संकेत अपनी सार्वजनिक टिप्पणी के माध्यम से स्वतः सर्वोच्च न्यायालय ने दे दिया है। आजकल शीर्ष अदालतों को रोज याचिका के नाम से अपनी मनमर्जी की टिप्पणियां करना, शब्द क्रान्तिकारिता बखान करना एक चलन सा बन गया और इस बुराई को स्वतः शीर्ष अदालतें और उनके संजीदा जज भी महसूस करने लगे हैं। अभी हाल में अप्रैल 23 को सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज जे. चेलमेस्वर ने केरल के कोच्चि में कोलिजियम संविधान से अलग है विषय पर बोलते हुये कहा कि कोलिजियम के सामने तमाम मामले आते हैं। याने शीर्ष न्यायपालिका की नियुक्ति और उसके प्रत्याशी जजों के बारे में सारे तथ्य कोलेजियम के सामने प्रस्तुत होते हैं। स्वतः चेलमेश्वर जी कहते है कि जो तथ्य प्रस्तुत होते हैं, उनके आधार पर कोलेजियम कोई कार्यवाही नहीं करता। मान लिया कोलेजियम जजों के चयन के लिये गठित एक मान्य संस्था है। परन्तु अगर चयन की प्रत्याशी वाले न्यायाधीशों के विरूद्ध कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं जिनमें वह दोषी हैं तो उन्हें केवल आपात्र मानकर खारिज कर देना उचित नहीं है। जस्टिस चेलमेश्वर कहते हैं कि सूचनाओं के आधार पर ऐसे जजों के विरूद्ध कोलेजियम को कार्यवाही भी करना चाहिए निःसंदेह श्री चेलमेश्वर जी की पीड़ा एक सच्चे इंसान की पीड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि जज पर आरोप होते हैं उन पर कोई कार्यवाही नहीं होती और बहुत हुआ तो उसका तबादला कर बात खत्म हो जाती है उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय न्यायिक आयोग बनाने का समर्थक नहीं हूँ परन्तु कोलेजियम व्यवस्था को कैसे मजबूत बनाया जाए ताकि उसका लाभ आम आदमी को मिले यह उनकी चिंता है उन्होंने कहा कि जज तो इतने आलसी होते हैं कि उन्हें फैसले लिखने में सालों लग जाते हैं। और कुछ ऐसे है कि उन्हें काम नहीं आता है अपने सधे व संतुलित शब्दों में जे. चेलमेश्वर जी ने संपूर्ण न्यायपालिका उसकी चयन प्रक्रिया, कार्यवाही करने के तरीके को कटघरे में खड़ा किया है। यह सही भी है। केवल एक जस्टिस श्री कर्णन जो बंगाल हाईकोर्ट के जज थे को छोड़कर किसी और जज के विरूद्ध कोई कार्यवाही हुई हो कम से कम मुझे तो याद यही है। और वह भी शायद इसलिये विवश होकर करना पड़ी कि श्री कर्णन ने अपनी संवैधानिक और नैतिक सभी मर्यादाओं को ताक पर रख दिया था। और वह तो सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के खिलाफ ही न केवल आदेश बल्कि सम्मन व वारेन्ट जारी करने लगे थे। यानी एक प्रकार से वे न्यायिक अराजकता या संवैधानिक अराजकता कर रहे थे। अगर मणिपुर के हाईकोर्ट ने मैतई समाज को आदिवासी समाज में शामिल करने की याचिका को बजाय सरकार को निर्देश करने के प्रारंभिक स्तर पर ही खारिज किया होता तो सरकार शायद यह कदम नहीं उठाती। हालांकि न्यायपालिका के असंवैधानिक निर्देश से मणिपुर की सरकार और मुख्यमंत्री भी दोषमुक्त नहीं हो सकते क्योंकि जन भावनाओं को समझना कानून व्यवस्था को संभालना समाज के व्यापक हित में न्याय संगत फैसला लेना, यह सरकार का मूल दायित्व होता है। इसके पहले भी देश में कई स्थानों पर ऐसी आरक्षण की मांगे हुई है जो तार्किक व वैधानिक नहीं थी और वहां कि सरकारों ने विरोध सहकर भी ऐसे जन आंदोलनों का मुकाबला किया है। राजस्थान में गुर्जर समाज ने भी आदिवासियों में शामिल करने की मांग को लेकर भारी आंदोलन किया था जिसमें काफी लोग मारे गये थे। परन्तु न्यायपालिका या राज्य सरकार ने विरोध सहकर भी उसे लागू नहीं किया। पता नहीं क्यों मुख्यमंत्री जे. वीरेन्द्र सिंह को देश की इस अहम घटना की जानकारी कैसे नहीं थी या फिर 53 प्रतिशत की बहुमत आबादी के समर्थन के लालच में वे होश व हवास खो बैठे। उनके एक निर्णय से कितने जनधन की हानि हुई वह एक जगह है और दूसरे प्रदेश में जो जातीय वैमनस्यता बनी है वह भी मुख्यमंत्री जी का क्षम्य अपराध नहीं है। आजकल जातीय समूहों में यह होड़ लगी है कि वह कैसे फौरी लाभ उठायें? और समस्याओं के बड़े हल के लिये वे कोई बड़ा कदम नहीं उठाना चाहते। व्यवस्था को बदलकर कोई नई व्यवस्था नहीं लाना चाहते बल्कि छोटे लक्ष्यों को लेकर लड़ने मरने को तैयार रहते हैं। आजादी के बाद राजस्थान में मीणा समाज को आदिवासियों में शामिल किया गया था। राजस्थान के मूल आदिवासी गौड़ भील आदि उस समय बिलकुल ही अशिक्षित थे व जंगलों में थे इसलिये कुछ दशकों तक अनुसूचित जन जातियों के आरक्षण का सर्वाधिक लाभ या कहें सम्पूर्ण लाभ मीणा समाज ने उठाया। एक-एक घर में कई-कई आई.ए.एस., आई.पी.एस. व बड़े पदों वाले हो गये। उनका सामना उन कमजोर आदिवासियों से था जो वास्तव में आदिवासी है परन्तु शिक्षा में बहुत पीछे हैं। उनमें इतनी जाग्रति और संगठन भी नहीं था कि वे इसका विरोध कर पाते। बेरोजगारी समूचे देश में है और सभी जातियों व समूहों में हैं। इसी प्रकार गरीबी भी सभी जातियों व समूहों में है परन्तु बेरोजगारी को समाप्त करना सबके लिये काम की मांग करना यह आसान नहीं है। इसके लिये तो सारे निजाम को बदलना होगा। और इसलिये यह आसान मांग है कि किसी एक आरक्षित समूह में जहां मुकाबला कमजोर से हो वहां प्रवेश कर छोटी मोटी हिस्सेदारीयाँ लेना कुछ अपने जाति समूह के लोगों को बड़े पदों पर बैठा लेना यह आसान प्रक्रिया होती है। यही मार्ग राजस्थान में गुर्जर समाज ने अपनाया और उसके लिये भारी कुर्बानी दी जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गये थे कई महीनों तक रेल गाड़ियां बंद रही थी इसके बावजूद वह अनुसूचित जनजाति में शामिल नहीं हो पाये थे। ऐसी ही मांग देश के अलग-अलग भागों में उठती रहती है। परन्तु गुर्जर समाज के परिणाम देखने के बाद अब कोई बड़ा संघर्ष जातीय समूहों ने नहीं किया है। मैतेई समाज भी कोई संघर्ष नहीं कर रही थी और मणिपुर में जो हुआ वह मांग का संघर्ष नहीं है बल्कि मांग के प्रतिकार का संघर्ष है। जिससे न मैतेई समाज को न राज्य को कुछ हासिल हुआ बल्कि एक स्थाई घाव बन गया। अब यह कितने वर्षों में भरा जायेगा, या इसके भावी परिणाम क्या होंगे इसका आंकलन करना कठिन है? वैसे नागा व कूकी समुदाओं का एक हिस्सा प्रथकता समर्थक रहा है और इस घटना से उसे प्राणवायु मिली है। मेरी राय में अब समाज और सरकार को निम्न मुद्दों पर विचार कर निर्णय करना चाहिये। जातिगत व धार्मिक आदिवासी/ समूहों की जातिगत और समूह गत जनगणना हो।

मुझे क्या, तुझे क्या ?

विनीत नारायण

एक मुल्ला जी मस्जिद के बाहर बैठे थे। उनसे एक शरारती लड़के ने पूछा, "मुल्ला जी आपके पड़ोस में शादी है और आप यहाँ बैठे हैं।" मुल्ला जी ने जवाब दिया, "तो मुझे क्या?" लड़के ने फिर छेड़ा, "सुना है वो आपके यहाँ मिठाई भेजने वाले हैं।" मुल्ला जी पलट कर बोले, "तो तुझे क्या?" अब किसी देश का प्रधान मंत्री पैर छुए या बॉस कह कर संबोधित करे। स्वागत में पलक पाँवड़े बिछाए या गर्मजोशी से झप्पी डाले तो इस पर भारत के मतदाताओं का जवाब होगा, "तो मुझे क्या?" कर्नाटक चुनाव में करारी हार के बाद भाजपा के ख़ेमे में बहुत घबराहट है। प्रधान मंत्री मोदी की अन्तराष्ट्रीय छवि को मार्केट करके इस घबराहट से ध्यान हटाने की कोशिश कि जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में होने वाली क्वाड नेताओं की बैठक अमरीका के राष्ट्रपति जो बाईडेन के न आ पाने के कारण स्थगित कर दी गई थी। फिर भी मोदी जी ऑस्ट्रेलिया गये, जबकि उन्हें कोई सरकारी न्योता नहीं था। ये उनकी निजी यात्रा थी जिसके लिए अप्रवासी भारतीयों की एक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग बीस हज़ार भारतीयों ने हिस्सा लिया। जबकि ऑस्ट्रेलिया में दस लाख भारतीय रहते हैं। जानकारों का कहना है कि इन बीस हज़ार श्रोताओं में पंद्रह हज़ार गुजराती थे। ये भी सुना है कि बारह चार्टर हवाई जहाज़ चीयरलीडर्स को ले कर गये थे। दरअसल भाजपा ने कई देशों में 'फ्रेंड्स ऑफ़ बीजेपी' नाम के हज़ारों संगठन बना रखे हैं। पिछली बार जब मोदी जी ऑस्ट्रेलिया गये थे तो ऑस्ट्रेलिया में इस संगठन के अध्यक्ष बालेश धनखड़ ने ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित किए थे। ये इत्तिफ़ाक़ ही है कि वही बालेश पाँच कोरियाई महिलाओं के साथ बलात्कार के आरोप में जेल में बंद है। उधर अमरीका में मोदी जी के स्वागत के लिए अब तक जो भव्य आयोजन किए गये हैं उनका प्रारूप भी राजनैतिक न हो कर कॉर्पोरेट इवेंट मैनेजमेंट जैसा रहा है। ज़ाहिर है कि ऐसे आयोजनों में लोगों को लाने, होटलों में ठहराने और खिलाने-पिलाने में अरबों रुपया खर्च होता है। ये पैसा कौन खर्च कर रहा है? 'पीएम केयर्स' में जमा और खर्च पैसे का हिसाब आजतक देश के मतदाताओं को नहीं दिया गया। जबकि इस निजी ट्रस्ट को सरकारी की तरह ही दिखा कर चंदे में भारी भरकम रक़म उघाई गई थी। विपक्ष को संदेह है कि कहीं यही पैसा तो मोदी जी की छवि बनाने पर खर्च नहीं किया जा रहा? वरना आज के दौर में किसे फ़ुरसत हैं कि वो तकलीफ़ उठा कर किसी रैली में जाए, जब सब कुछ टीवी या सोशल मीडिया पर उपलब्ध है। देश के जागरूक नागरिक इस बात पर आश्चर्य व्यक्त करते हैं कि मोदी जी को अप्रवासी भारतीयों से ही अपने स्वागत के लिए इवेंट मैनेजमेंट करवाने की ज़रूरत क्यों पड़ती है? जबकि ये वो लोग हैं जो भारत के विकास की प्रक्रिया में हिस्सा न लेकर विदेश चले गये और वहाँ सफल होने के बाद अब भारतवासियों को ज्ञान देते हैं। ये वो अप्रवासी भारतीय नहीं हैं जो अपनी कमाई हुई विदेशी मुद्रा भारत भेजते हों। विदेशी मुद्रा भेजने वाली जमात तो उन ग़रीब अप्रवासी भारतीयों की है जो खाड़ी के देशों या अन्य देशों में मेहनत मज़दूरी करके अपनी कमाई भेजते हैं। अगर अप्रवासी भारतीय वास्तव में मोदी जी के प्रशंसक हैं और यह मानते हैं कि मोदी जी ने वाक़ई भारत की कायाकल्प कर दी है तो वे लौट कर भारत में बसने क्यों नहीं आते? सच्चाई तो यह है कि इन नौ सालों में हज़ारों अरबपतियों ने भारत की नागरिकता छोड़ कर विदेशों की नागरिकता ले ली है। अबसे पहले कभी किसी प्रधान मंत्री ने विदेशों में अपनी छवि बनाने के लिए ऐसे आयोजन नहीं करवाए। जब भी कोई प्रधान मंत्री विदेश जाते थे तो भारतीय दूतावास के अधिकारी कुछ चुनिंदा भारतीय परिवारों को दूतावास में चाय पर बुला कर प्रधान मंत्री का एक सामान्य स्वागत करवा दिया करते थे। मोदी जी की छवि बनाने में जनता के हज़ारों करोड़ रुपये विज्ञापनों में खर्च कर दिया गया है। ये विज्ञापन केंद्र सरकार, उसके मंत्रालय, सार्वजनिक उपक्रम, प्रांतीय सरकारें, सरकार से लाभान्वित बड़े उद्योगपति और भाजपा प्रकाशित करवाते हैं। इन विज्ञापनों से देश की जनता का क्या भला हो रहा है? क्या दो करोड़ रोज़गार हर वर्ष देने का वादा किए गये अठारह करोड़ लोगों को पिछले नौ वर्षों में रोज़गार मिल गया? अगर मिल गया होता तो मुफ़्त का राशन लेने वाले साठ करोड़ लोगों के घर में एक-एक सपूत तो कमाने वाला हो गया होता। क्योंकि ऐसा नहीं हुआ है इसलिए ये परिवार ग़रीबी की सीमा रेखा से नीचे आज भी जी रहे हैं। चीयर लीडर्स की रैलियाँ विदेशों में करवाने के बजाए अगर मोदी जी ने देश भर में 'जनता दरबार' लगाए होते और उनसे उनकी समस्याएँ सुनी होती तो वास्तव में मोदी जी की छवि कुछ और ही बनती। तब उन्हें विज्ञापनों और विदेशी यात्राओं की ज़रूरत ही नहीं पड़ती।

भारत में मोदी जी की हर यात्रा में वो चाहे धार्मिक हो या राजनैतिक करोड़ों रुपये के फूल सजाए जाते हैं और फूल पत्तियों से भारी थैलियाँ घर-घर बँटवा कर लोगों से मोदी जी पर फूल फेंकने को कहा जाता है। सड़कें फूलों से पट जाती हैं। जैसा हाल के चुनावों में कर्नाटक में बार-बार हुआ।

बावजूद इसके भाजपा बुरी तरह हार गई। मतलब ये कि वो फूल लोगों ने अपने पैसे और भावना से नहीं फेंके। बल्कि उनसे फ़िकवाए गये थे। सवाल है कि क्या भाजपा के पास जनता को प्रभावित करने के लिए कोई और मुद्दे नहीं बचे, सिवाय मोदी जी की छवि भुनाने के? तो क्या 2024 की वयतरणी केवल मोदी जी की छवि के सहारे पार की जाएगी? जितना ज़्यादा बढ़-चढ़ कर उनका प्रचार किया जा रहा है उसका वांछित परिणाम तो आ नहीं रहा। दिल्ली, बंगाल, हिमाचल और कर्नाटक आदि कितने ही राज्यों में भाजपा को हार का मुँह देखना पड़ा है। ज़रूरत इस बात की है कि भाजपा और मोदी जी नक़ली छवि पर धन और ऊर्जा खर्च करने के बजाए अपनी ठोस उपलब्धियों को मतदाताओं के सामने रखें और उनके आधार पर वोट माँगे।

लिव इन पार्टनर के टुकड़े करने वाले वहशी दरिंदे !

मनोज कुमार अग्रवाल

टुकड़े टुकड़े कर लिविंग पार्टनर की लाश को ठिकाने लगाने के मामले अब आम बात हो गई है। अपराधियों में कानून का तनिक भी भय नहीं है। ताजा वारदात हैदराबाद में सामने आई है। एक बार फिर दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड जैसी दिल दहला देने वाली घटना हैदराबाद में सामने आई है। यहां एक व्यक्ति ने अपनी लिव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। इस बेहद वहशियत भरी वारदात में हत्यारे ने अपनी महिला मित्र के शरीर के टुकड़े पत्थर काटने वाली मशीन से किए और टुकड़ों को फ्रीज में रखकर अलग-अलग जगहों पर फेंकने लगा। आरोपी ने पीड़िता के पैर और हाथ अपने घर के एक रेफ्रिजरेटर (फ्रीज) में रखे थे। बदबू न आए इसलिए फ्रीज से लेकर पूरे घर में इत्र का छिड़काव करता था। हत्याकांड का खुलासा तब हुआ, जब हैदराबाद पुलिस को बीती 17 मई को शहर में मुसी नदी के पास एक कटा हुआ सिर मिला था। तहकीकात करते हुए पुलिस एक हफ्ते बाद आरोपी तक पहुंची और इस चौंकानेवाले हत्याकांड का खुलासा हुआ। लिविंग पार्टनर के साथ दरिंदगी की हदें पार कर लाश के साथ भी क्रूरता करने का ताजा मामला दिल्ली के श्रद्धा वाकर और निक्की यादव हत्याकांड की तर्ज पर अंजाम दिया गया है, जिसमें आरोपियों ने पीड़िताओं के शरीर के अंगों को काटकर फ्रीज में रखने के बाद अलग-अलग जगहों पर फेंक कर निबटाने कर रहा था। पुलिस के हवाले से बताया गया है कि दोनों पिछले 15 साल से साथ रह रहे थे। महिला काफी समय पहले अपने पति से अलग हो गई थी। उसके बाद वह चंद्र मोहन के साथ दिलसुखनगर स्थित चैतन्यपुरी कॉलोनी स्थित उसके घर में रह रही थी। महिला 2018 से ब्याज पर जरूरतमंदों को पैसा उधार देती थी। उनके बीच मतभेद तब पैदा हुए, जब मोहन ने उससे ऑनलाइन व्यापार करने के लिए लगभग 7 लाख रुपये लिए थे। उसके बार-बार कहने के बावजूद वह उसकी रकम चुकाने में विफल रहा। जब महिला ने उस पर पैसों के लिए दवाब बनाया तो वह उससे रंजिश रखने लगा और उसे जान से मारने की योजना बना ली। दक्षिण-पूर्व जोन के डीसीपी रूपेश चेन्नुरी ने कहा कि पुलिस ने बी. चंद्र मोहन को गिरफ्तार किया है। वह शेयर बाजार में ऑनलाइन ट्रेडिंग करता है। उसकी उम्र 55 साल की है। उसने जिस लिव इन पार्टनर की हत्या की उसका नाम यारम अनुराधा रेड्डी था और वह 48 साल की थी। 12 मई को आरोपी ने अनुराधा के साथ झगड़ा किया और उस पर चाकू से हमला कर दिया। उसने सीने और पेट पर चाकू से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या करने के बाद आरोपी ने शव को टुकड़ों में काटकर ठिकाने लगाने के लिए पत्थर काटने की दो छोटी मशीनें खरीदीं। उसने धड़ से सिर काटकर काले पॉलीथिन के कवर में रख दिया। फिर उसने टांगों और हाथों को धड़ से अलग किया, टांगों और हाथों को रेफ्रिजरेटर में रख दिया और डिस्पोजल के लिए धड़ को एक सूटकेस में रख दिया। 15 मई को आरोपी ऑटोरिक्शा से मुसी नदी के पास पहुंचा और अनुराधा का कटा सिर वहीं फेंककर चला गया। आरोपी ने फिनाइल, डेटॉल, परफ्यूम अगरबत्ती और कपूर खरीदा और उन्हें नियमित रूप से अनुराधा के कटे शरीर के अंगों पर छिड़कता रहा, ताकि आसपास के क्षेत्र में बदबू न फैले। उसने सोशल मीडिया पर शरीर के अंगों को कैसे डिस्पोज किया जाए, इस पर वीडियो भी देखे। पुलिस के मुताबिक, वह मृतका के मोबाइल फोन से उसके जानने वाले लोगों को यह विश्वास दिलाने के लिए संदेश भेजता रहा कि वह जीवित है और कहीं और रह रही है। 17 मई को मुसी नदी के पास अफजल नगर कम्युनिटी हॉल के सामने कूड़ा फेंकने की जगह पर सफाई कर्मचारियों को महिला का कटा हुआ सिर मिला था, जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी गई। मलकपेट पुलिस ने मामला दर्ज किया और मामले को सुलझाने के लिए आठ टीमों का गठन किया। सीसीटीवी फुटेज की स्कैनिंग और अन्य तकनीकी उपकरणों के इस्तेमाल से जुड़ी गहन जांच के बाद पुलिस ने आरोपी की पहचान की। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने पीड़िता के शरीर के अंगों को उसके घर से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। यह कोई पहला मामला नहीं है करीब दस साल पहले एक इंजीनियर पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसकी लाश के टुकड़े फ्रीज में रख कर एक एक टुकड़ा मसूरी हिल स्टेशन के जंगलों में फेंकने की क्रूरता की थी इसके बाद इस तरह की वारदातें लगातार सामने आ रही हैं। वहीं बीते साल श्रद्धा वालकर हत्याकांड में उसके लिविंग पार्टनर आफताब पूनावाला ने हैवानियत की नई मिसाल पेश कर दी इसके बाद भी निक्की यादव जैसी कई लड़कियां अपने दोस्तों लिव इन पार्टनर्स की दरिंदगी का शिकार बन चुकी हैं।

यह हुई न कुछ बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

स्टाफ रूम में बैठे भवानीदास कक्षा की तैयारी कर रहे थे। यह देख उनके साथी अध्यापक मोहन ने उन्हें टोका- "आप हर दिन कक्षा में इतना गला फाड़कर पढ़ाते हैं। इसका कोई फायदा भी है? जो पढ़ने वाला होगा वही पढ़ेगा। बाकियों को पढ़ाने का क्या मतलब? न उन्हें कुछ आता है न जाता है। आप इतनी मेहनत करते ही क्यों हैं? आपकी वजह से हमारा जीना दुश्वार हो गया है। वैसे भी स्तरहीन बच्चों को जितना भी पढ़ाएँ, आखिरकार बनना तो उन्हें बेरोजगार ही तो है। दो-चार जरूरी प्रश्न पढ़ाकर उनसे पिंड छुड़ाइए। काहे को बेवजह का टिटिम्मा पालकर रखे हैं। कौनसा इन्हें आगे चलकर झंडे गाड़ना है। अंकों की होड़ ने तो शिक्षा को कब का मूल्यहीन बना दिया है। ऐसी शिक्षा भी कोई शिक्षा है? बात-बात में प्रधानाध्यापक आपका नाम ले-लेकर हमारी नाक में दम कर रखे हैं। हम आपके हाथ जोड़ते हैं। बच्चों को जितनी आवश्यकता है उतना ही पढ़ाइए। हद से ज्यादा पढ़ाने के चक्कर में हमारा बोरिया-बिस्तरा गोल मत कीजिए।"भवानीदास चुप थे। अपने साथी अध्यापक की बात बड़े ध्यान से सुन रहे थे। फिर एक लंबी सांस लेते हुए कहा - "कभी आपने चींटियों की लाइन देखी है? नहीं न? यदि देखी होती तो आप इस तरह मुझसे खीझकर बातें नहीं करते। चींटियों की वैसे तो कई खूबियाँ हैं। उनमें एक खूबी यह भी है कि वे अनुशासन के साथ कतार में चलने की सीख देती हैं। जो चींटी सबसे आगे होती है, वह पीछे-पीछे चलने वाली चींटियों को रास्ता बताते हुए चलती है। वह बड़ी समझदार, जागरूक तथा बुद्धिमान होती है। मात्र उसे ही मंजिल का पता होता है, सो पीछे वाली चींटियाँ उसका देखा-देखी कर पीछे-पीछे चल पड़ती हैं। गौर करने वाली बात यह है कि सभी चींटियाँ मेहनत कर रही हैं। किंतु रास्ता केवल एक को पता है। यदि बाकी की चींटियाँ उसका ठीक-ठीक पालन करेंगी तो अगली बार उन्हें किसी के पीछे चलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।" साथी अध्यापक ने सारी बातें ध्यान से सुनी। किंतु अपनी खीझ का इन बातों से संबंध जोड़ नहीं पाए। उनके चेहरे पर उभरे प्रश्नचिह्न को देखकर भवानीदास समझ गए। भवानीदास इन बातों का संबंध कक्षा के बच्चों से जोड़ते हुए कहा- "जब मैं पहली बार कक्षा में आया था तब चालीस में से केवल दस बच्चों को पढ़ना-लिखना आता था। आज यह संख्या बढ़कर बाईस हो गयी है। मैंने उन दस बच्चों की शेष बच्चों से तुलना नहीं की। उनके आत्मविश्वास को ठेस नहीं पहुँचाया। बल्कि शेष बच्चों में यह विश्वास दिलाया कि वे भी उन दस बच्चों की तरह बन सकते हैं।

राजा भगीरथ से सीखें बड़े काम कैसे कर सकते हैं

आज गंगा दशहरा- गंगा को स्वर्ग से धरती पर लाने के लिए भगीरथ ने तप करके शिवजी को किया था प्रसन्न

कथा की सीख- इस कथा में राजा भगीरथ ने सीख दी है कि जब लक्ष्य बड़ा हो तो कई बाधाएं भी आती हैं, लेकिन हमें बाधाओं से डरकर हार नहीं माननी चाहिए। मजबूत संकल्प के साथ सही तरीके से मेहनत करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।

मंगलवार, 30 मई को गंगा दशहरा है, ये गंगा नदी के पूजन का महापर्व है। गंगा एक देव नदी है यानी ये स्वर्ग से धरती पर आई है। पुराने समय में राजा भगीरथ ने तप करके ब्रह्माजी से गंगा को धरती पर भेजने का वरदान मांगा था। इस संबंध में कई कथाएं प्रचलित हैं। जानिए गंगा के धरती पर आने की एक कथा और इस कथा की सीख...

राजा दिलीप की मृत्यु के बाद भगीरथ राजा बने। भगीरथ के पूर्वज राजा सगर के 60 पुत्रों की मृत्यु के बाद उनका उद्धार नहीं हो पा रहा था। अपने पूर्वजों के उद्धार के लिए राजा भगीरथ ने देव नदी गंगा को धरती पर लाने के लिए कठोर तप किया था। भगीरथ ने सबसे पहले ब्रह्मा जी को प्रसन्न करने के लिए तप किया। जब ब्रह्मा जी प्रकट हुए तो उन्होंने वरदान मांगने के लिए कहा। भगीरथ ने वरदान मांगा कि मैं मेरे पूर्वज सगर के पुत्रों के उद्धार के लिए स्वर्ग से देव नदी गंगा को धरती पर लाना चाहता हूं। गंगा के जल से मेरे पूर्वजों को मुक्ति मिलेगी, नया जीवन मिलेगा और मुझे भी एक पुत्र की प्राप्ति होगी।

ब्रह्माजी ने भगीरथ को ये वरदान दे दिया, लेकिन सावधान किया कि जब गंगा धरती पर उतरेगी तो उसके वेग को सहन करने और बांध देने के लिए किसी शक्ति की आवश्यकता होगी। अन्यथा, गंगा की धारा धरती को भेदकर पाताल में चली जाएगी। गंगा की धारा को थामने की शक्ति सिर्फ शिव जी में है, इसलिए तुम शिव जी को भी प्रसन्न करो।

ब्रह्मा जी के बाद भगीरथ शिव जी को प्रसन्न करने के लिए तप करने लगे। भगीरथ की तपस्या से शिव जी प्रसन्न हुए और उन्होंने भगीरथ को वरदान दिया कि जब गंगा स्वर्ग से उतरेंगी तो वे उसे अपनी जटाओं में स्थान देंगे। भगीरथ को लगा कि अब तो काम हो गया। गंगा के स्वर्ग से धरती पर उतरने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन उस समय गंगा ने अपनी एक चिंता बताई कि जब शिव जी उन्हें अपनी जटाओं में रोकेंगे तो कहीं वे अपवित्र तो नहीं हो जाएंगी।गंगा की ये बात शिव जी को मालूम हुई तो भगवान को इसमें अपना अपमान दिखाई दिया। जब गंगा शिव जी जटाओं में आईं तो उन्होंने गंगा को जटाओं में ही रोक लिया। गंगा की धारा शिव जी जटाओं तक तो आई, लेकिन पृथ्वी पर नहीं गिरी। भगीरथ को पूरी बात मालूम हुई तो भगीरथ ने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए फिर से तप किया। शिव जी प्रसन्न हुए और उन्होंने गंगा को सात धाराओं में बांट दिया। उन्हीं सात धाराओं में से एक गंगा बनकर भगीरथ के पीछे-पीछे चल दीं। गंगा को हिमालय से गंगासागर तक पहुंचाने के मार्ग में कई दिक्कतें आईं, लेकिन भगीरथ ने हार नहीं मानी, वो हर मुश्किल को हल करते हुए आगे बढ़ते रहे। उनकी ये लगन देखकर ही ब्रह्मा जी ने उन्हें वरदान दिया कि धरती पर गंगा का एक नाम भागीरथी भी होगा। गंगा भगीरथ की पुत्री के रूप में भी दुनिया में जानी जाएगी। भगीरथ की मेहनत से गंगा धरती पर आईं और भगीरथ के पूर्वजों का उद्धार हो गया।

महाकाल का दर्शन सबसे महंगा

नागेश्वर : आठवां ज्योतिर्लिंग गुजरात में है। मंदिर के कपाट सुबह 6 बजे खुलते हैं। दोपहर 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। इस दौरान भक्त शिवलिंग दर्शन के अलावा दूध से अभिषेक करते हैं। दोपहर 12.30 बजे से शाम 5 बजे तक मंदिर में सामान्य दर्शन बंद रहते हैं। शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक के लिए दोबारा दर्शन के लिए कपाट खोले जाते हैं। ये समय भव्य संध्या आरती का होता है। सामान्य दर्शन के लिए भक्तों से कोई फीस नहीं ली जाती। महाशिवरात्रि के दिन मंदिर 24 घंटे खुला रहता है। विशेष पूजा और दर्शन के लिए टिकट लेनी होती है।

दिन अनुसार पहनें शुभ रंग की शर्ट ग्रह और देव रहेंगे खुश

ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों का महत्व है क्योंकि उसका असर मानव जीवन पर होता है। मुख्य 7 ग्रहों के आधार पर सप्ताह के 7 दिन होते हैं। हर दिन का अधिपति ग्रह अलग होता है। जैसे सोमवार का ग्रह है चंद्रमा और चंद्र देव को सोम भी कहते हैं। ऐसे ही रविवार दिन के अधिपति देव सूर्य हैं और वे ग्रहों के राजा हैं, उनका दूसरा नाम रवि है। गुरुवार दिन क दिन देव गुरु बृहस्पति का है। जिस प्रकार से हर ग्रह का दिन है, वैसे ही हर ग्रह का शुभ रंग भी है। यदि आप दिन के अनुसार शुभ रंग की शर्ट पहनते हैं तो आप पर देव और उस दिन के ग्रह की विशेष कृपा होगी, वे आप पर प्रसन्न रहेंगे।

सोमवार: यह दिन चंद्र देव से संबंधित है और इनका शुभ रंग सफेद है। ऐसे में आप सोमवार को सफेद रंग की शर्ट पहन सकते हैं। इससे चंद्रमा का दोष कम होगा और मन स्थिर रहेगा। भगवान शिव प्रसन्न होंगे।

मंगलवार: मंगल ग्रह का दिन है मंगलवार। इस दिन मंगल और

हनुमान जी की पूजा होती है। इनका शुभ रंग लाल है। आप मंगलवार के दिन लाल रंग की शर्ट पहन सकते हैं। आपके लिए शुभ फलदायी हो सकता है।

बुधवार: यह दिन ग्रहों के राजकुमार बुध का है और गणेश जी के पूजन से संबंधित है। बुध का शुभ रंग हरा है। इस दिन आप हरे रंग की शर्ट पहन सकते हैं, जो आपके लिए सफलतादायक होगा।

गुरुवार: देव गुरु बृहस्पति का दिन है गुरुवार, इसे बृहस्पतिवार भी कहते हैं। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। गुरु ग्रह का शुभ रंग पीला है। इस दिन आप पीला या केसरिया रंग की शर्ट पहन सकते हैं।

शुक्रवार: यह दिन दैत्य गुरु शुक्राचार्य का है। इस दिन शुक्र ग्रह और माता लक्ष्मी की पूजा होती है। शुक्र का शुभ रंग सफेद और माता लक्ष्मी की शुभ रंग गुलाबी है। इस दिन सफेद या गुलाबी रंग की शर्ट पहनने से सुख-समृद्धि बढ़ेगी।

शनिवार: शनि देव का दिन है शनिवार। उनका शुभ रंग नीला और काला है। शनिवार को नीले, काले, जामुनी या भूरे रंग की शर्ट लकी होगी। इससे शनि देव भी प्रसन्न होंगे।

रविवार: यह दिन भगवान सूर्य की पूजा का है। वे इस दिन के अधिपति ग्रह और देव हैं। सूर्य का शुभ रंग लाल, नारंगी और सुनहरा माना जाता है। ऐसे में आप रविवार को इनमें से किसी भी रंग की शर्ट पहन कर अपना दिन लकी बना सकते हैं।

भीमसेन एकादशी शुभ मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व

निर्जला एकादशी 2023 शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, निर्जला एकादशी 31 मई को मनाई जाएगी. एकादशी तिथि की शुरुआत 30 मई को दोपहर में 01 बजकर 07 मिनट पर होगी और इसका समापन 31 मई को दोपहर को 01 बजकर 45 मिनट पर होगा. साथ ही इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण होने जा रहा है. सर्वार्थ सिद्धि योग का समय सुबह 05 बजकर 24 मिनट से लेकर सुबह 06 बजे तक रहेगा. निर्जला एकादशी का पारण 01 जून को किया जाएगा, जिसका समय सुबह 05 बजकर 24 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 10 मिनट तक रहेगा.

सालभर में 24 एकादशी आती हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण निर्जला एकादशी मानी जाती है। इसे भीमसेन एकादशी भी कहते हैं। निर्जला एकादशी सबसे पवित्र एकादशी मानी जाती है। इस बार निर्जला एकादशी 31 मई 2023, बुधवार को मनाई जाएगी। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी कहते हैं। निर्जला एकादशी में पानी की एक बूंद भी ग्रहण नहीं की जाती है। इस व्रत में सूर्योदय से द्वादशी के सूर्योदय तक जल भी न पीने का विधान होने के कारण इसे निर्जला एकादशी कहते हैं। इस दिन निर्जल रहकर भगवान विष्णु की आराधना का विधान है। इस व्रत से दीर्घायु और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

निर्जला एकादशी पूजन विधि

निर्जला एकादशी के दिन सुबह स्नान करके सूर्य देव को अर्घ्य दें। इसके बाद पीले वस्त्र धारण करें और भगवान विष्णु की पूजा करें और व्रत का संकल्प लें। भगवान विष्णु को पीले फूल, पंचामृत और तुलसी दल अर्पित करें। साथ ही भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। व्रत का संकल्प लेने के बाद अगले दिन सूर्योदय होने तक जल की एक बूंद भी ग्रहण ना करें। इसमें अन्न और फलाहार का भी त्याग करना होगा। अगले दिन यानी द्वादशी तिथि को स्नान करके फिर से श्रीहरी की पूजा करने के बाद अन्न-जल ग्रहण करें और व्रत का पारण करें।

निर्जला एकादशी का महत्व

यह एकादशी व्रत धारण कर यथाशक्ति अन्न, जल, वस्त्र, आसन, जूता, छतरी, पंखी तथा फल आदि का दान करना चाहिए। इस दिन जल कलश का दान करने वालों श्रद्धालुओं को वर्ष भर की एकादशियों का फल प्राप्त होता है। इस एकादशी का व्रत करने से अन्य एकादशियों पर अन्न खाने का दोष छूट जाता है तथा सम्पूर्ण एकादशियों के पुण्य का लाभ भी मिलता है। श्रद्धापूर्वक जो इस पवित्र एकादशी का व्रत करता है, वह समस्त पापों से मुक्त हो जाता है।

निर्जला एकादशी पर क्या करें और क्या न करें

1. निर्जला एकादशी के दिन चावल नहीं बनाने चाहिए।
2. एकादशी तिथि के दिन तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ें। यदि पत्ते बेहद आवश्यक हैं तो आप एक दिन पहले ही पत्तों को तोड़ कर रख सकते हैं।
3. इसके अलावा निर्जला एकादशी के दिन शारीरिक संबंध बनाने से बचें।
4. इस दिन घर में प्याज, लहसुन, मांस, मदिरा का सेवन ना करें।
5. साथ ही किसी से लड़ाई-झगड़ा ना करें, किसी का बुरा ना सोचें, किसी का अहित ना करें, और ना ही क्रोध करें।

निर्जला एकादशी कथा

महाभारत काल के समय एक बार पाण्डु पुत्र भीम ने महर्षि वेद व्यास जी से पूछा- हे परम आदरणीय मुनिवर! मेरे परिवार के सभी लोग एकादशी व्रत करते हैं व मुझे भी व्रत करने के लिए कहते हैं। लेकिन मैं भूखा नहीं रह सकता हूं। अतः आप मुझे कृपा करके बताएं कि बिना उपवास किए एकादशी का फल कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

भीम के अनुरोध पर वेद व्यास जी ने कहा- ₹पुत्र तुम निर्जला एकादशी का व्रत करो, इसे निर्जला एकादशी कहते हैं। इस दिन अन्न और जल दोनों का त्याग करना पड़ता है। जो भी मनुष्य एकादशी तिथि के सूर्योदय से द्वादशी तिथि के सूर्योदय तक बिना पानी पिए रहता है और सच्ची श्रद्धा से निर्जला व्रत का पालन करता है, उसे साल में जितनी एकादशी आती हैं, उन सब एकादशी का फल इस एक एकादशी का व्रत करने से मिल जाता है। ₹ महर्षि वेद व्यास के वचन सुनकर भीम निर्जला एकादशी व्रत का पालन करने लगे और पाप मुक्त हो गए।

शुभ योग में शुरू हुआ नौतपा

मानसून के लिए माना जा रहा लाभकारी 5 बातों का रखें विशेष ध्यान

नौतपा या सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी विशेष महत्वपूर्ण है। नौतपा सूरज बेहद तपता है जिसकी तपन सीधे धरती पर दिखाई देती है। नौतपे की शुरुआत 25 मई 2023 से हो चुकी है। इस दौरान भीषण गर्मी ना सिर्फ इंसान बल्कि पृथ्वी पर मौजूद अन्य जीव-जंतुओं को भी बेहाल कर देती है। नौतपा में सूरज अपने चरम पर भीषण आग बरसाएंगे। जिससे बचने के लिए सभी को पर्याप्त इंतजाम करना चाहिए।

क्या है नौतपा ?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के राजा कहे जाने वाले सूर्य देव जब जेष्ठ माह में रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं तो धरती का तापमान बहुत बढ़ जाता है। जिससे ना सिर्फ इंसान बल्कि पृथ्वी पर मौजूद सभी जीव जंतुओं पर इसका गहरा असर देखने को मिलता है। सूर्य देव पूरे 14 दिन रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। इसमें शुरुआती 9 दिनों तक गर्मी अपने चरम पर होगी, ये 9 दिन धरती जमकर तपेगी यही कारण है कि इसे नौतपा कहा जाता है

कब से कब तक है नौतपा ?

साल 2023 के नौतपे की शुरुआत 25 मई 2023 रात 1:16 से हो चुकी है। सूर्य देव चंद्रमा के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश कर चुके हैं। इसका समापन 8 जून 2023 सुबह 6:40 पर होगा। इसका प्रभाव पूरे 14 दिन देखने को मिलेगा और शुरू के 9 दिन भीषण गर्मी पड़ेगी।

शुभ योग में नौतपा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश गुरु पुष्य योग में हो रहा है। गुरु पुष्य योग बेहद शुभ माना जाता है। ज्योतिषी गणना के अनुसार यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि साल 2023 में नौतपा के प्रभाव से अच्छी बारिश हो सकती है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार कहा जाता है कि जिस जिस वर्ष नौतपा में खूब तपन होती है तो उस साल जमकर बारिश होती है।

नौतपा का वैज्ञानिक दृष्टिकोण

मौसम विज्ञान के अनुसार नौतपा में पृथ्वी पर सूरज की किरणें प्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालती है। जिसकी वजह से भीषण गर्मी होती है जो समुद्र के पानी का बहुत तेजी से वाष्पीकरण कर बादलों का निर्माण करती है। इसके कारण मानसून के दौरान अच्छी बारिश होने की संभावना जताई जाती है।

नौतपा में क्या करें ?

1. नौतपा के दौरान आटे से भगवान ब्रह्मा की मूर्ति बनाकर पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है।
2. शास्त्रों में नौतपा के दौरान जरूरतमंद और गरीब लोगों को सत्तू, पंखा, जल, फल और घड़े का दान करना बेहद लाभकारी और शुभ माना गया है।
3. नौतपा में सूर्य देव की पूजा करना भी लाभकारी होता है।
4. नौतपे के दौरान पशु पक्षियों के लिए पानी का इंतजाम करना शुभ फलदाई माना जाता है।
5. इस दौरान मसालेदार खाने से बचें और मौसमी फल, ठंडी चीजों का सेवन करें।

अदा शर्मा ने बॉलीवुड में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन पर साधा निशाना बोलीं- लड़की को सेट पर पहले बुलाते हैं, एक्टर्स बाद में आते हैं

द केरला स्टोरी एक्ट्रेस अदा शर्मा हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं। इस दौरान उन्होंने तमाम को-एक्टर्स के साथ काम किया है। हालांकि, एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के एक बात बिल्कुल पसंद नहीं है कि यहां लिंग के आधार भेदभाव किया जाता है। अदा ने बताया कि शूटिंग के दौरान एक्ट्रेसेस को सेट पर पहले बुला लिया जाता है, वहीं एक्टर्स देर से आते हैं।

डायरेक्टर अच्छा हो तो काम में मजा आता है- अदा

सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में अदा ने कहा- 'ऐसा नहीं है कि उन्हें किसी खास फिल्म इंडस्ट्री में काम करने में मजा आया। मैंने नॉर्थ और साउथ के लोगों के साथ काम किया है, जो कि बहुत अच्छे थे। अगर आपका डायरेक्टर अच्छा है, तो भाषा चाहे जो भी हो, सब कुछ अच्छा होता है। काम में मजा आता है। लेकिन अगर आपका डायरेक्टर अच्छा नहीं है, तो काम अच्छी तरह से नहीं हो सकता।'अदा ने आगे कहा- मैं सभी जगहों पर अच्छे, बुरे और बेहद खराब लोगों से मिली हूं। लेकिन मेरा मानना है कि बॉलीवुड में वेतन की समानता की मांग करने से पहले लोगों को इंडस्ट्री में लैंगिग भेदभाव के बारे में बात करनी चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा- 'मुझे यह बहुत अजीब लगता है कि वो पहले लड़की को सेट पर बुलाते हैं और फिर कहते हैं ठीक है, रुको। जब लड़की वहां पहुंच जाती है, तो फिर वो एक्टर के मैनेजर को बुलाते हैं और उसे सेट पर आने के लिए कहते हैं। मैं लिंग के आधार पर भेदभाव महसूस करती हूं, मुझे ऐसे माहौल में काम करने में मजा नहीं आता है।'

क्या अमायरा दस्तूर ने तोड़ दिया अक्षय कुमार का दिल !, सुपरहिट रही दोनों की कैमिस्ट्री

बीते 2 हफ्तों से बी प्राक का गाया हुआ गाना 'क्या लोगे तुम' लोगों की जुबान पर चढ़ा हुआ है. मोबाइल की प्लेलिस्ट हो या फिर कार का स्पीकर ये गाना जरूर कानों में गूंजता नजर आ रहा है. अक्षय कुमार ने इस गाने में दमदार काम किया है. साथ ही अक्षय कुमार का दिल तोड़ने वाली हीरोइन अमायरा दस्तूर पर भी लोगों की नजरें टिकी हुई हैं. इस गाने में अक्षय कुमार के साथ अमायरा दस्तूर नजर आ रही हैं. गाने में अमायरा की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हो रही है. आइये जानते हैं कौन हैं अमायरा दस्तूर, जिन्होंने एक ही गाने से सनसनी फैला दी.

अमायरा दस्तूर ने मॉडलिंग के अपने करियर की शुरुआत की थी. 7 मई 1993 को मुंबई में जन्मी अमायरा ने कुछ साल तक धीरूभाई इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई की. इसके बाद अपने एक्टर बनने का ख्वाब पालने लगीं और स्कूल बदल लिया. मुंबई से स्कूलिंग पूरी करने के बाद अमायरा ने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा. साथ में कॉलेज में भी एडमिशन ले लिया. अपने करियर की शुरुआत में अमायरा ने मॉडलिंग के कई शो किए. बाद में अमायरा ने अपने करियर की दिशा एक्टिंग की तरफ मोड़ दी. कई विज्ञापनों में नाम कमाने के बाद साल 2013 में अमायरा ने इश्क फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी. ये फिल्म 26 जुलाई 2013 को रिलीज हुई थी. अमायरा के साथ इस फिल्म में प्रतीक बब्बर नजर आए थे. हालांकि ये फिल्म कोई खास कमाल नहीं कर पाई और अमायरा का डेब्यू बिगड़ गया. हालांकि अमायरा ने हार नहीं मानी और जी जान से मेहनत करती रहीं. साल 2017 में अमायरा ने जैकी चेन के साथ फिल्म कुंग फू योगा भी की थी. अमायरा का ये पहला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट था.

अमायरा बॉलीवुड में 25 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुकी हैं. अमायरा ने बॉलीवुड के साथ साउथ सिनेमा में भी कई फिल्मों में काम किया है. अमायरा ने हिंदी के साथ तमिल तेलुगु आर दूसरी रीजनल भाषाओं की फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है.

अमायरा अब जल्द ही बघीरा फिल्म में नजर आने वाली हैं. ये फिल्म इसी साल रिलीज होने जा रही है. अमायरा लगातार एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं. अमायरा ने 25 फिल्मों में काम कर लिया है, लेकिन अभी भी पॉपुलरिटी का दूसरा सिरा नहीं देख पाया है. अमायरा लगातार अपनी फिल्मों में अपनी एक्टिंग में धार दे रही हैं. जल्द ही अमायरा किसी बड़ी फिल्म में भी नजर आ सकती हैं।

फैशन के चक्कर में ट्रोल हुई नोरा, आईफा में पहन ली ऐसी ड्रेस लोग बोले - "सर्दियों का कंबल लपेटकर..."

बॉलीवुड में फैशन क्वीन के नाम से जानी जाने वाली एक्ट्रेस नोरा फतेही आए दिन सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी अपनी फैशन सेंस के कारण तो कभी अपने अजीबो-गरीब स्टाइल के कारण।

नोरा शुरु से ही ऐसे कपड़े चुनती हैं जो उन्हें भीड़ से एकदम अलग लुक देते हैं। प्रेस मीट हो या ग्रीन कार्पेट अपने हॉट और सबसे हटके अंदाज के साथ नोरा सुर्खियों में बन ही जाती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस आईफा का हिस्सा बनने अबू दाबी पहुंची हैं जहां से उनका एक और लुक सामने आया है। एक और लुक सामने आते ही लोगों ने नोरा को ट्रोल करना शुरु कर दिया है।

बॉडीकॉन ड्रेस में दिखाया कर्वी फिगर

नोरा शुरु से ही अपनी फैशन सेंस को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। वहीं आईफा में बीते दिन एक्ट्रेस ने ग्रीन कार्पेट पर एक अलग ही अंदाज पेश किया। इवेंट के लिए नोरा ने ऑरेंज मल्टी शेड कलर का ऑफ शॉल्डर बॉडी कॉन गाउन पहना था। इसके साथ ही उन्होंने एक लंबा से ब्लू कलर की मैचिंग केप कैरी की था। कानों में छोटे-छोटे ब्लू ईयररिंग्स, बालों में बन बनाकर और लाइट मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने अपना ऑवरऑल लुक कंप्लीट किया।

यूजर्स ने कर दिया ट्रोल

नोरा फतेही के गाउन के साथ उन्होंने ब्लू केप कैरी की थी जिसे देखने के बाद यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरु कर दिया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा कि - 'इतना फालतु कपड़ा क्यों लिया हुआ है।'

अन्य ने लिखा कि - 'बरसात की ब्लू प्लास्टिक लग रही है।' एक ने नोरा की मलाइका से तुलना करते हुए कहा - 'इसके बाद मलाइका, ये ड्रेस किस साइट पर मिलेगा।' अन्य ने कहा - 'मेरे भगवान सर्दियों का कंबल' एक ने कहा कि - 'लेट ना हो जाए इसलिए सोने वोने का सब इंतजाम करके आई है।'

रेड ड्रेस में दिखाया था हॉट अंदाज

इससे पहले नोरा फतेही ने लाल रंग की ड्रेस कैरी की थी। रेड लैटेक्स फैब्रिक रेड कलर बॉडीकॉन गाउन में नोरा कहर ढाती नजर आई थी। गाउन की प्लंजिंग नेकलाइन, मिनिमल एक्सेसरीज और लाइट मेकअप के साथ नोरा ने अपना ऑवरऑल लुक कंप्लीट किया था।

'द केरल स्टोरी' पर भड़के कमल हासन 'सच्ची कहानी' टैगलाइन से हुए नाराज

'द केरल स्टोरी' पर कमल हासन के बयान से फिल्म पर बहस और गरमा गई है. उन्होंने फिल्म को लेकर नाराजगी जताई, जिसके बाद तमाम लोग उनके कमेंट पर प्रतिक्रिया देने लगे. 'द केरल स्टोरी' पर विवाद की वजह से फिल्म की स्क्रीनिंग पर कुछ जगह बैन लगा है, जिससे इसकी कमाई पर फर्क पड़ा है, फिर भी यह 200 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाने में सफल रही है.

'द केरल स्टोरी' एक ओर विवादों से घिरी हुई है, तो दूसरी ओर बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा कमाकर पहले ही कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है. राजनेताओं से लेकर फिल्म स्टार्स तक, इस मूवी पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं. लोग दो खेमों में बंट गए हैं. एक फिल्म के पक्ष में है, दूसरा उसके खिलाफ है. अब साउथ सिनेमा के सुपरस्टार कमल हासन ने फिल्म को लेकर अपना विरोध जताया है. कमल हासन के बयान से स्पष्ट है कि वे 'द केरल स्टोरी' को एक प्रोपेगैंडा फिल्म मानते हैं. उन्होंने कहा कि टैगलाइन के दम पर कोई फिल्म 'सच्ची कहानी' नहीं बन जाती. खबरों की मानें, तो दिग्गज एक्टर ने आईफा अवॉर्ड में मीडिया से बातचीत के दौरान फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. कमल हासन ने कहा कि वे प्रोपेगैंडा फिल्म के विरोध में हैं. सिर्फ टैगलाइन लगाकर आप इसे 'सच कहानी' नहीं बता सकते, इसमें वाकई में सच्चाई होनी चाहिए.

कमल हासन ने आगे कहा कि वे उन फिल्मों को नापसंद करते हैं, जो देश के लोगों को तोड़ती हैं.' बता दें कि 'द केरल स्टोरी' में ऐसी लड़कियों की कहानी दिखाई गई है, जिनका ब्रेन वॉश करके उन्हें धर्म बदलने पर मजबूर किया जाता है. उन्हें फिर आईएसआईएस में भर्ती किया जाता है.

'द केरल स्टोरी' को सुदीप्तो सेन ने डायरेक्ट किया है और विपुल शाह ने इसका निर्माण किया है. फिल्म में अदा शर्मा ने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचा है. वे केरल राज्य की एक ऐसी लड़की के रोल में हैं जो अचानक गायब हो जाती है, फिर आतंकवादी संगठन 'ISIS' के लिए काम करने लगती है.

फिल्म 'द केरल स्टोरी' में अदा शर्मा के अलावा योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इडनानी ने भी खास रोल निभाया है. फिल्म 5 मई को रिलीज हुई थी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 23 दिनों में 220.07 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

'हाइट-चेहरे के कारण नहीं मिली फिल्में , डायरेक्टर टीवी एक्टर्स को कास्ट नहीं करना चाहते : करिश्मा तन्ना

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टेलीविजन के सबसे पॉपुलर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू से की थी। हालांकि इस बड़ी शुरुआत से उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में उतना फायदा नहीं हुआ। भले ही वो टेलीविजन इंडस्ट्री का लोकप्रिय चेहरा रहीं, लेकिन फिल्मों में पांव जमाने के लिए उन्हें बहुत मेहनत करनी पड़ी। तमन्ना ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि जब भी वो फिल्मों के लिए ऑडिशन देने जाती थीं, तो लोग उन्हें हाइट या चेहरे के कारण रिजेक्ट कर देते थे।

टीवी एक्ट्रेस होने के कारण फिल्मों से मिला रिजेक्शन

बॉलीवुड बबल से बातचीत के दौरान करिश्मा से इंडस्ट्री में फ्रेश फेस कॉन्सेप्ट को लेकर सवाल किया गया, जिसमें डायरेक्टर्स टीवी एक्टर्स की बजाए नए चेहरे को फिल्म में कास्ट करना पसंद करते हैं। जवाब में करिश्मा ने कहा- 'बहुत से लोगों यह के अंदर यह मानसिकता होती है कि अगर कोई एक टीवी एक्टर है तो उसे कास्ट न करें, इससे बेहतर है नया चेहरा लें। मुझे समझ नहीं आता है कि नया चेहरा क्या होता है, नए चेहरे का क्या मतलब है? बहुत कम डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ऐसे होते हैं, जो यह नहीं सोचते हैं।'

बतौर टीवी एक्टर सम्मान तो मिलता है, मगर काम नहीं

करिश्मा तन्ना ने बताया कि जब भी उन्हें यह बताया गया कि वो एक टीवी एक्ट्रेस हैं, तो उन्होंने बेहद अपमानित और उदास महसूस किया है। टीवी एक्ट्रेस होने के नाते करिश्मा को कई बार फिल्मों में रिजेक्शन का सामना करना पड़ा। पुराने वक्त को याद करते हुए उन्होंने कहा- 'यह बेइज्जती जैसा है, मुझे यह समझ नहीं आता है कि कि आप किसी एक्टर को एक श्रेणी में क्यों डाल रहे हैं? टीवी और फिल्म इंडस्ट्री के बीच लाइन धुंधली क्यों नहीं हो रही सकती? आखिर एक एक्टर को एक्टर ही होगा। करिश्मा ने आगे कहा- 'पहले टीवी, फिल्म और थिएटर एक्टर्स के बीच बहुत ज्यादा अंतर माना जाता था। अब मुझे लगता है कि चीजें बदल रही हैं। फिर भी एक टीवी एक्टर के लिए इंडस्ट्री में स्ट्रगल है। एक धारणा है कि ये तो टीवी एक्टर है। भले ही लोग आपका सम्मान करेंगे, लेकिन आपको काम मिलेगा या नहीं इसकी कोई गारंटी नहीं है।'

मुझे बताया गया था- तुम बहुत लंबी हो, रोल के लिए बहुत ग्लैमरस हो

फिल्मों में रिजेक्ट किए जाने पर करिश्मा ने कहा- 'मुझे बताया गया था, तुम बहुत लंबी हो, तुम हर दिन टीवी पर देखी जाती हो, हम तुम्हें नहीं ले सकते, तुम इस रोल के लिए बहुत ज्यादा ग्लैमरस हो। जब वो आपके कास्ट नहीं करना चाहते हैं, तो इसके पीछे कई कारण दे देते हैं। बता दें कि करिश्मा जल्द ही हंसल मेहता की वेब सीरीज स्कूप में नजर आएंगी, जिसमें वो जर्नलिस्ट का किरदार निभाने वाली हैं।

सगाई से पहले राघव ने कराई थी नाक की सर्जरी ! कहा- नाक पसंद नहीं थी, इसलिए ठीक कराया

राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा की सगाई को काफी वक्त हो गया है, लेकिन अभी भी सेरेमनी के वीडियोज सोशल मीडिया पर हर दिन वायरल हो रहे हैं। एक नया वीडियो सामने आया है जिसमें राघव ये कबूल कर रहे हैं कि उन्होंने सगाई के पहले अपनी नाक की सर्जरी कराई थी।उस वीडियो में परिणीति राघव को रोकते हुए भी दिखाई दे रही हैं। हालांकि अब ये वीडियो डिलीट कर दी गई है। इसके बावजूद राघव का स्टेटमेंट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है।

राघव को पसंद थी पिता की नाक

दरअसल ये बात तब सामने आई जब राघव-परिणीति की सगाई की वीडियोग्राफी करने वाले फोटोग्राफर ने एक वीडियो पोस्ट कर दी। उस वीडियो में राघव, परिणीति के किसी फैमिली मेंबर्स से बात कर रहे हैं। राघव कहते हैं कि उनकी नाक मां के जैसे थी, लेकिन उन्हें अपने पिता की नाक पसंद थी। इसलिए उन्होंने सर्जरी के जरिए अपनी नाक पिता के जैसे करा ली है।

परिणीति ने राघव को बीच में टोका

पार्टी में मौजूद एक महिला राघव से पूछती है कि क्या आपने बॉडी के साथ कुछ कराया है। जवाब में राघव कहते हैं- हां आंटी मैंने अपना नोज जॉब (नाक की सर्जरी) कराई है। परिणीति इस दौरान राघव को टोकती नजर आ रही हैं कि चारों तरफ कैमरे लगे हुए हैं, आप ऐसी बातें मत कहिए।

फोटोग्राफर ने वीडियो डिलीट कर दी

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही लोगों के तरह-तरह के रिएक्शन्स आ रहे हैं। हालांकि ये वीडियो सही है या नहीं इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। फोटोग्राफर ने अपने साइट से ये वीडियो डिलीट कर दी है।

दिल्ली में सगाई करने के बाद राघव-परिणीति अब राजस्थान के जयपुर या उदयपुर में शादी कर सकते हैं। परिणीति शनिवार सुबह उदयपुर पहुंचीं, यहां उन्होंने वेडिंग वेन्यू का दौरा किया।

12वीं के बाद के बाद कीजिए 'सही कोर्स' का चयन

12वीं के बाद विद्यार्थियों के सामने किसी अच्छे संस्थान में दाखिला पाने की उधेड़बुन रहती है। । विकल्प बढ़ने के साथ-साथ उनके सामने किसी एक को चुनने का दबाव भी बढ़ता जाता है। ऐसे में कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि मनचाहा कोर्स बेहतर भविष्य का आधार बन सके। 12वीं के बाद विकल्पों की भरमार है, ऐसे में काफी सोच-समझ कर ही दाखिले के लिए आगे बढ़ना चाहिए।

सलाह के बाद लें एडमिशन : यूं तो 12वीं लैवल के बाद करियर से संबंधित अधिकांश राहें खुल जाती हैं पर कई बार विद्यार्थी इतने जागरूक नहीं होते हैं कि उन्हें विभिन्न पाठ्यक्रमों अथवा संस्थानों के बारे में सब कुछ पता हो। ऐसे में दाखिले से पहले उचित जांच-पड़ताल और विशेषज्ञों से सलाह बेहद जरूरी है।

अभिभावकों की भूमिका : अभिभावक भी इसी कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके बच्चे किसी अच्छे संस्थान अथवा मनचाहे कोर्स में दाखिला लेकर उनका तथा उनके परिवार को नाम रोशन करें। इसके लिए वे अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। कई

बार तो यह विद्यार्थियों के हित में होता है लेकिन हमेशा नहीं ।

जिसमें रुचि हो, वही चुनें: कोई काम यदि रुचि के साथ न किया जाए तो उसका परिणाम उतना अच्छा नहीं आ पाता। कोर्स के चयन में भी यह बात लागू होती है। यदि कोर्स पसंद का नहीं है तो उसमें विद्यार्थी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कभी नहीं दे सकता है। ऐसे में यदि विद्यार्थी किसी परपरागत अथवा गैर परंपरागत कोर्स में एडमिशन चाहता है, तो उसे सबसे पहले अपने करियर का लक्ष्य तय करना होगा। इस लक्ष्य के निर्धारण में उसे अपनी रुचि का ध्यान रखना होगा, क्योंकि इसी फैसले से भविष्य की रूपरेखा तय होती है इसलिए प्रोफैशन चुनते समय अपने आप को परखें, फिर ही किसी नतीजे पर पहुंचे।

काऊंसलर की मदद लें: कोई भी प्रोफैशन चुनने से पहले विद्यार्थियों को काऊंसलर से अवश्य बात कर लेनी चाहिए। काऊंसलर उनको करियर विकल्पों के फायदे व नुक्सान के बारे में बताते हैं। इससे विद्यार्थियों को कोर्स के बारे में गहरी जानकारी मिलती है। कई बार काऊंसलर विद्यार्थियों को उनकी पसंद का ही कोई ऐसा विकल्प तलाश देते हैं जिन पर विद्यार्थी की कभी दृष्टि नहीं गई, लेकिन यह संभव हो पाएगा, जब विद्यार्थी काऊंसलर से आमने-सामने बात करें।

परम्परागत कोर्स का क्रेज : परम्परागत पाठ्यक्रमों में समय के अनुसार बदलाव लाकर उसके प्रति भी विद्यार्थियों की दिलचस्पी बनाए रखने की भरपूर कोशिश की गई है। संरचना में भी बदलाव के चलते परम्परागत पाठ्यक्रमों में बदलाव आया तथा ये विषय की संपूर्ण जानकारी देने के अलावा विद्यार्थियों को तकनीकी जानकारी मुहैया कराने लगे । यही कारण है कि इनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई है। इन्हें तीन श्रेणियों में बांटकर देखा जा सकता है।

कला वर्ग : कला क्षेत्र के अंतर्गत कई विषयों का समावेश है। यह विद्यार्थी पर निर्भर करता है कि वे अपने रुचि के अनुसार कौन-सा विषय चयन करते हैं। इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र के अलावा मनोविज्ञान तथ राजनीति शास्त्र में विद्यार्थियों की भीड़ साल दर साल बढ़ती जा रही है।

विज्ञान वर्ग : 12वीं में पी.सी.एम. का विद्यार्थी इंजीनियर बनने का सोचता है। पी.सी.एम. के साथ-साथ वह थोड़ा क्रिएटिव है तो उसकी पसंद आर्किटैक्चर, फैशन टैक्नोलॉजी जैसे विकल्प हैं। एडवेंचरस विद्यार्थियों के लिए मर्चेंट नेवी, हवा से बात करने के शौकीन हैं तो पायलट और यदि सेवा भाव एवं जज्बा है तो डिफैंस एवं नेवी में किस्मत आजमा सकते हैं।

कॉमर्स वर्ग : कॉमर्स ग्रुप के ज्यादातर विद्यार्थी बी.कॉम, इको, सी.ए., सी. एस. सहित सांख्यिकी की पढ़ाई कर सकते हैं। इसके अलावा भी कई क्षेत्रों में कॉमर्स के विद्यार्थियों की डिमांड की जाती है।

वोकेशनल कोर्स देंगे रोजगार : वोकेशनल कोर्स जैसे ऑफिस मैनेजमैंट, मैटीरियल मैनेजमैंट, एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन, एच. आर. मैनेजमैंट, फूड प्रोसेसिंग, टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमैंट आदि आज संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों की खासियत है कि ये अल्प अवधि के होते हैं तथा इनकी फीस भी बहुत कम होती है इसलिए विद्यार्थी आसानी से इसे कर सकते हैं।

ऑफबीट कोर्स का ट्रैंड : ऑफबीट कोर्स जैसे रेडियो जॉकी, मसाज एवं स्पॉ थैरेपी, गेमिंग, टूरिस्ट गाइड, शैफ आदि के तहत ज्यादातर उन पाठ्यक्रमों का जिक्र किया जाता है, जो थोड़ा अलग हटकर हों और शार्ट टर्म कोर्स के रूप में जॉब प्रदान करने की क्षमता रखते हों ।

पिछले कुछ सालों से इन पाठ्यक्रमों की व्यापक उपयोगिता साबित हुई है और ये जॉब प्रदाता के रूप में अपनी खास पहचान बनाते जा रहे हैं।

दफ्तर में ऐसे बढ़ाएं 'अपनी अहमियत'

दफ्तर में काम करने वाला कर्मचारी चाहता है कि उसके काम को नोटिस किया जाए। बॉस उनके काम से प्रभावित रहें और सहकर्मी उनकी मेहनत और काबिलियत की प्रशंसा करें । हालांकि, कई सहकर्मियों के बीच अपनी काबिलियत साबित करना आसान काम नहीं होता।

ये हैं कुछ टिप्स

सकारात्मक रवैया : अपने बॉस, वरिष्ठ कर्मचारियों और सहकर्मियों के सामने हमेशा सकारात्मक रहें। आपका सकारात्मक और उत्साही व्यवहार ही दफ्तर में सभी से आपको सराहना दिलाएगा।

काम के प्रति समर्पण : कार्य के लिए समर्पित रहने के लिए कड़ी मेहनत करें ताकि आपके परिश्रम और लगन से वरिष्ठ कर्मचारी प्रभावित हों। दफ्तर में सभी आपकी लगन को नोटिस करेंगे। सहकर्मियों से संबंध अपने साथ काम करने वाले कर्मचारियों से अच्छे संबंध बनाकर रखें। उनके साथ अच्छा व्यवहार करें और काम के अलावा भी उनसे नियमित रूप से संवाद करें ताकि भविष्य में उनके साथ आपका एक अच्छा नैटवर्क बन सके। :पहल करें कार्यस्थल पर अधिक कार्य करने की पहल करें ताकि आपके प्रबंधकों को पता चले कि आप एक उत्साहवर्धक और अद्भुत कर्मचारी हैं। तभी आपको नई जिम्मेदारी सौंपेंगे।

'इलैक्ट्रिक वाहन चार्जिंग में रोजगार के अवसर

भारत सरकार ने आम बजट 2023 में इलैक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इलैक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली लिथियम बैटरियों पर लगने वाले सीमा शुल्क के कम होने से देश में इलैक्ट्रिक वाहन सस्ते होंगे। वहीं, आर्थिक सर्वेक्षण 2023 में देश में इलैक्ट्रिक वाहन का बाजार 2030 तक करीब 49 प्रतिशत की दर से बढ़ने और सालाना बिक्री करीब 1 करोड़ इकाइयों के होने की उम्मीद है।

इससे रोजगार के करीब 5 करोड़ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष अवसर पैदा होंगे। हाल ही में आयोजित ऑटो एक्सपो में सभी बड़ी कम्पनियों का फोकस इलैक्ट्रिक वाहनों पर अधिक रहा। इस वजह से इलैक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी अधिक निवेश किया जा रहा है।

इससे नौकरियों और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। आइए इस लेख में जानते हैं कैसे इलैक्ट्रिक चार्जिंग के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं और कहां भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध हैं :

पहले समझते हैं ई-वाहन के बारे में

ई-वाहन अर्थात इलैक्ट्रिक वाहन (ई.वी.) का मतलब इलैक्ट्रिक मोटर से चलने वाली गाड़ी है, जिसमें लिथियमआयन या अन्य प्रकार की बैटरी का इस्तेमाल होता है। इलैक्ट्रिक वाहन पर्यावरण के अनुकूल होते हैं और पैट्रोल या डीजल के विकल्प के तौर पर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। शुरूआती दौर में इलैक्ट्रिक वाहन एक चार्ज में 10 से 20 किलोमीटर दूरी ही तय कर पाते थे, लेकिन अब इस क्षेत्र में लगातार शोध और उन्नत तकनीक के कारण अब ये 250 से 300 किलोमीटर या इससे अधिक की दूरी तय करने की क्षमता रखते हैं।

ई.वी. इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ करियर के खुले विकल्प देशभर में ई. वी. सैगमैंट के विस्तार के साथ इसके इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक जोर है। इसमें सबसे अहम चार्जिंग स्टेशन का विस्तार है। मैट्रो शहरों के साथ टियर-2, 3 शहरों में भी

इसका विस्तार हो रहा है। सरकार के साथ बड़ी कम्पनियां इसमें निवेश कर रही हैं। इसकी वजह से करियर के नए अवसर भी खुले हैं।

इसमें मुख्य रूप से ई.वी. चार्जिंग स्टेशन तकनीशियन के तौर पर प्रमुख अवसर है। इसमें इलैक्ट्रिक वाहन (ई.वी.) चार्जिंग स्टेशन की सुचारू स्थापना और कमीशनिंग सुनिश्चित करने का काम होता है। वे ई.वी. चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए स्थान (साइट) की उपयुक्तता तय करने के अलावा सर्वेक्षण करते हैं और विभिन्न मापदंडों का मूल्यांकन करते हैं। इसके अलावा, उपयुक्त साइट पर ई. वी. चार्जिंग स्टेशन को स्थापित कर उसे चालू करते हैं ।

दूसरा करियर विकल्प ई.वी. चार्जिंग स्टेशन के संचालन और रख-रखाव से संबंधित है। इसमें चार्जिंग स्टेशनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कार्य किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार के इलैक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए ग्राहकों को सहायता प्रदान करते हैं।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए न्यूनतम शर्तें

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता संबंधित इंजीनियरिंग ट्रेड में आई.टी.आई. या 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जरूरी है। इसके अलावा 18 वर्ष पार कर चुके युवा इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण ले सकते हैं। उन्हें तकनीकी समझ होनी चाहिए।

इस क्षेत्र में करियर के अवसर क्यों हैं

* नैशनल मिशन फॉर इलैक्ट्रिक मोबिलिटी ने इलैक्ट्रिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए अगले 8 वर्षों में 140 बिलियन रुपए का निवेश करने का लक्ष्य है। इसके लिए 'नैशनल इलैक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (एन.ई.एम.एम.पी.) - 2020' के तहत काम किया जा रहा है।

* इलैक्ट्रिक वाहन नीति 2019 में 2024 तक ऑफरोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क माफ करने और उपकरणों को चार्ज करने पर भारी सबसिडी प्रदान करने की पेशकश की गई है।

* चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए, चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

*आवासीय स्थानों पर कुछ शर्तों के साथ निजी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की सुविधा दी जा रही है। कोई भी चार्जिंग स्टेशन 'ओपन एक्सेस प्रोटोकॉल' के माध्यम से किसी भी कम्पनी से बिजली प्राप्त कर सकता है।

* भारत सरकार द्वारा एक विशेष हरित ऊर्जा कॉरिडोर का निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। इससे देश में ई-वाहनों की मांग तेजी से बढ़ेगी।

कहां मिलेगी नौकरी

ई. वी. चार्जिंग से जुड़े प्रशिक्षण के बाद नौकरी और स्वरोजगार दोनों ही विकल्प खुले रहेंगे। कई बड़ी कम्पनियों द्वारा ई.वी. चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जा रहे हैं, वहां नौकरी मिल सकती है। इस क्षेत्र में कई स्टार्टअप कम्पनियों ने काम करना शुरू किया है, जिस वजह से वहां भी विकल्प मौजूद हैं। यदि आप नौकरी नहीं करना चाहते तो आप पूंजी लगाकर खुद का चार्जिंग स्टेशन स्थापित कर सकते हैं। इससे अच्छी आमदनी होगी।

'परीक्षा में कम अंक' आने पर जिंदगी से हार मत मानो

अक्सर किसी भी छात्र की काबिलियत का पैमाना परीक्षा में उसके अंकों को माना जाता है। अच्छे कॉलेज या यूनिवर्सिटी में दाखिले के लिए अच्छे अंक होना बहुत जरूरी भी है लेकिन यदि तुम्हारे अंक कम आए हैं तो उसके लिए निराश हो कर डिप्रैशन का शिकार होना या अपनी जिंदगी लेने की सोचना सरासर गलत है क्योंकि किसी एक परीक्षा में फेल होने से जिंदगी खत्म नहीं होती।

फेल सब होते हैं। कोई स्कूल की परीक्षा में, कोई अपने ऑफिस में तो कोई बिजनैस में लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि हम जिंदगी का साथ छोड़ दें। डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि अगर आप फेल हो जाएं तो कभी हार न मानें क्योंकि FAIL का मतलब सीखने की आपकी पहली कोशिश।

केवल अंकों के बल पर जीवन नहीं चलता । कामयाबी के फल सिर्फ अंकों के पेड़ पर नहीं लगते ।

यह जिंदगी की आखिरी परीक्षा नहीं थी। जिंदगी में आगे कई परीक्षाओं का सामना करना पड़ेगा । शायद उन परीक्षाओं में तुम हीरे की तरह चमक जाओ ! कभी भी अपने आप को औसत मत समझो।

अभी तो तुम्हारे सामने आगे बढ़ने के लिए कई नई दिशाएं बाहें फैलाएं तुम्हारा इंतजार कर रहीं हैं। आइंस्टीन अपनी कक्षा में टॉपर नहीं थे लेकिन उस वक्त टॉपर कौन था यह आज किसी को भी याद नहीं है... याद हैं तो आइंस्टीन !

गर्मियों में चाहिए स्टाइल के साथ कंफर्ट तो मैक्सी ड्रेसेस ट्राई करें

चिपचिपे मौसम में हमें उन कपड़ों की तलाश होती है जो आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी हों। गर्मियों में

अकसर लड़कियां लाइटवेट यानि कि हल्के-फुल्के, हवादार और ढीले-ढाले कपड़े पहनना पसंद करती हैं, अगर आप भी कुछ इस तरह के आउटफिट्स की तलाश में हैं तो मैक्सी ड्रेसेस बेस्ट ऑप्शन रहेगा। इन दिनों इसका चलन कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रहा है। आज आपको मैक्सी ड्रेसेस की कुछ लेटेस्ट डिजाइन्स बताने जा रहे हैं जिसे पहनकर आप आरामदायक महसूस तो करेंगी ही साथ में स्टाइलिश भी दिखेंगी।

फ्लोरल मैक्सी ड्रेस

फ्लोरल प्रिंट का ट्रेंड तो कभी पुराना ही नहीं होता। फ्लोरल प्रिंट में लाइट ब्लू, पिंक, येलो और व्हाइट कलर की मैक्सी ड्रेस आपको बड़ी ही आसानी से मिल जाएगी। इन्हें ऑफिस, कॉलेज, कैज़ुअल डे आउट, ट्रैवलिंग और रोज़मर्रा के कामों के लिए भी पहना जा सकता है।

हाफ स्लीव शॉर्ट मैक्सी

मैक्सी ड्रेस में ही अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो हाफ स्लीव शॉर्ट मैक्सी भी सही रहेगी। ईज़ी-ब्रीज़ी होने के चलते इसमें फुल कंफर्ट मिलता है। इसमें लाइट रंग ही चूज करें जिसे आसानी से पहनकर आप बाहर निकल सकें।

लॉन्ग बैक मैक्सी ड्रेस

अगर आप कुछ बोल्ड ट्राई करना चाहती हैं, तो लॉंग बैक मैक्सी ड्रेस को अपने वॉडरोब का हिस्सा बना सकती हैं। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो सभी बॉडी टाइप पर सूट करता है और इसे फैमिली फंक्शन या छोटी- मोटी पार्टी में कैरी कर कोई भी खूबसूरत और यूनिक लग सकता है। इसके साथ सिंपल फ्लैट फुटवियर कैरी कर आप अपने लुक को और भी शानदार बना सकते हैं।

ऑफ शोल्डर मैक्सी ड्रेस

आप खुद को भीड़ में सबसे अलग दिखने की चाहत रखती है तो इस सीजन ऑफ शोल्डर मैक्सी ड्रेस को अपने फैशन का हिस्सा जरूर बनाएं। गर्मियों के लिए थोड़ी लूज फिटिंग वाले ड्रेस ही चुनें तो बेहतर होगा। आप चाहें तो इसके साथ हल्की एक्सेसरीज कैरी भी कर सकती हैं।

पेस्टल मैक्सी ड्रेस

पेस्टल कलर भी गर्मियों के लिए बहुत बेहतरीन होता है। आप पेस्टल कलर्स की सिंपल सी मैक्सी ड्रेस को हाई हिल्स के साथ पेयर कर सकती हैं। डेट नाइट के लिए यह आरामदायक और स्टाइलिश आउटफिट साबित होगा

मैक्सी ड्रेस की खूबसूरती मिनीमल ज्वेलरी में ज्यादा निखर कर आती है, इसलिए मैक्सी ड्रेस के साथ ज्यादा एक्सेसरीज कैरी न

'काम की बोरियत' ऐसे करें दूर

ऑफिस में सावधानी से काम लेना जरूरी है क्योंकि एक गलती महंगी पड़ सकती है। इसके लिए आपको आंखों में तेल लगाकर काम करना होगा लेकिन कई बार हम काम करते समय काफी आलसी हो जाते हैं और इसका असर हमारे काम पर पड़ता है।

व्यायाम : ऑफिस में व्यायाम करना संभव नहीं है लेकिन, अगर आपको नींद आ रही है और आप स्थिर बैठे हैं, तो यह और भी मुश्किल जाएगा इसलिए जब भी आपको हो नींद आए तो खुद को एक्टिव रखने के लिए ब्रेक लें। शरीर में पानी की कमी न होने दें, पानी पीते रहें। यह आपको सक्रिय रहने में मदद करेगा।

नींद : यदि आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो पूरा दिन बर्बाद हो जाता है। दिन भर थकान महसूस होना । कई बार सिर में दर्द भी होता है। इससे आपको दिन में कभी भी नींद आ सकती है। यदि आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, तो अच्छी नींद लेने की आदत डालें।

गाने सुनें: अगर ऑफिस में नींद आ रही है तो गाने सुनना एक अच्छा उपाय है।

कॉफी पिएं : कॉफी में कैफीन होता है। इससे शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है।अगर आपको ऑफिस में नींद आ रही है तो आप कॉफी पी सकते हैं। इससे आपको नींद नहीं आती है। चाय भी एक अच्छा विकल्प हो सकती है।

जीएसटी में गड़बड़ी करने वालों की मुश्किलें बढ़ीं

जीएसटी रिटर्न की स्क्रूटनी के लिए एसओपी हुई जारी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की ओर से वित्त वर्ष 2019-20 और उसके बाद जीएसटी रिटर्न की स्क्रूटनी के लिए एसओपी (एसओपी) जारी कर दी है। इनका इस्तेमाल जीएसटी की एनालिटिक्स यूनिट की ओर से विभिन्न प्रकार की रिस्क के आधार पर जीएसटी रिटर्न की स्क्रूटनी करने के लिए किया जाएगा।

क्या है नई एसओपी?

एसओपी के मुताबिक, स्क्रूटनी के लिए जीएसटी रिटर्न का चयन डायरेक्टरेट जनरल ऑफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) द्वारा किया जाएगा। सेंट्रल टैक्स ऑथोरिटीज

के पास पंजीकृत जीएसटीआईएन का ही डीजीएआरएम की ओर से चयन किया जाएगा। इसके बाद चुने हुए जीएसटीआईएन से जुड़ी सभी जानकारी उससे जड़े हुए सेंट्रल टैक्स ऑफिसर के स्क्रूटनी डैशबोर्ड पर दिखाई देगी। इस महीने की शुरुआत में सीबीआईसी की ओर से कहा गया था कि जीएसटी रिटर्न की स्क्रूटनी के लिए जल्द ही एक ऑटोमेटिक मॉड्यूल तैयार किया जाएगा।

जीएसटी रिटर्न की स्क्रूटनी के ऑटोमेटिक मॉड्यूल से क्या होगा फायदा?

ऑटोमेटिक मॉड्यूल आने से सिस्टम की ओर से रिस्क और डाटा एनालिटिक्स के आधार पर स्क्रूटनी के लिए जीएसटी रिटर्न की पहचान की जाएगी। इससे टैक्स अधिकारियों को भी स्क्रूटनी के लिए जीएसटी रिटर्न चुनने में भी काफी आसानी होगी। एक टैक्स अधिकारी को हर महीने कम से कम चार रिटर्न की स्क्रूटनी करनी होगी।

क्या होती है जीएसटी स्क्रूटनी?

बता दें, जीएसटी रिटर्न की स्क्रूटनी के अंतर्गत टैक्स ऑफिसर किसी भी टैक्स पेयर की ओर से फाइल किए गए रिटर्न की कुछ रिस्क पैरामीटर के आधार पर जांच करता है और देखता है कि जीएसटी रिटर्न नियमों को मुताबिक फाइल किया गया है या नहीं।

अगर इसमें कोई भी गड़बड़ी पाई जाती है तो फिर जीएसटी ऑफिसर की ओर से ट्रेक्सपेयर से जवाब मांगा जाता है।

आईपीईएफ के तहत आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर बातचीत काफी हद तक पूरी, सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। हिंद प्रशांत आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) के सदस्यों ने लॉजिस्टिक और संपर्क में सुधार सहित आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर वार्ता को काफी हद तक पूरा कर लिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने और कारोबार निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए सदस्य देशों को सहयोग करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, 14 देशों के समूह आईपीईएफ की शुरुआत अमेरिका और भारत-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों ने मिलकर 23 मई को टोक्यो में की थी। व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (कर और भ्रष्टाचार रोधी जैसे मुद्दे) से संबंधित चार स्तंभों के आधार पर यह ढांचा तैयार किया गया है।भारत व्यापार को छोड़कर सभी स्तंभों में शामिल हो गया है। अमेरिका की मेजबानी में शनिवार को डेट्रॉयट में दूसरी आईपीईएफ मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस बैठक में शामिल हुए। आईपीईएफ में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, वियतनाम और अमेरिका सहित 14 भागीदार देश शामिल हैं। आईपीईएफ का लक्ष्य क्षेत्र में विकास, शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ भागीदार देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करना है।

5जी इंटरनेट स्पीड को लेकर दावा झूठा, टेलीकॉम कंपनियों पर लगा 20 अरब रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों की ओर से अपनी 5जी सेवाओं को लेकर अट्रा फास्ट स्पीड के बड़े-बड़े दावे किये जाते हैं। लेकिन अब टेलीकॉम कंपनी पर 5जी इंटरनेट स्पीड को लेकर झूठा दावा करने पर भारी-भरकम जुर्माना लगाया गया है। टेलीकॉम कंपनियों पर करीब 33.6 बिलियन वोन यानी करीब 209 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना साउथ कोरिया में लगाया गया है और तीन टेलीकॉम कंपनियों पर लगा है। कोरिया टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, साउथ कोरिया मोबाइल रेगुलेटर, फेयर ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने ये जुर्माना 5जी नेटवर्क स्पीड के बारे में गलत दावा करने और यूजर्स को गुमराह करने वाले विज्ञापन चलाने को लेकर लगाया गया है। तीन कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया है, जिसमें एसके टेलीकॉम, केटी और एलजी यूप्लस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। फेयर ट्रेड कमिशन का आरोप है कि, मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों की विज्ञापन में दिखाई जाने वाली इंटरनेट स्पीड हर एक जगह के लिए वैध नहीं है, बल्कि किसी निश्चित जगह में ही उपलब्ध होती है।फेयर ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने एसके टेलीकॉम, केटी और एलजी यू+ पर अपने 5जी नेटवर्क के प्रदर्शन को गुमराह करने और बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के लिए जुर्माना लगाया है, जिसमें दावा किया गया है कि केवल बेहद सीमित परिस्थितियों में गति प्राप्त की जा सकती है। फेयर ट्रेड कमिशन ने वेरिफाइड टेस्ट रिजल्ट प्रदान किए बिना अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में तेज गति का दावा करने वाली कंपनियों की आलोचना भी की है।फेयर ट्रेड कमीशन ने एसके टेलीकॉम, केटी और एलजी यू+ पर करीब 209 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एसके टेलीकॉम के पास 5जी यूजर्स का 47.8 प्रतिशत है, इसके बाद केटी का 30 प्रतिशत और एलजी यू+ का 21.5 प्रतिशत है। एसके टेलीकॉम पर 16.83 बिलियन वोन (करीब 105 करोड़ रुपये), केटी 13.93 बिलियन वोन (करीब 87 करोड़ रुपये) और एलजी यू+ 2.85 बिलियन वोन (करीब 17 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया गया।मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर ने अपने 5जी नेटवर्क के लिए 656 और 801 मेगाबिट्स प्रति सेकंड (एमबीपीएस) के बीच स्पीड है जबकि उन्होंने विज्ञापन में भ्रामक रूप से प्रति सेकंड 20 गीगाबिट्स (जीबीपीएस) की स्पीड का दावा किया था।

21 हजार एम्प्लाइज को निकालने के लिए मेटा के खर्च होंगे 8000 करोड़ रुपये!

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। वैश्विक मंदी की आहट के साथ ही कई कंपनियों ने अपने खर्च को कम करने के लिए बड़े पैमाने पर छंटनी की है।

इन कंपनियों की लिस्ट में फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा का नाम भी शामिल है।जहां कंपनी एक तरफ अपने खर्च में कटौती करने के लिए कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है, वहीं दूसरी तरफ इसके लिए भारी कीमत भी चुका रही है।

स्टॉक एक्सचेंज की फाइलिंग में मेटा ने जानकारी दी है कि पहली तिमाही में 21,000 एंप्लाइज को नौकरी से निकालने के लिए मेटा ने कुल 8,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

कंपनी को क्यों खर्च करने पड़े 8,000 करोड़ रुपये?

फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक जिन कर्मचारियों को कंपनी ने नौकरी से निकाला हैं उन्हें भारी मुआवजा पैकेज देना पड़ा है।ऐसे में मुआवजे पैकेज पर कंपनी का कुल 1 बिलियन डॉलर यानी 8,000 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।इसके साथ ही मेटा ने यह भी जानकारी दी है कि उसने रिस्ट्रक्चरिंग के लिए पहले ही कई मिलियन डॉलर का खर्च किए हैं।

छंटनी से कंपनी को मिला फायदा

गौरतलब है कि छंटनी के कारण मेटा की पहली तिमाही का रेवेन्यू 28.65 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।इसमें साल दर साल 3 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।दिग्गज टेक कंपनी ने अपनी फाइलिंग में बताया है कि साल 2022 से ही उसने अपने खर्च में कटौती की प्लानिंग कर शुरू कर दी थी।इसके लिए कंपनी ने अपने बिजनेस प्लान को रिस्ट्रक्चर किया है।इसके बाद पिछले साल के अंत तक कंपनी ने ज्यादातर छंटनी को पूरा कर लिया था, लेकिन मार्च 2023 में मेटा ने एक बार फिर 10,000 कर्मचारियों की छंटनी का प्लान बनाया था।इस छंटनी के बाद कंपनी को उम्मीद है कि प्रभावित कर्मचारियों को मुआवजा देने के लिए उसे कुल 1 बिलियन डॉलर का खर्च लगेगा।इसमें पहली तिमाही में 523 मिलियन डॉलर की मान्यता कंपनी ने दे दी है।

कुल इतने कर्मचारियों की गई छंटनी

मेटा ने नवंबर 2022 में खर्च में कटौती करने के लिए कुल 11,000 कर्मचारियों की छंटनी की थी।इसके बाद मार्च 2023 में एक बार फिर कंपनी ने कई चरण में 10,000 एंप्लाइज की छंटनी का ऐलान कर दिया था।मेटा के अलावा बदलती वैश्विक परिस्थितियों के कारण माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेजन जैसी कई दिग्गज टेक कंपनियों ने हजारों लोगों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

5 जून से शुरू होगा एपल का 'डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2023' इवेंट

आईओएस 17 और नए मैकबुक के साथ पहला मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट लॉन्च कर सकती है कंपनी

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। टेक कंपनी एपल का साल का सबसे बड़ा इवेंट 'डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 2023' अगले महीने 5 जून से 9 जून तक होगा। चार दिन के वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस इवेंट में कंपनी न्यू आईफोन, मैक और एपल वॉच के साथ नेक्स्ट जनरेशन ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 17 पेश करेगी। इसके अलावा एपल मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट, 15 इंच का मैकबुक एयर और सिलिकॉन के साथ मैकबुक प्रो लॉन्च कर सकता है। हम यहां उन प्रोडक्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें एपल अपने इवेंट में लॉन्च कर सकता है या फिर उसके बारे में जानकारी दे सकता है।

मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट

एपल इस साल के डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी इवेंट में सबकी नजर मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट पर रहेगी। एपल पिछले 7 सालों से मिक्स्ड रियलिटी हेडसेट पर काम कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने पहले मिक्स्ड रियल्टी हेडसेट को 'रियल्टी प्रो' के नाम से लॉन्च कर सकती है। हेडसेट की एक्सपेक्टेड कीमत लगभग 3000 अमेरिकी डॉलर (2.48 लाख रुपए) है।

केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में होगी बड़ी बढ़ोतरी! 31 मई है खास दिन

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सातवें वेतन आयोग के तहत केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में फिर बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 31 मई 2023 का दिन खास है।इस दिन कर्मचारियों का महंगाई भत्ता और पेंशनर्स को महंगाई राहत कितना बढ़ेगा, ये स्पष्ट हो सकता है।हालांकि अभी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। दरअसल, 31 मई 2023 को डीए स्कोर जारी होंगे यानी एआईसीपीआई इंडेक्स के नंबर्स आएंगे। ऐसे में ये पता चल जाएगा कि जुलाई में बढ़ने वाला महंगाई भत्ता कितना मिलने वाला है।अभी महंगाई भत्ता 42 फीसदी है, जो जनवरी 2023 से लागू है।अगर डीए 4 फीसदी बढ़ता है तो महंगाई भत्ता 46 फीसदी हो जाएगा।

कितना बढ़ सकता है डीए

अभी डीए स्कोर 44.46 फीसदी है और अप्रैल से जून तक का स्कोर आना बाकी है।वहीं पिछले तीन बार से केंद्र सरकार कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 4 फीसदी की बढ़ोतरी कर रही है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार भी कर्मचारियों के डीए में 4 फीसदी का इजाफा होगा।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एआईसीपीआई इंडेक्स के आंकड़ों पर नजर डाले तो दिसंबर में इंडेक्स 132.3 अंक पर था और महंगाई भत्ता का स्कोर 42.37 फीसदी रहा था।मार्च 2023 में एआईसीपीआई इंडेक्स 133.3 पर था, जिस कारण महंगाई भत्ता स्कोर 44.46 फीसदी हो चुका है।ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कुल बढ़ोतरी 4 फीसदी की हो सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारभ समय	
सूर्य-	वृष में	मेष--	03-09 बजे
चंद्र-	सिंह में	वृष--	04-54 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	06-54 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	09-07 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	11-19 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	13-25 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	15-31 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	17-41 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	19-54 बजे
		मकर..	22-00 बजे
		कुंभ...	23-51 बजे
		मीन ..	01-29 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945**, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-**ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-45** सूर्य अस्त- **18-40**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **11 -49** तक उपरान्त दशमी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष , सोमवार **May 29**
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - **04- 28** - तक उपरान्त
योग - वज्र - **21 - 00** - तक उप - सिद्ध
करण- कौलव **-11 -49** - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री महेश नवमी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:20 से 08:58 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:45 - 07:20 शुभ	चंचल	18:42 - 20:07 शुभ
काल	07:20 - 08:58 अशुभ	रोग	20:07 - 21:29 अशुभ
शुभ	08:58 - 10:36 शुभ	काल	21:29 - 22:51 अशुभ
रोग	10:36 - 12:14 अशुभ	लाभ	22:51 - 00:14 शुभ
उत्पात	12:14 - 13:51 अशुभ	उत्पात	00:14 - 01:36 अशुभ
चंचल	13:51 - 15:29 शुभ	शुभ	01:36 - 02:58 शुभ
लाभ	15:29 - 17:07 शुभ	अमृत	02:58 - 04:20 शुभ
अमृत	17:07 - 18:42 शुभ	चंचल	04:20 - 05:44 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, आ,)

काम की व्यस्तता आपको गुस्सैल बना सकती है। हमारी आपको सलाह है कि शराब और सिगरेट पर पैसा खर्च करने से बचें। ऐसा करने से न सिर्फ आपका स्वास्थ्य खराब होगा बल्कि आपकी आर्थिक स्थिति भी खराब होगी। मित्रों का साथ सुख प्रदान करेगा।

वृष (ई, उ, ए, ओ,वा, वी, वू, वे, वो,)

बच्चे आपकी शाम को रोशन करेंगे। सुस्त और व्यस्त दिन को अलविदा कहने के लिए एक अच्छे डिनर की योजना बनाएं। उनकी कंपनी आपके शरीर को रिचार्ज करेगी। पैसा आपको जीवन में अंधेरे समय के दौरान बचाए रखने में मदद करेगा। इसलिए आज से ही अपने धन को निवेश और बचत करने पर विचार करें।

मिथुन (का, की, कू, घ,ङ छ, के,को,ह)

रिलैक्स होने के लिए कुछ समय करीबी दोस्तों के साथ बिताएं। आप कमीशन-लाभांश- या रॉयल्टी से लाभ प्राप्त करेंगे। ऐसी जानकारी प्रकट न करें जो व्यक्तिगत और गोपनीय हो। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और कमजोर होते हैं। व्यवसायियों के लिए दिन अच्छा है।

कर्क (ही, हू , हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

बच्चों के साथ खेलना आपको उपचार का एक अद्भुत अनुभव देगा। अपने लिए धन संचय करने का आपका विचार आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत करने में सफल रहेंगे। दोस्त आपके दिन को खुशनुमा बना देंगे क्योंकि वे शाम के लिए कुछ रोमांचक योजना बनाएंगे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप ऊर्जा से लबरेज रहेंगे और आज कुछ असाधारण करेंगे। जिन लोगों ने किसी अनजान व्यक्ति की सलाह पर पैसा लगाया था उन्हें आज लाभ मिलने की प्रबल संभावना है। अपनी राय बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। उन्हें समझाना बेहतर है ताकि वे इसे स्वीकार कर सकें।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक को पूरा करने या उन चीजों को करने में लगाना चाहिए जिन्हें आप सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। आप ख़ुद को किसी रोमांचक नई स्थिति में पा सकते हैं- जिससे आपको आर्थिक फ़ायदा भी होगा। अपने दोस्तों को अपने उदार व्यवहार का फ़ायदा न उठाने दें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपका ईर्ष्यालु व्यवहार आपको दुखी और उदास कर सकता है। लेकिन यह खुद की खुद की चोट है इसलिए इस पर अफसोस करने की जरूरत नहीं है। दूसरों के सुख-दुख को बांटकर इससे छुटकारा पाने के लिए खुद को प्रेरित करें। चंद्रमा की स्थिति के चलते आपका पैसा बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, नू,ने,नो या, यी ,यू,)

दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास व्यक्ति से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। अगर आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं तो सोच समझकर पैसा खर्च करें, क्योंकि आपको धन हानि होने की संभावना है। आपकी अत्यधिक ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह अनुकूल परिणाम लाएंगे और घरेलू तनाव कम करेंगे।

धनु (ये, यो,य, भा, भी,भू धा ,फा, ढा, भे)

अपने आहार का उचित ध्यान रखें, विशेष रूप से माइग्रेन के रोगियों को अपना भोजन नहीं छोड़ना चाहिए अन्यथा यह उन्हें अनुचित भावनात्मक तनाव दे सकता है। जैसे-जैसे आपके माता-पिता समर्थन देंगे, वित्तीय परेशानियाँ खत्म होती नज़र आएंगी। जब आप किसी ग्रुप में हों तो ध्यान रखें।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)

उच्च कैलोरी आहार से बचें और अपने व्यायाम के प्रति धार्मिक रहें। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। पारिवारिक तनाव को अपना ध्यान न भटकने दें। बुरा समय हमें और भी बहुत कुछ देता है। आत्म-दया में लिप्त होने के क्षण को बर्बाद न करें बल्कि जीवन के सबक जानने की कोशिश करे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें अन्यथा बात बिगड़ सकती है। यदि आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो धन प्रबंधन और बचत के संबंध में किसी बड़े से सलाह लें। परिवार के सदस्यों के साथ सुकून के कुछ पल बिताएं। पवित्र और शुद्ध प्रेम का अनुभव करें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ज्ञ, दे, दो, चा,ची)

अत्यधिक चिंता और तनाव उच्च रक्तचाप का कारण बन सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार से आपको आवश्यक वस्तुओं की ख़रीदारी में आसानी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार से मिली अप्रत्याशित ख़बर आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगी। प्रेम यात्रा मधुर लेकिन अल्पकालिक है। इस राशि के जो जातक छोटे-मोटे व्यापार करते हैं, उन्हें आज नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

इन 3 छोटी कंपनियों के आईपीओ से कमाने का मौका

जानें प्राइस बैंड से लेकर बाकी सारे डिटेल

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। अगर आप इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ में पैसे निवेश करना पसंद करते हैं तो यह खबर आपके काम की है।अगले हफ्ते शेयर मार्केट में कुल 3 एसएमई आईपीओ खुलने वाला है।इसमें इंफोलियन रिसर्च सर्विसेज लिमिटेड, सीएसएफ फ्लूइड कंट्रोल लिमिटेड और कॉमरेड एप्लायंसेज लिमिटेड जैसी कंपनियों के नाम शामिल हैं।

एसएमई आईपीओ क्या होता है?

छोटे या मध्यम साइज की कंपनियां अगर आईपीओ लाती हैं तो उसे एसएमई आईपीओ कहते हैं।इस कैटेगरी में वहीं कंपनियां आईपीओ ला सकती हैं जिनका टर्नओवर 100 करोड़ रुपये से कम है।ध्यान देने वाली बात ये है कि एसएमई आईपीओ के एक लॉट की कीमत कम से कम 1 लाख रुपये या इससे अधिक हो सकती है।इन एसएमई कंपनियों के शेयर की लिस्टिंग बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में होती है।

कौन से एसएमई आईपीओ आएंगे इस हफ्ते?

इंफोलियन रिसर्च सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ

इंफोलियन रिसर्च सर्विसेज लिमिटेड एक टेक ओरियेंटेड बी2बी मॉडल कंपनी है।इस कंपनी का आईपीओ सोमवार यानी 29 मई को खुलने वाला है।वहीं 31 मई, 2023 को यह बंद हो जाएगा। कंपनी ने आईपीओ का प्राइस ब्रांड 80 से 82 रुपये तय किया गया है।इस आईपीओ में कुल 22,24,000 नए शेयर जारी किए जाएंगे।वहीं 3,92,000 इक्विटी शेयर ऑफर ऑफ सेल के जरिए जारी किए जाएंगे।यह शेयर एनएसई पर लिस्टेड होंगे.इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 4,04,800 इक्विटी शेयर जारी किए गए हैं।वहीं नॉन क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए 8,70,400 इक्विटी शेयर, रिटेल इंडिब्यूजअल इन्वेस्टर्स के लिए 1,32,800 इक्विटी शेयर जारी किए गए है।

आधार कार्ड गुम हो गया और नंबर भी याद नहीं तो कैसे मिलेगा? जानें ये सिंपल तरीका

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। आधार कार्ड भारत के नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है।इसे बैंक अकाउंट, पैन कार्ड, राशन कार्ड और अन्य चीजों से लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है।आधार कार्ड नहीं होने पर आप सरकारी योजनाओं का भी लाभ नहीं उठा सकते हैं।बिना आधार कार्ड के आपका कोई भी जरुरी काम रुक सकता है।इस स्थिति में अगर आपका आधार कार्ड खो जाता है और आपने उसका नंबर भी सेव करके या फिर याद करके नहीं रखा है तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि आपको परेशान होने की आवश्यकता नहीं है।आधार कार्ड खो जाने पर दोबारा से इसे पा सकते हैं।अगर आधार कार्ड आपका खो जाता है तो यूआईडीएआई इसे दोबारा से हासिल करने की सुविधा देती है।

जर्मनी में आई आर्थिक मंदी: सीआईआई ने दी चेतावनी, कहा- भारत के कुछ क्षेत्रों का निर्यात हो सकता है प्रभावित

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। यूरोप का इंजन कहे जाने वाले जर्मनी की अर्थव्यवस्था आर्थिक मंदी में आ गई है। जर्मनी में आई इस आर्थिक मंदी से यूरोप के आर्थिक संकट में फंसने का खतरा मंडराने लगा है। पूरी दुनिया सहमी हुई है। बताया जा रहा है कि जर्मनी में आई आर्थिक मंदी से भारत का रसायन, मशीनरी, परिधान और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों का यूरोपीय संघ (ईयू) को निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की निर्यात-आयात (एग्जिम) पर समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि जर्मनी में आई आर्थिक मंदी का भारतीय निर्यात पर असर जानना अभी जल्दबाजी होगी।बता दें, दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश जर्मनी मंदी का सामना कर रहा है। इसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2022 की चौथी तिमाही में 0.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 2023 की पहली तिमाही में 0.3 प्रतिशत और गिर गया।बुधिया ने कहा कि पिछले साल भारत के कुल निर्यात में जर्मनी का हिस्सा 4.4 प्रतिशत था। भारत ने मुख्य रूप से जैविक रसायनों, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिधान, फुटवियर, लौह-इस्पात के साथ-साथ चमड़े की वस्तुओं का निर्यात किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि जर्मनी में मंदी के भारत पर प्रभाव का अभी आकलन करना जल्दबाजी होगा, लेकिन उपरोक्त क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे।

सोने के भाव में गिरावट, आसमान पर चढ़ा चांदी, जानें आज के दाम

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। वेडिंग सीजन के लिए सोने-चांदी के आभूषण खरीदने की सोच रहे उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है।रविवार को मेरठ सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के रेट में 150 रुपये की गिरावट आई है जिसके बाद यहां 10 ग्राम 24 कैरेट सोना का भाव 61,900 रुपये हो गया है।वहीं, 10 ग्राम 22 कैरेट सोना 56,741 रुपये, 18 कैरेट सोना 46,425 रुपये, 14 कैरेट सोना का दाम 36,108 रुपया है। बता दें कि, 27 मई को यहां 22 कैरेट सोना 56,869 रुपया, 18 कैरेट सोना 46,537 और 14 कैरेट सोना का दाम 36,195 रुपये था।26 मई को 22 कैरेट सोना 57,108 रुपया, 18 कैरेट सोना 46,725 रुपये और 14 कैरेट सोना 36,341 रुपये प्रति 10 ग्राम के दर से था.हालांकि, चांदी के रेट में उछाल देखने को मिला है।मेरठ सर्राफा बाजार में रविवार को चांदी का भाव 450 रुपये बढ़ कर 72,050 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है।वहीं, 27 मई को चांदी के दाम में 200 रुपया की कमी दर्ज हुई थी और चांदी 71,600 रुपया प्रति किलो पहुंच गई थी।बता दें कि, प्रतिदिन सोने और चांदी के रेट में लगने वाली कस्टम ड्यूटी के कारण दोनों कीमती धातुओं के भाव में बदलाव देखने को मिलता है।

बाल्टी बनाने से शुरुआत की थी जिंदल ने

ग्रुप के फाउंडर की पत्नी देश की सबसे अमीर महिलाओं में से एक

हिसार, (एक्सक्लूसिव डेस्क)। जिंदल ग्रुप... एक कंपनी जिसकी शुरुआत लोहे की बाल्टी बनाने से हुई। आज वह कंपनी भारत में स्टील मैन्युफैक्चरिंग, माइनिंग, पावर, इंडस्ट्रियल गैस और पोर्ट सर्विसेज के सेक्टर में टॉप कंपनियों में से एक है। भारत के साथ ही अमेरिका, इंग्लैंड, मिडिल ईस्ट और इंडोनेशिया में उसकी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं। जब कंपनी शुरू हुई तब यह भारत में स्टील पाइप और ट्यूब बनाने वाली पहली कंपनी थी। ओपी जिंदल पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन वाला पाइप और ट्यूब बनाने वाले भारत के पहले व्यक्ति थे।

दूसरे विश्व युद्ध के समय ब्रिटिश सेना ने असम में एयरफोर्स बेस बना रखा था। जापान की सेना को बर्मा में रोकने के लिए वह इस्तेमाल कर रही थी, लेकिन 1945 में दूसरा विश्व युद्ध खत्म होने पर ये एयरबेस बिना काम के हो गए। ऐसे में, इन्हें बनाने में जो लोहा इस्तेमाल हुआ था उसे स्थानीय लोग निकालकर बेचने लगे। इन्हीं बेकार और फेंके गए लोहे को खरीदकर ओम प्रकाश जिंदल ने व्यापार शुरू किया।

जिंदल की पैदाइश हरियाणा में हिसार की थी। वो एक किसान परिवार से आते थे। 22 साल की उम्र में हिसार में ही उन्होंने बाल्टी बनाने की छोटी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाई, पर कुछ समय बाद वहां से कोलकाता आ गए। उन्हें यहां असम के बाजारों में सस्ते दाम पर नीलाम होने वाले लोहे के बारे में पता चला था। उन्हें खरीदकर वो कलकत्ता समेत पूर्वी भारत में बेचने लगे। इसके बाद 1952 में कलकत्ता में ही एक पाइप बेंड और सॉकेट बनाने की फैक्ट्री लगा दी। इस काम में उनके भाई भी साथ थे। तब कंपनी का नाम रखा जिंदल इंडिया लिमिटेड। आज स्टील सेगमेंट में यह टाटा और कलिंग के बाद भारत की तीसरी सबसे बड़ी फैक्ट्री है।

हिसार आकर शहर को स्टील बनाने का कारखाना बना दिया

1964 में ओ पी जिंदल वापस अपने शहर हिसार में आ गए। यहां खुद से एक फैक्ट्री डिजाइन कर 42 हजार इंवेस्टमेंट के साथ एक पाइप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की। फैक्ट्री में इस्तेमाल होने वाली सारी मशीनों को उन्होंने खुद ही बनाया। जबकि उन्होंने कभी इंजीनियरिंग की पढ़ाई नहीं की थी।

1969 में कलकत्ता में हिसार की फैक्ट्री से बड़ी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाई। इसमें बनी पाइप हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में धड़ल्ले से बिकने लगी। इसके बाद स्टील बाल्टी बनाने की फैक्ट्री भी शुरू कर दी। 1970 में हिसार में स्टील की बड़ी फैक्ट्री खोली। 1960 से 1990 के बीच हिसार शहर में जिंदल ग्रुप ने कई फैक्ट्रियां खोली। यहां के ज्यादातर लोगों के लिए यह रोजगार का जरिया भी बन गया।

भारत में 30 और अमेरिका में 3 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट खोली

1960 के दशक के बाद जब तक ओ पी जिंदल जीवित रहे, उन्होंने देश-विदेश में 34 मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाईं। इनमें से 30 भारत में, 3 अमेरिका में और एक इंडोनेशिया में हैं। जिंदल समूह ने समय के साथ पाइप्स में नई तकनीक को अपनाया और कार्बन स्टील से लेकर स्टेनलेस स्टील की पाइप्स बनाने लगे। इन्हीं दशकों में जिंदल ग्रुप को उन्होंने अलग-अलग हिस्सों में भी बांटा। सबसे पहले ग्रुप के चार हिस्से किए। जिंदल सॉ पाइप्स, जिंदल साउथ वेस्ट, जिंदल स्टेनलेस और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड। ये चारों समूह फिलहाल उनके चार बेटों के पास है। इसमें पृथ्वीराज जिंदल, सज्जन जिंदल, रतन जिंदल और नवीन जिंदल शामिल हैं।

2005 में जिंदल समूह के कर्ता-धर्ता ओम प्रकाश जिंदल की हेलिकॉप्टर क्रैश में मृत्यु हो गई। अपने पीछे वह पत्नी सावित्री देवी जिंदल और चार बेटे छोड़कर गए थे। कंपनी की बागडोर सावित्री देवी जिंदल के हाथ आई। उन्होंने कंपनी की नेट वर्थ को साल दर साल बढ़ाना जारी रखा। 2021 में फोर्ब्स सूची में भारत की सबसे अमीर महिलाओं में वे टॉप 10 में रहीं। यह मुकाम हासिल करने वाली भारत की पहली महिला भी हैं।

पहले इंडस्ट्रियलिस्ट, जो लोकसभा चुनाव जीते

आज भी हिसार शहर के विकास में ओ पी जिंदल के योगदान को याद किया जाता है। उनके बारे में एक किस्सा बताया जाता है कि उन्होंने एक बार स्टील की पाइप को देखा जिस पर 'मेड इन इंग्लैंड' लिखा हुआ था। यहां से उन्होंने ये ठाना कि एक दिन ये सभी प्रोडक्ट भारत में बनेंगे और उस पर 'मेड इन इंडिया' लिखा होगा। उनका मानना था कि गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को बेहतर जिंदगी दिए बिना हम एक सफल देश नहीं बन सकते हैं। अपने इसी जज्बे को लेकर उन्होंने राजनीति में जाने का मन बनाया।

1990 के दशक में ओ पी जिंदल को राजनीति में भी सफलता मिली। 1991 में हिसार विधानसभा क्षेत्र से वो पहली बार विधायक चुने गए। 1996 में कांग्रेस की टिकट पर उन्होंने कुरुक्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीतकर आए। भारत में यह पहली बार था कि कोई इंडस्ट्रियलिस्ट संसद में चुनकर गया हो। इसके बाद हिसार से दोबारा उन्होंने विधानसभा चुनाव जीता।

साल 2019 में ओ पी जिंदल के सबसे छोटे बेटे और जिंदल स्टील एंड पावर कंपनी के मालिक नवीन जिंदल पर मध्यप्रदेश में कोल ब्लॉक के आवंटन में गड़बड़ी को लेकर केस दर्ज हुआ। कोर्ट में उनके साथ 4 अफसरों पर चीटिंग और क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी का आरोप लगा।

अप्रैल 2022 में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने नवीन जिंदल की कंपनी जिंदल स्टील एंड पावर कंपनी के कई जगहों पर छापा मारा। फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट यानी फेमा कानून के उल्लंघन में यह छापेमारी की गई थी। नवीन जिंदल और उनकी कंपनी पर आरोप है कि उन्होंने आरबीआई के नियमों के खिलाफ फॉरेन से करेंसी एक्सचेंज किया था।

ओ पी जिंदल के 4 बेटों के पास एक-एक कंपनी

ओम प्रकाश जिंदल
पिता

सावित्री देवी जिंदल
माता

4 बेटे

पृथ्वीराज जिंदल
जिंदल सॉ लिमिटेड, चेयरमैन
मार्केट कैप
5,939 करोड़ रुपए

सज्जन जिंदल
जिंदल साउथ वेस्ट स्टील
मार्केट कैप
4,596 करोड़ रुपए

रतन जिंदल
जिंदल स्टेनलेस स्टील
मार्केट कैप
24,377 करोड़ रुपए

नवीन जिंदल
जिंदल स्टील एंड पावर
मार्केट कैप
52,648 करोड़ रुपए

माथुर का टारगेट बहुमत की बीजेपी सरकार

प्रदेश प्रभारी बोले-संगठन को मजबूती से खड़ा करने आया हूं, एक महीने में दूसरी बार बस्तर दौरे पर

रायपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर 3 दिन के बस्तर दौरे पर पहुंचे। पिछले 1 महीने में वह दूसरी बार बस्तर दौरे पर हैं। इस बार ओम माथुर एक ही टारगेट लेकर छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं और वह है आने वाले विधानसभा चुनावों के बाद छत्तीसगढ़ में बहुमत वाली भाजपा सरकार।

बस्तर रवाना होने से पहले ओम माथुर ने रायपुर में कहा, भाजपा छत्तीसगढ़ को जीतने के लिए पूरी ताकत लगाएगी। पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। मेरा काम संगठन को खड़ा करना है इसलिए बस्तर जा रहा हूं, बस्तर के सभी सातों जिलों और विधानसभा क्षेत्रों की अलग-अलग बैठक लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा करेंगे।

साल 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद हालत ये रही कि पूरी की पूरी भाजपा 15 सीटों पर सिमट गई। बस्तर से दो दो मंत्री केदार कश्यप, महेश गागड़ा तब भाजपा के हुआ करते थे, वहां से एक भी सीट भाजपा जीत ना सकी। बस्तर संभाग की 12 पर आज पंजा छाप के निशान हैं। ओम माथुर प्रदेश स्तर की होने वाली हर बैठक में बस्तर पर फोकस करने का टारगेट नेताओं को दे रहे हैं।

खुद भी वो मानते हैं कि भाजपा को बस्तर में फिर से खड़ा करने की जरुरत है। यही वजह है कि वो लगातार यहां बैठकें 30 मई तक लेंगे। बीते महीने 26-27 अप्रैल को माथुर बस्तर आये थे। प्रदेश की राजनीति में बड़ी चर्चा होती है कि यदि कोई भी राजनीतिक दल बस्तर की सारी सीटों पर जीत हासिल कर ले तो राज्य में सरकार बनाने का रास्ता आसानी से खुल जाता है। यह कहना कहीं गलत नहीं होगा कि,

सत्ता की चाबी बस्तर की सीटों पर निर्भर करती है। माथुर इन बैठकों में कार्यकर्ताओं से चर्चा करके ये भी देखेंगे कि बस्तर से कौन-कौन से ऐसे चेहरे हैं जिनपर आगामी चुनाव में दांव लगाया जा सकता है। हालांकि टिकट वितरण पर ओम माथुर ने कुछ नहीं कहा। माथुर ने इसे संगठनात्मक दौरा बताया है। जानकार बताते हैं कि टिकट का अंतिम फैसला दिल्ली से ही होना है, मगर माथुर का फीडबैक अहम होगा। माथुर की तरह नितिन नबीन, जामवाल और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव भी अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों को टटोल रहे हैं।

रायपुर में ओम माथुर ने कहा कि पूरी दुनिया आज मोदी सरकार के 9 साल के कार्यकाल को याद कर रही है। भारत आज हर क्षेत्र में ग्रोथ कर रहा है, अमेरिका के राष्ट्रपति कहते हैं कि रशिया और युक्रेन को मोदी ही शांत करा सकते हैं। दुनिया के देशों ने जिस तरह से स्वागत किया। मोदी को बॉस बताया इससे बड़ी खुशी की बात क्या होगी, भारत फिर से विश्व गुरु बनने की ओर है। माथुर को मोदी मैजिक से छत्तीसगढ़ में चमत्कार की उम्मीद है, बस्तर में भी मोदी इफेक्ट के जरिए आगामी चुनावों पर असर डालने का प्रयास भाजपा कर रही है।

झारखंड में मौसम का चढ़ेगा पारा

जगदलपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में रायपुर-जगदलपुर नेशनल हाईवे-30 पर रविवार तड़के भीषण सड़क हादसा हुआ है। दो ट्रकों की आमने-सामने से टक्कर के बाद दोनों गाड़ियों में आग लग गई। जिसमें एक चालक अंदर ही जिंदा जल गया। फिलहाल मृतक की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। इधर, पुलिस वाहन के नंबर से डिटेल्स खंगाल कर मालिक का पता लगाने का प्रयास कर रही है। मामला बस्तर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, एक ट्रक जगदलपुर से रायपुर की तरफ जा रहा था तो वहीं दूसरा विपरीत दिशा से आ रहा था। इस बीच बालेंगा और भानपुरी के बीच दोनों में आमने-सामने से टक्कर हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। एक का चालक तो किसी तरह से अपनी जान बचा कर निकल गया। लेकिन, दूसरे ट्रक का ड्राइवर अंदर ही फंसा रह गया। आग की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

2024 लोकसभा चुनाव के बाद ही जनगणना होगी

अब पहली डिजिटल जनगणना कराई जाएगी; लोगों से पूछेंगे- कौन सा अनाज खाते हैं

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। 2021 की जनगणना अब लोकसभा चुनाव के बाद ही होगी। न्यूज एजेंसी PTI की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने अभी तक जनगणना के नए कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है। 2024 के लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में होने हैं। उससे पहले कर्मचारियों को वोटर लिस्ट अपडेट करनी है। ऐसे में जनगणना का काम शुरू होना संभव नहीं है।

अब जब भी जनगणना होगी, वह डिजिटली की जाएगी। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी। इसमें लोगों से 31 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का काम कोरोना महामारी के कारण पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। जनगणना का हाउस लिस्टिंग फेज और राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR) अपडेट करने का काम 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2020 तक पूरा होना था, जो लॉकडाउन के कारण नहीं हुआ।

नए जिले बनाने की डेड लाइन 30 जून तक बढ़ी

अधिकारियों ने कहा कि जनवरी 2023 में भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त ने प्रशासनिक सीमाओं को स्थिर करने की तारीख, नए जिलों या उप-जिलों को बनाने की लास्ट डेट 30 जून तक बढ़ा दी गई है।

ट्रेनिंग देने में लगेगा समय, चुनाव आयोग देगा वोटर लिस्ट रिवीजन का काम

नियमों के अनुसार जनगणना जिला, तहसील, ब्लाक और पुलिस स्टेशन की सीमाओं को फ्रीज करने के तीन महीने (यानी 30 सितंबर के बाद) बाद ही हो सकती है। देश के उन 30 लाख सरकारी कर्मचारियों/शिक्षकों को ट्रेनिंग देने में भी 2-3 महीने लगेंगे, जो जनगणना करने घर-घर जाते हैं।

इस बीच चुनाव आयोग भी अगले आम चुनावों के लिए मतदाता सूचियों जांच का काम शुरू कर देगा। चूंकि प्राथमिकता बदल जाएगी, इसलिए संभावना है कि जनगणना लोकसभा चुनाव के बाद ही होगी।

21वीं सदी की पहली डिजिटल जनगणना

यह कवायद जब भी होगी पहली डिजिटल जनगणना होगी। यानी इसमें लोगों को अपनी जानकारी खुद भरने का मौका मिलेगा। NPR उन लोगों के लिए जरूरी किया गया है जो सरकारी कर्मचारियों के बजाय खुद जनगणना फॉर्म भरना चाहते हैं।

इसके लिए लोगों को अपना आधार और मोबाइल नंबर देना जरूरी होगा। हालांकि इसके लिए जनगणना प्राधिकरण ने सेल्फ-इन्यूमेरेशन पोर्टल अभी तक लॉन्च नहीं किया है।

जनता से इस बार ये सवाल पूछे जाएंगे

रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त के कार्यालय के अनुसार इस बार की जनगणना में 31 सवाल पूछे जाएंगे। इन सवालों में पूछा जाएगा- परिवार के पास टेलीफोन लाइन है या नहीं, इंटरनेट कनेक्शन है या नहीं, मोबाइल या स्मार्टफोन है या नहीं, वाहन कौन सा है- साइकिल, स्कूटर, बाइक, मोपेड, कार, जीप या वैन।

साथ ही मकान के फर्श, दीवार और छत की प्रमुख सामग्री, उसकी स्थिति, घर में रहने वालों की कुल संख्या के अलावा यह भी पूछा जाएगा कि क्या परिवार की मुखिया महिला है, मुखिया अनुसूचित जाति का है या नहीं, इसके बारे में भी पूछा जाएगा। घर में कितने कमरे हैं और वहां रहने वाले मैरिड कपल की संख्या के बारे में भी सवाल होंगे।

'साष्टांग और सेंगोल' से तमिलनाडु में सेंध लगाएगी बीजेपी!

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। मोदी ने एक बार फिर से नौ साल पहले की तरह ही संसद भवन में साष्टांग प्रणाम किया और संगोल₹ को स्थापित किया। संसद के उद्घाटन के दौरान देश की कई प्रमुख विपक्षी पार्टियों की उपस्थिति न होने के बाद भी सियासी गलियारों में चर्चाएं इस बात की हो रही हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ₹साष्टांग और सेंगोल₹ से न सिर्फ सियासत को साधा है बल्कि तमिलनाडु से एक बार फिर से धीरे-धीरे ही सही भाजपा ने एक पैठ बनाने की बड़ी कोशिश शुरू कर दी है।

2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी तो संसद भवन के अंदर प्रवेश करने से पहले उन्होंने साष्टांग प्रणाम किया था। राजनीतिक विश्लेषक और वरिष्ठ पत्रकार हिमांशु शितोले कहते हैं कि साष्टांग प्रणाम के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनानी शुरू कर दी थी। वो कहते हैं कि संसद भवन में साष्टांग प्रणाम के साथ एंट्री करते ही देश के राज्यों में भगवा पार्टी का झंडा लहराने लगा था। जो धीरे-धीरे देश के अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में लगातार बढ़ता गया। वो कहते हैं कि नौ साल के भीतर देश की जो सियासी तस्वीर बदली उसको भाजपा के नेता इस 'साष्टांग प्रणाम' से जोड़कर भी देखते हैं। भारतीय जनता पार्टी के सांसद और दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष मनोज तिवारी कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोकतंत्र के इस पवित्र मंदिर में साष्टांग प्रणाम करके देश की जनता को नमन किया बल्कि लोकतंत्र के इस पवित्र मंदिर और उस सेंगोल (राजदंड) को नमन करते हुए जनता के हितों को आगे रखकर काम करने का प्रण भी लिया है।

देश की नई बनी संसद की जितनी चर्चा इसकी भव्यता और विशेषताओं की हो रही है उससे ज्यादा चर्चा उस सेंगोल (राजदंड) की हो रही है जो तकरीबन ढाई हजार साल पहले चोल वंश के राजाओं के सत्ता हस्तांतरण के दौर में दिया जाता था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस तरह से इस राजदंड को लोकसभा में तमिल मठों के धर्माचार्यों का आशीर्वाद लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको स्थापित किया है, उसका तमिलनाडु में बड़ा प्रभाव पड़ना तय माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक उमेश नारायण पंत कहते हैं कि बीते कुछ समय में अगर सियासत के नजरिए से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु पर बहुत फोकस किया है। कहते हैं पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकसभा क्षेत्र बनारस में काशी तमिल समागम का आयोजन किया था। एक महीने तक चलने वाली इस समागम में तमिल के 17 मठों से 300 से ज्यादा साधु संत और प्रमुख मठों के धर्माचार्य शामिल हुए थे।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी सियासी तौर पर अभी भी दक्षिण भारत में उत्तर और उत्तर-पूर्व की तरह मजबूत नहीं हो पाई है। उनका मानना है कि तमिलनाडु से आए धर्माचार्य और संसद में राजदंड को स्थापित करके एक तरह से भारतीय जनता पार्टी ने तमिलनाडु की राजनीति को और स्थानीय लोगों के बीच में अपनी मजबूत पैठ बनाने की कोशिश तो जरूरी की है। संसद में राजदंड को स्थापित किए जाने को लेकर सियासत भी लगातार गर्म बनी हुई है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी का कांग्रेस लगातार विरोध करती आई है। कांग्रेस के नेता जयराम रमेश कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस राजदंड को तमिलनाडु में महज राजनीतिक उद्देश्य के लिए ही स्थापित करना चाहते हैं। हालांकि देश के गृहमंत्री अमित शाह कहते हैं कि कांग्रेस ने देश की इतनी महान प्रथा और विरासत को म्यूजियम में रखकर सहारा लेकर चलने वाली छड़ी के तौर पर छोड़ दिया था।

दक्षिण भारत के पांच राज्यों की 129 लोकसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के महज 29 सांसद हैं। इसमें से 25 सांसद उस कर्नाटक राज्य से हैं जहां पर हाल में हुए विधानसभा के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता गंवा दी है। आंकड़ों के मुताबिक तमिलनाडु की 39 सीटों में से एक भी सीट पर भारतीय जनता पार्टी का सांसद नहीं है। देश में यूपी, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार के बाद तमिलनाडु सबसे ज्यादा सांसदों वाला राज्य है। भारतीय जनता पार्टी दक्षिण के इसी राज्य में एंट्री करने की तैयारी लगातार करती आई है। राजनीतिक विश्लेषक अखिल प्रकाश कहते हैं कि हालांकि लोकसभा सदस्य के तौर पर एक भी सदस्य न होने पर भाजपा यहां कड़ी मेहनत करके और ज्यादा संभावनाएं तलाश रही है। प्रकाश के मुताबिक लोकसभा में जिस भव्यता और धार्मिक माहौल के साथ तमिल धर्मगुरुओं और तमिल विरासत के स्वरूप राजदंड को स्थापित किया गया है उससे पार्टी तमिलनाडु में सियासी तौर पर खुद को मेहनत करके स्थापित करने की बड़ी संभावनाएं देख रही है।

तमिलनाडु ही नहीं बल्कि दक्षिण भारत में केरल की 20 सीटों में से एक भी सीट पर भारतीय जनता पार्टी के सांसद नहीं हैं। इसी तरह आंध्र प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों पर भी भाजपा का कोई सांसद नहीं है। हालांकि तेलंगाना की 17 सीटों में चार सांसद भारतीय जनता पार्टी के हैं। राजनीतिक विश्लेषण और वरिष्ठ पत्रकार सुदर्शन कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी के दक्षिण भारत में 29 सांसद हैं। सुदर्शन का कहना है कि कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी की सरकार भी नहीं है। ऐसे में आने वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी कितना मजबूती से चुनाव लड़ेगी और उसका विधानसभा के चुनावों के परिणाम का क्या असर पड़ेगा यह भी देखा जाना जरूरी है। लेकिन सुदर्शन यह बात मानते हैं कि संसद भवन में राजदंड की स्थापना से तमिलनाडु की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी मजबूती से अपना जनाधार बढ़ाने के सभी प्रयास करेगी।

ट्रेलर ने मारी टक्कर

बाइक सवार पति-पत्नी की मौत

रायगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हुए सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई है। दोनों बाइक पर सवार होकर किसी रिश्तेदार के यहां कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में ट्रेलर ने दोनों को टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही दोनों ने दम तोड़ दिया। इस हादसे में 2 बच्चे भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसा खरसिया थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, पुसौर थाना क्षेत्र के ग्राम जतरी निवासी तोरेश पटेल(30) पत्नी बीना पटेल(28) अपनी बच्ची वेदांसी पटेल (डेढ़ साल) भतीजे श्रेयांश पटेल(6) साल के साथ शनिवार रात को निकला था। ये सभी अभी रानीसागर के पास पहुंचे थे। उसी दौरान यह हादसा हो गया है।

बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में ट्रेलर आ रहा था। जिसने सामने से इनको टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि मौके पर ही पति-पत्नी की मौत हो गई। जबकि बच्चे घायल हो गए थे। उधर, घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया था।

वहीं आस-पास के लोग हादसे के बाद मौके पर पहुंच गए थे।

प्रमोद तिवारी ने कसा भाजपा पर तंज

बोले- कर्नाटक में 90 प्रतिशत हिंदू वहां तो हिंदुत्व कार्ड चला नहीं अब कहां चलेगा

रायपुर, 28 मई (एजेंसियां)। अब भाजपा का हिंदुत्व कार्ड विधानसभा और लोकसभा में नहीं चलेगा। जनता सब समझ चुकी है। कर्नाटक और हिमाचल में भाजपा नहीं हारी मोदी जी की विश्वसनीयता हारी है। उनके जुमले और झूठे वादों को हार मिली है। यह कहना है कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और राज्यसभा के उप नेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी का। प्रमोद ने यह भी दावा किया कि छत्तीसगढ़ और राजस्थान में नो इनकंबेंसी है, इसलिए इस बार कांग्रेस और अधिक वोटों से जीतेगी।

छत्तीसगढ़ देश में मोस्ट वेल एडमिनिस्ट्रेटिव स्टेट माना जा रहा है। भूपेश बघेल को लोग बेस्ट चीफ मिनिस्टर मान रहे हैं। इसका फायदा तो चुनाव में मिलेगा ही। छत्तीसगढ़ में प्लानिंग के साथ तैयारियां चल रहीं हैं। पोलिंग बूथ तक कांग्रेस सरकार के अचीवमेंट पहुंच रहे हैं। संगठन और सरकार मिलकर काम कर रहे हैं, यही वजह है कि हम एक-एक वोटर के बीच अपने अचीवमेंट पहुंचा पा रहे हैं। उसका लाभ चुनाव में शत प्रतिशत मिलेगा।

फंडामेंटेलिज्म वहां बढ़ा, हम उसका मुकाबला नहीं कर पाए। हम कमजोर पड़े। लेकिन इस बार उन पर भारी पड़ेंगे। लोकसभा में एक के सामने एक की प्लानिंग की गई है। इसका मतलब है कि सभी विपक्ष मिलकर भाजपा के सामने केवल एक ही उम्मीदवार उतारेंगे।

गठबंधन के लिए प्रयास सभी से किया जाएगा। बाकी जहां नहीं हो पाएगा वहां भाजपा को फायदा मिलेगा ही।

छत्तीसगढ और राजस्थान में नो इनकंबेंसी है। आप देखना हम तीनों राज्यों में बड़ी संख्या से जीतेंगे। सभी चीजें कर्नाटक चुनाव की वजह से होल्ड थीं। अब चुनाव खत्म हो गए हैं, जल्द ही सभी नियुक्तियां और बदलाव कर दिये जाएंगे।

मुझे तो ऐसा कुछ नहीं दिख रहा, न ही ऐसी कोई जानकारी है।

खुद भाजपा क्या करती रही है। आप उप्र की सूची उठाकर देख लीजिए किन्हें राज्यसभा सांसद बनाकर भेजा गया है।

ये तुगलकी फरमान है। 6 साल 6 महीने बाद बंद ही करना था, तो लाए ही क्यों थे। 90 प्रतिशत हिंदू कर्नाटक में हैं। वहां पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने पद की गरिमा गिराकर काम किया। उसके बावजूद क्या हुआ। मोदी सरकार के 9 साल के झूठे वादे, जुमलों ने मोदी जी खुद की विश्वसनीयता समाप्त कर दी है। कर्नाटक और हिमाचल में भाजपा नहीं हारी मोदी जी की विश्वसनीयता हारी है।

500 शरणार्थियों से भरा जहाज भूमध्य सागर में लापता, 'अलार्म फोन' का अलर्ट मिलने पर खोजने जुटे कई देश

ट्यूनीशिया, 28 मई (एजेंसियां)। धरती के बीच के हिस्से वाले समुद्र भूमध्य सागर में हर महीने नौका और जहाज डूब रहे हैं. वहां माइग्रेंट्स के आवागमन पर नजर रखने वाली संस्था 'अलार्म फोन' ने सूचना दी है कि सागर में 500 शरणार्थियों से भरा जहाज लापता हो गया है. उस जहाज में एक नवजात और एक गर्भवती महिला भी मौजूद है. 'अलार्म फोन' के मुताबिक, शरणार्थियों से उनके जहाज का आखिरी बार संपर्क बुधवार सुबह (24 मई को) हुआ था. उस समय जहाज लीबिया के बेनगाजी पोर्ट से 320 और इटली से 400 किलोमीटर की दूरी पर था. उसका इंजन ठीक से काम नहीं कर पा रहा था. उस जहाज के लापता होने की सूचना मिलने के बाद से ही इटली की लाइफ सपोर्ट शिप खोज में जुटी है. बताया जा रहा है कि जहाज पर कई देशों के लोग सवार थे, लिहाजा वे देश भी तलाशी में मदद कर रहे हैं. भूमध्य सागर में अप्रैल के महीने में भी बड़ा हुआ था. तब एक बड़ी नौका उत्तरी अफ्रीका के देश ट्यूनीशिया के समुद्र में डूब गई थी. उस नौका में 37 लोग सवार थे. हादसे में दो दर्जन से ज्यादा लोग लापता हो गए थे. उनके डूबने के बाद घंटों तक तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन कइयों का पता नहीं चला. वो हादसा तब हुआ था, जब इंजन-चालित बड़े आकार की नौका शरणार्थियों को लेकर इटली जा रही थी. इसी तरह मार्च के आखिरी हफ्ते में भी प्रवासियों से भरी एक बोट हादसे का शिकार हो गई थी. उस हादसे में कम से कम 19 लोगों की जानें गईं. उससे पहले 23 मार्च को भी ट्यूनीशिया के दक्षिण-पूर्वी तट के पास कई अफ्रीकी प्रवासी नौकाएं डूबी थीं. उन हादसों में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग लापता हो गए.

रिपोर्ट में हुआ खुलासा, पहली बार मंगल ग्रह से धरती पर आया एलियन सिग्नल; वैज्ञानिकों ने किया डिकोड

पेरिस, 28 मई (एजेंसियां)। ईएसए ने 26 मई को पुष्टि की कि पहली बार मंगल ग्रह से पृथ्वी पर एक एलियन सिग्नल आ रहा था। ये सिग्नल मार्स के ऑर्बिट में घूम रहे टीजीओ ने 24 मई को रात 9 बजे भेजा, जो 16 मिनट बाद पृथ्वी पर रिसीव हुआ। ये एक्सपेरिमेंट 'ए साइन इन स्पेस' प्रोजेक्ट के तहत किया गया। इस प्रोजेक्ट का मकसद ही ये है कि अगर किसी दूसरे ग्रह या एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल सिविलाइजेशन (एलियन्स) से हमारी धरती पर कोई सिग्नल भेजा जाएगा तो उसे हम रिसीव कर पाएंगे या नहीं। 'ए साइन इन स्पेस' प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाली डेनिएला डी पाउलिस ने कहा कि इतिहास में, मानवता ने शक्तिशाली और परिवर्तनकारी घटनाओं में अर्थ की खोज की है। एक अलौकिक सभ्यता से एक संदेश प्राप्त करना पूरी मानव जाति के लिए एक गहरा परिवर्तनकारी अनुभव होगा। सर्च फॉर एक्सट्राटेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस (सेटी) संस्थान में काम करने वाली पाउलिस एक अलौकिक संदेश को डिकोड करने और व्याख्या करने की प्रक्रिया का पता लगाने के लिए एक परियोजना बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की एक टीम को एक प्लेटफार्म पर लेकर आई हैं। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डी पॉलिस और उनकी टीम ने इस सिग्नल या मैसेज को डीकोड करने के लिए एक दूसरा

सर्बिया में विरोध प्रर्दशन के बीच राष्ट्रपति ने दिया इस्तीफा

छोड़ा सत्तारूढ़ पार्टी का अध्यक्ष पद

बेलग्रेड, 28 मई (एजेंसियां)। सर्बिया की राजधानी में लगातार सरकार के लिए लोग प्रर्दशन पर उतरे हुए हैं। बेलग्रेड में विरोध प्रदर्शन चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है। इस महीने की शुरुआत में बेलग्रेड में और उसके आसपास बड़े पैमाने पर दो बार गोलीबारी हुई। इसके बाद प्रशासन के प्रति लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के इस्तीफे की मांग की। लोगों के कड़े विरोध के बाद आज सर्बिया के राष्ट्रपति ने सत्तारूढ़ सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी (एसएनएस) के नेता के रूप में पद छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि देश को एकजुट करने के लिए एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह राज्य के प्रमुख बने रहेंगे।

सर्बिया में हुई दो बड़ी गोलीबारी

सर्बिया और पड़ोसी कोसोवो, मोंटेनेग्रो और बोस्निया के हजारों लोग सरकार के विरोध में सड़कों पर उतरे हुए थे। उनका यह प्रदर्शन देश में हाल ही में हुई गोलीबारी की घटनाओं के कारण था। दरअसल, इस महीने में सर्बिया में 4 मई को देर रात गोलीबारी हुई थी। ये घटना देर रात सर्बिया के कस्बे म्लादेनोवाक के डबोना गांव में हुई थी। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए थे। वहीं, इससे पहले 3 मई को सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड के एक स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई थी और 7 लोग घायल हो गए थे। यह सर्बिया का पहला स्कूल मास शूटिंग था।

सरकार से क्या थी लोगों की मांगें?

सर्बिया में हुई मास शूटिंग से लोगों में सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ गुस्सा था। लोग हाथों में फूल और मृत बच्चों की तस्वीरों को हाथों में लिए हुए सरकार का विरोध कर रहे थे। वह सत्तारूढ़ सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी (एसएनएस) से नाराज़ थे क्योंकि उनका दावा है कि सरकार और मीडिया आउटलेट्स हिंसा को बढ़ाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने समय-समय पर सरकार से हिंसक कंटेंट को बढ़ावा देने वाले टेलीविजन नेटवर्क के प्रसारण लाइसेंस को हटाने की भी मांग की। उन्होंने राजनीतिक असंतुष्टों पर हमला करके हिंसा भड़काने वाले सरकार समर्थक समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया था।

2012 में पार्टी के अध्यक्ष बने थे वुसिक

राष्ट्रपति वुसिक ने विपक्ष पर राजनीतिक लाभ के लिए शूटिंग त्रासदियों का फायदा उठाने का आरोप लगाया। अल जजीरा के मुताबिक उन्होंने सत्तारूढ़ दल एसएनएस के प्रमुख के रूप में पद छोड़ दिया और वर्तमान रक्षा मंत्री मिलोस वूसेविक को पार्टी का प्रमुख चुना गया। सर्बिया में अगेंस्ट वॉयलेंस के बैनर तले और विपक्षियों द्वारा वहां पर विरोध में बड़ी रैलियां की गईं। सर्बिया के राष्ट्रपति 2012 में एसएनएस के अध्यक्ष बने थे। 2017 और 2022 में राष्ट्रपति चुने जाने से पहले उन्हें उप प्रधान मंत्री और प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया था। उनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल 2027 में समाप्त हो रहा है।

पिछले साल यूएस में ठंड से मरे थे 4 भारतीय; जिस व्यक्ति पर लगा था मौत का आरोप, उसने कहा- मैं दोषी नहीं

हस्टन, 28 मई (एजेंसियां)। फ्लोरिडा के एक व्यक्ति ने खुद पर लगाए गए मानव तस्करी के आरोपों से साफ इनकार कर दिया है। उसका कहना है कि उसने कोई मानव तस्करी नहीं की है। गौरतलब है, 48 वर्षीय स्टीव शैंड पर अमेरिकी कानून का उल्लंघन कर भारतीय प्रवासियों को देश में अवैध रूप से लाने का आरोप है। वहीं, इस पर चार भारतीय प्रवासियों के ठंड से जमकर मौत होने का भी आरोप लगा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मिनेसोटा के डुलुथ में सुनवाई हो रही थी। इस दौरान जब मजिस्ट्रेट न्यायाधीश लियो ब्रिस्बोइस ने कहा कि तुम पर मानव तस्करी का आरोप है। इस पर क्या कहोगे। तो शैंड ने कहा कि मैं दोषी नहीं हूं। बता दें, शैंड पर जिन चार लोगों की जान लेने का आरोप है उनकी पहचान 39 वर्षीय जगदीश पटेल, उनकी 37 वर्षीय पत्नी वैशालीबेन, उनकी 11 साल की बेटी विहंगी और तीन वर्षीय बेटे धार्मिक के रूप में हुई है। वहीं, इस परिवार की मौत का भारत में भी तीन लोगों पर आरोप लगा है। गौरतलब है, शैंड अपनी वैन में दो भारतीयों को बगैर वैध दस्तावेजों के कनाडा से लेकर अमेरिका में घुसा था। उसे कनाडा-अमेरिका सीमा के दो किलोमीटर दूर ग्रामीण इलाके में पकड़ लिया गया था। जब इन दोनों भारतीयों व शैंड को पेम्बिना बॉर्डर चौकी पर लाया जा रहा था तब वहां सुरक्षा एजेंसियों को पांच और भारतीय मिल गए। ये मिनसोटा के एक गैस संयंत्र की ओर जा रहे थे, जहां स्टाफ की जरूरत थी। इन पांचों भारतीयों ने बताया कि ये इस आस में पैदल आ गए थे कि उन्हें कनाडा के सीमावर्ती इलाके से कोई लेने आएगा। उनके पास पूर्व में आए चार भारतीयों के बैग भी थे। इसके बाद 19 जनवरी को खबर मिली कि रॉयल माउंटेड कनाडा पुलिस को चार शव मिले हैं, जो बर्फ व ठंड कारण जम गए हैं।

कानून प्रवर्तन अधिकारियों को झूठे मामलों में फंसाने की साजिश रच रही पीटीआई; राणा सनाउल्लाह का दावा

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक ओर जहां उनकी पार्टी के नेता एक के बाद एक उनसे किनारा करते जा रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान की गठबंधन सरकार पीटीआई पर बैन लगाने की तैयारी में है। इस बीच, पाकिस्तान के गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह ने इंटरसेप्टेड फोन कॉल से इमरान खान की पार्टी की फर्जी छापेमारी की साजिश का खुलासा हुआ है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने दावा किया है कि खुफिया एजेंसियों को एक इंटरसेप्टेड फोन कॉल से पता चला है कि इमरान खान की पार्टी कानून प्रवर्तन अधिकारियों को बदनाम करने की साजिश रच रही है। सनाउल्लाह ने कहा कि पीटीआई के इस कदम का उद्देश्य कानून-प्रवर्तन एजेंसियों को फर्जी आरोपों में फंसाना और बाद में इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाना था। हालांकि, सनाउल्लाह ने अपने दावों को पुख्ता करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है। वहीं, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने रविवार को सनाउल्लाह पर पलटवार किया हैष उन्होंने कहा कि गृहमंत्री साफ तौर पर मीडिया में आने वाली डरावनी कहानियों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि अगर जेलों में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के बारे में कोई संदेह था, तो प्रेस कॉन्फ्रेंस से ऐसे सभी संदेह दूर हो जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ राज्य द्वारा कभी भी इतना दुर्व्यवहार और उत्पीड़न नहीं किया गया, जितना कि इस फासीवादी सरकार द्वारा किया गया है, जब वे शांतिपूर्वक विरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग कर रही थीं।सत्तारूढ़ पीडीएम सरकार उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है।

सौ साल के हुए किसिंजर

बांग्लादेश युद्ध में भारत के खिलाफ भेजी थी नौसेना, क्यों कहा जाता है शीत युद्ध का हीरो

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर आज 100 साल के हो गए हैं। वह आज ही के दिन 1923 में जर्मनी में पैदा हुए थे। एडोल्फ हिटलर के अत्याचारों से परेशान होकर किसिंजर का परिवार 1938 में जर्मनी छोड़कर अमेरिका आ गया। अमेरिका आने के बाद किसिंजर ने अमेरिकी सेना में अपनी सेवाएं दीं। इसके बाद उन्होंने मशहूर विश्वविद्यालय हार्वर्ड में पढ़ाई की और वहीं पर पढ़ाना भी शुरू कर दिया। देश-विदेश नीतियों पर उनकी किताबों को दुनियाभर में चर्चा मिली। 1968 में रिचर्ड निक्सन ने राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद किसिंजर को नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का चीफ बनाया। निक्सन और किसिंजर की जोड़ी इतनी जमी कि जब वे दोबारा राष्ट्रपति बने तो उन्होंने किसिंजर को विदेश मंत्री बना दिया। हालांकि कुछ वक्त बाद ही पत्रकारिता से जुड़ा सबसे चर्चित वॉटरगेट स्कैंडल कांड हुआ। निक्सन का भंडाफोड़ हुआ जिसमें उन्हें कुर्सी छोड़नी पड़ी। जेराल्ड फोर्ड नए राष्ट्रपति बने, मगर किसिंजर का पद बचा रहा। किसिंजर के ऊपर कई देशों में हिंसा भड़काने, तख्तापलट कराने और नरसंहार के संगीन आरोप लगते हैं। आधिकारिक दस्तावेजों में इनकी पुष्टि भी हो चुकी है मगर उन्हें कभी इसकी सजा नहीं मिल पाई। ऐसा कहा जाता है कि किसिंजर की वजह से कई देशों में राजनैतिक संकट पैदा हुआ। उनकी नीतियों के चलते लाखों लोग मारे गए। इसके बावजूद उन्हें 1973 में नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया।

हेनरी किसिंजर जितने कुख्यात हैं राष्ट्रवादियों के बीच उतने ही लोकप्रिय भी। उन्हें शानदार राजनीति-विज्ञानी और कठोर एक्शन लेने वाला डिप्लोमैट बताया जाता है। ऐसा भी कहा जाता है कि किसिंजर ने होते तो अमेरिका, सोवियत संघ से शीत युद्ध नहीं जीत पाता और कम्युनिस्टों के आगे घुटने टेक देता। यही वजह है कि अमेरिका में किसी भी दल का राष्ट्रपति चाहे वो डेमोक्रेट हो या रिपब्लिकन जब वाइट हाउस पहुंचता है, वो किसिंजर से एक बार जरूर मिलता है। वह हेनरी किसिंजर ही थे जिनके प्रयास से चीन और अमेरिका करीब आ पाए। कुछ सालों के लिए ही सही मगर किसिंजर के चाल की वजह से ही साम्यवादी देश चीन पूंजीवादी देश अमेरिका के धड़े का हिस्सा बन पाया। 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच बांग्लादेश युद्ध के दौरान ये किसिंजर ही थे जिनके आदेश पर अमेरिका ने भारत के खिलाफ अपनी नौसेना का सातवां बेड़ा भेज दिया था।

किसिंजर पर 1970 में चिली के राष्ट्रपति सल्वादोर अलांदे का तख्तापलट कराने और उनकी हत्या कराने का भी आरोप लगता है। हेनरी किसिंजर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री जुल्फ़िकार अली भुट्टो को फांसी दिलाने के भी आरोप लगते हैं। हेनरी किसिंजर ने अपने सौवें जन्म दिन से ठीक पहले ब्रिटिश पत्रिका द इकॉनमिस्ट को एक इंटरव्यू भी दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि दुनिया में आज हालात ठीक वैसे हैं, जैसे प्रथम विश्व युद्ध के पहले थे। उनका ये भी कहना है कि अमेरिकी शासन-तंत्र हाल के कुछ वर्षों में दक्षिणपंथी रुझान वाला हुआ है। किसिंजर ने ये भी कहा कि अमेरिका और चीन ने अपने को पूरी तरह समझा लिया है कि दूसरा उसका दुश्मन है।

दिवालिया होने से बचा अमेरिका! राष्ट्रपति बाइडन और केविन मैक्कार्थी के बीच हुआ ऋण सीमा समझौता

वॉशिंगटन, 28 मई (एजेंसियां)। ऋण संकट से जूझ रहा अमेरिका दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया था लेकिन अब लग रहा है कि जल्द ही अमेरिका इस संकट से उबर जाएगा। दरअसल राष्ट्रपति जो बाइडन और रिपब्लिकन सांसद और अमेरिका कांग्रेस के स्पीकर केविन मैक्कार्थी के बीच ऋण सीमा को लेकर लगभग समझौता हो गया है। इस समझौते के तहत ऋण सीमा को बढ़ाकर 31.4 ट्रिलियन डॉलर करने पर सहमति बन गई है। इसके साथ ही अमेरिका में करीब एक महीने से चल रही खींचतान भी खत्म हो जाएगी।

जो बाइडन और केविन मैक्कार्थी के बीच 90 मिनट हुई बातचीत

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभी दोनों शीर्ष नेताओं के बीच पूरी तरह समझौता नहीं हुआ है लेकिन लगभग सहमति बन गई है। कुछ चीजों पर को लेकर अभी भी बात हो रही है और जल्द ही दोनों नेता समझौते पर अंतिम मुहर लगा देंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, शनिवार शाम में राष्ट्रपति बाइडन और केविन मैक्कार्थी के बीच 90 मिनट तक फोन पर बात हुई। इस डील के होने से आर्थिक संकट से जूझ रहे अमेरिका को राहत मिलेगी। बता दें कि अगल जल्द ही ऋण सीमा को लेकर समझौता नहीं होता तो अमेरिका का खजाना खाली हो सकता था, जिससे अमेरिका के दिवालिया होने का खतरा था। इसका ना सिर्फ अमेरिका बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ता।

क्या है ऋण सीमा विवाद

अमेरिका सरकार कानूनी रूप से अपने खर्चों और दायित्वों को पूरा करने के लिए ऋण लेती है। अमेरिका की संसद ने कानून बनाकर इस कर्ज को लेने की सीमा तय की हुई है, जिसे ऋण सीमा कहा जाता है। अमेरिका संविधान के अनुसार कांग्रेस को सरकारी खर्च को नियंत्रित करने का अधिकार दिया गया है। बिना कांग्रेस की मंजूरी के सरकार तय ऋण सीमा से अधिक कर्ज नहीं ले सकती। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा में विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ऋण सीमा को बढ़ाने के पक्ष में नहीं थे, जिसकी वजह से विवाद बना हुआ था।

उत्तर कोरिया में बाइबिल रखना भी गुनाह, जेल में कैद 70,000 ईसाई, 2 साल के बच्चे को हुई उम्रकैद की सजा

शियोल, 28 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश विभाग की एक रिपोर्ट में पाया गया है कि उत्तर कोरिया में बाइबिल रखने वाले ईसाइयों को मौत की सजा का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं वहां पर बच्चों सहित उनके परिवारों को आजीवन कारावास की सजा दे दी जाती है। अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट ने एक एनजीओ 'कोरिया फ्यूचर' से मिली जानकारियों के आधार पर एक रिपोर्ट बनाई है। इस रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया में 70,000 से अधिक ईसाई अन्य धर्मों के लोगों के साथ कैद हैं।

इससे पहले दिसंबर 2021 में कोरिया फ्यूचर ने एक रिपोर्ट जारी की जिसमें उत्तर कोरिया में महिलाओं के खिलाफ धार्मिक स्वतंत्रता के दुरुपयोग का दस्तावेजीकरण किया गया था। ये रिपोर्ट उन 151 ईसाई महिलाओं के इंटरव्यू पर आधारित थी जिन्होंने दुर्व्यवहार का अनुभव किया था। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जेल भेजे गए कई लोगों में एक दो साल का बच्चा भी था जिसे कथित तौर पर उसके माता-पिता के पास बाइबिल पाए जाने के बाद आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। ये मामला 2009 का बताया जा रहा है। एनजीओ ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया में ईसाई लोगों को उनके धर्म का पालन करने पर टॉर्चर किया जाता है। उनसे जबरन मजदूरी कराई जाती है और महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य सुरक्षा मंत्रालय शैमैनिक अनुयायियों और ईसाइयों दोनों के खिलाफ 90 फीसदी मानवाधिकारों के हनन के लिए जिम्मेदार था। उत्तर कोरिया छोड़कर आए लोगों ने कोरिया फ्यूचर को बताया है कि वहां ईसाइयों को लेकर दुष्प्रचार किया जाता है। मिशनरी को खून पीने वाले, हत्यारा और रेपिस्ट बताया जाता है। कम्युनिस्ट देश होने की वजह से उत्तर कोरिया नास्तिक देश है। जो किसी धर्म में यकीन नहीं करता है। हालांकि दावा किया जाता है कि वहां सभी लोगों को अपने धर्म का पालन करने की आजादी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उत्तर कोरिया में 56.1 फीसदी लोग नास्तिक हैं। 25.5 फीसदी लोग बौद्ध धर्म में आस्था रखते हैं, लगभग 8 फीसदी लोग ईसाई धर्म में यकीन रखते हैं। बाकी लोग दूसरे मजहब के हैं।

पाकिस्तान में पीटीआई के लोग बलात्कार और फर्जी मुठभेड़ को देना चाहते थे अंजाम

मंत्री ने फोन टेप के हवाले किया दावा

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। दरअसल पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री राणा सनाउल्लाह ने रविवार को खुलासा किया कि खुफिया एजेंसियों ने एक फोन कॉल टैप किया है, जिससे पता चला कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से जुड़े कुछ लोग एक फर्जी मुठभेड़ और बलात्कार की घटना को जानबूझ कर अंजाम देना चाहते थे। खबर के मुताबिक, आनन-फानन में बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इन घटनाओं के लिए सरकार और संस्थानों को दोषी ठहराने के लिए पीटीआई ने एक बड़ी साजिश रची है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंटरसेप्टेड कॉल में शामिल लोगों का खुलासा किए बिना और बातचीत को सार्वजनिक किए बिना मंत्री ने कहा कि दो तरह की योजनाएं बनाई जा रही थीं। उन्होंने कहा कि एक योजना एक पीटीआइ कार्यकर्ता के घर पर छापा मारने की थी। इस दौरान फायरिंग की योजना थी, जिसमें कई लोग हताहत हो सकते थे। ताकि दुनिया को यह दिखाया जा सके कि पाकिस्तान में मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हो रहा है। मंत्री ने दावा किया कि दूसरी योजना के तहत एक बलात्कार की घटना को अंजाम देना था - जिसकी रिकॉर्डिंग वैश्विक मीडिया आउटलेट्स के साथ साझा की जानी थी। ताकि पीटीआइ के खिलाफ कथित दुर्व्यवहार का प्रचार किया जा सके। मंत्री ने कहा कि संभावना थी कि शनिवार की रात फर्जी मुठभेड़ और बलात्कार की योजना को अंजाम दिया जाय। मंत्री के इस खुलासे पर फिलहाल इमरान खान की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मगर पाकिस्तान मंत्री के इस सनसनीखेज दावे ने एक बार फिर सनसनी मचा दी है। मतलब साफ है कि इमरान पर और अधिक शिकंजा कसे जाने की तैयारी है। पहले ही पीटीआइ के ज्यादातर वरिष्ठ नेता इमरान का साथ छोड़कर जा चुके हैं और वह अकेले पड़ गए हैं। अब इमरान का खेल खत्म करने की पूरी घेराबंदी हो चुकी है।

सूडान के सैन्य शासक ने संयुक्त राष्ट्र में तैनात देश के राजदूत को हटाने का किया अनुरोध

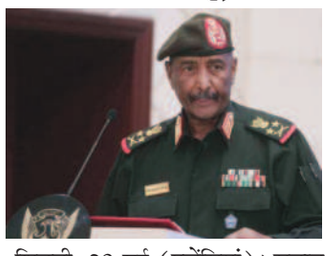

शिडनी, 28 मई (एजेंसियां)। सूडान के सैन्य शासक अब्देल फतेह बुरहान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को पत्र लिखकर संयुक्त राष्ट्र में तैनात सूडानी राजदूत वोल्कर पर्थेस को हटाने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता ने कहा कि गुतारेस ने इस पत्र पर "हैरानी" जताई है। पर्थेस सूडान में एक मुख्य मध्यस्थ रहे हैं। उन्होंने देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम करने के प्रयासों और फिर पिछले महीने सैन्य प्रतिद्वंद्वियों के बीच तनाव बढ़ने के बाद शुरू हुई लड़ाई के समय मध्यस्थ अहम भूमिका निभाई। सूडान में सेना प्रमुख बुरहान के सैनिकों और जनरल मोहम्मद हमदान डागालो के नेतृत्व वाले शक्तिशाली अर्धसैनिक समूह 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' के बीच लड़ाई छिड़ी हुई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव को शुक्रवार को बुरहान का पत्र मिला। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, "संयुक्त राष्ट्र महासचिव उन्हें मिले पत्र से स्तब्ध हैं। उन्हें वोल्कर पर्थेस द्वारा किए गए कार्यों पर गर्व है और वह उनमें पूर्ण विश्वास करते हैं।"

राजदूत पर है पक्षपात का आरोप

दुजारिक ने पत्र में लिखीं बातें उजागर नहीं कीं। सूडान के एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि बुरहान के पत्र में गुतारेस से पर्थेस को हटाने का अनुरोध किया गया है, जिन्हें 2021 में पद पर नियुक्त किया गया था। अधिकारी के अनुसार, बुरहान ने पर्थेस पर पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके दृष्टिकोण ने जनरलों और लोकतंत्र समर्थक आंदोलनकारियों के बीच युद्ध से पहले हुई वार्ता में संघर्ष को भड़काने का काम किया थ। उस वार्ता का उद्देश्य देश में लोकतंत्र बहाल करना था, जो अक्टूबर 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के कारण पटरी से उतर गया था।

यूएसः व्हाइट हाउस पहुंची नीरा टंडन ने कहा, आप्रवासन पर करेंगी काम

कहा-अभी मोदी की यात्रा में जुटा है प्रशासन

वाशिंगटन, 28 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ नीरा टंडन ने कहा कि वह अप्रवासियों की बेटी के रूप में अपना अनुभव प्रवासी समुदाय के साथ बांटेंगी। उन्होंने कहा, वह व्हाइट हाउस घरेलू नीति सलाहकार के रूप में अपनी नई भूमिका में अप्रवासन के मुद्दे पर काम करेंगी। टंडन ने कहा, व्हाइट हाउस अभी पीएम नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा की तैयारी में जुटा है और भारतवंशी समृद्ध समुदाय दो देशों के लिए एक संपत्ति है। 52 वर्षीय टंडन ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुसान राइस की व्हाइट हाउस में घरेलू नीति सलाहकार की जगह ली। यह व्हाइट हाउस में सबसे शक्तिशाली पदों में से एक है। उन्होंने कहा, मैं घरेलू नीति परिषद सलाहकार के रूप में कार्यभार संभालने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने एक कानून पर हस्ताक्षर कर वजन और लंबाई जैसे शारीरिक मापदंडों के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंध कर दिया। वजन और लंबाई अब नस्ल, लिंग और धर्म जैसे संरक्षित वर्गों की सूची में शामिल हो गए हैं। मेयर ने कहा, हम सभी रोजगार-आवास तक समान पहुंच के पात्र हैं, भले ही हम कैसे भी दिखते हों। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एडम्स ने कहा कि अध्यादेश सभी न्यूयॉर्क वासियों के लिए समान मौके उपलब्ध कराने में मदद करेगा। यह अधिक समावेशी कार्यस्थल और रहने के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाएगा और भेदभाव से रक्षा करेगा। कुछ व्यापारिक नेताओं ने परिषद के समक्ष कानून को रखे जाने के दौरान इसका विरोध व्यक्त किया था।

खाचरियावास बोले- पायलट विपक्ष नहीं कांग्रेस हैं

कहा- सीएम ने बुद्धि का दिवालियापन विपक्ष के लिए कहा था, मंत्री आरोपों का जवाब दें

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने सचिन पायलट के अल्टीमेटम पर कहा है कि इस पर मुख्यमंत्री फैसला करेंगे। कोई भी आंदोलन करता है तो उसकी बात सुनी जाती है। यह हमारे घर का मामला है। सचिन पायलट ने अल्टीमेटम कांग्रेस पार्टी को नहीं दिया है। सरकार को दिया है। प्रभारी सुखजिंदर रंधावा भी कह चुके हैं कि पार्टी को अल्टीमेटम दिया है। मुख्यमंत्री इस पर लाइन ऑफ एक्शन तय करेंगे। खाचरियारवास शनिवार को जयपुर में अपने आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पेपरलीक पर मुआवजे की मांग को बुद्धि का दिवालियापन बताने के सीएम अशोक गहलोत के बयान पर खाचरियावास ने कहा- मैं उस प्रोग्राम में मौजूद था। सीएम अशोक गहलोत ने विपक्ष के लिए बुद्धि का दिवालियापन वाला बयान दिया था। सचिन पायलट कांग्रेस से हैं। विपक्ष नहीं हैं। सीएम ने विपक्ष के लिए बयान

दिया था।

मंत्री अपने पर लगे आरोपों पर जवाब दें, चुप्पी सवाल खड़े करती है

प्रताप सिंह खाचरियावास ने मंत्रियों पर लग रहे करप्शन के आरोपों पर भी जवाब देने की सलाह दी है। बीजेपी की तरफ से यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और दूसरे मंत्रियों पर लगे आरोपों पर खाचरियावास ने कहा- मंत्रियों को अपने पर लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। चुप्पी से काम नहीं चलेगा। चुप्पी से दूसरे अर्थ निकलते हैं। जिन पर आरोप लगें हैं। उन्हें जवाब देना चाहिए। बीजेपी करप्शन का मुद्दा उठा रही है तो मंत्री जवाब दें। आगे और जवाब देना चाहिए। जनता जवाब सुनना चाहती है। चुप्पी सवाल खड़े करती है।

सबको साथ आने का वक्त

पार्टी में चल रही खींचतान पर खाचरियावास ने कहा- यह समय सबको साथ मिलकर लड़ने का है।

कांग्रेस को लोग जितवाना चाहते हैं। इस वक्त नेता खुद का प्रेस्टिज पॉइंट अलग रखें। छोटे मोटे टकराव होते रहते हैं। हम सब मिलजुलकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। बीजेपी की असलियत लोग समझ चुके हैं। सरकार ने काम करने में कोई कसर नहीं रखी है। सरकार ने जितनी शानदार स्कीम यहां दी है, वैसी किसी राज्य में नहीं है।

बजरंग बली ने कांग्रेस को दी संजीवनी

उन्होंने कहा- कर्नाटक में कांग्रेस को एकजुट रखा। बजरंग बली और राम की कृपा कांग्रेस पर रही। कर्नाटक में बजरंग बली ने संजीवनी राहुल गांधी और खड़गे साहब के हाथ में दे दी। वो संजीवनी बीजेपी के खिलाफ काम आ गई और हम जीत गए। राजस्थान में जीत की तरफ देख रहे हैं छत्तीसगढ़ एमपी राजस्थान की जनता कांग्रेस को जितवाना चाहती है। हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि हम एकजुट होकर कांग्रेस के लिए काम करें।

चुनावी साल में कांग्रेस ने बनाए 85 प्रदेश सचिव

किसी विधायक को नहीं मिली जगह, सचिवों में गहलोत गुट का दबदबा

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों को नजदीक देखते हुए संगठन में खाली जगहों को भरना शुरू कर दिया है। पार्टी ने 85 प्रदेश सचिवों की नियुक्ति की है।प्रदेश सचिवों की नियुक्ति की इस जंबो लिस्ट के जरिए चुनावी साल में सियासी समीकरणों को साधने का प्रयास किया गया है। सचिवों में गहलोत गुट का दबदबा है। प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के समर्थकों को भी अच्छी खासी तादाद में जगह मिली है।

कांग्रेस में जनवरी 2021 में 24 सचिव बनाए गए थे। अब कांग्रेस में कुल 109 प्रदेश सचिव हो गए हैं। कांग्रेस की 124 नेताओं की कार्यकारिणी है जिसमें से 109 सचिव हैं, बाकी के पदाधिकारी केवल 15 ही हैं। प्रदेश सचिवों की लिस्ट में किसी विधायक को जगह नहीं दी गई है। गहलोत खेमे के नेता गुर्जर नेता हिम्मत सिंह गुर्जर को प्रदेश सचिव बनाया है।

इन 85 नेताओं को बनाया प्रदेश सचिव

डॉ. विजेंद्र सिंह सिद्ध, कैप्टन अरविंद कुमार, रघुवीर राठौड़, नरेश चौधरी, राहुल भाकर, रघुवेंद्र मिर्धा, हिम्मत सिंह गुर्जर, पीएल प्रजापति, शिवलाल गोदारा, इंद्रजीत सिंह बरार, डॉ. शिखा मील बराला, मनीष मक्कासर, दयानंद बेरवाल, अंजना मेघवाल, कैलाश पालीवाल, गब्बर सिंह मीणा, संजय यादव, सत्येंद्र मीणा, संदीप पुरोहित, ललित बोरीवाल, नारायण मेनारिया, हनुमान सिंह शेखावत, छोटू राम मीणा,संजय कुमार जाटव, शिमला देवी नायक, मोहित सोनी,कविता गुर्जर, राहुल तंवर, विकास नागर, मुकुल गोयल, रामलाल लील, राजेंद्र पोसवाल को प्रदेश सचिव बनाया है।

गोविंदराम भार्गव, वीरेंद्र झाला, ताराचंद सैनी, योगेंद्र परमार, डॉ सुमित गर्ग, दिनेश कसवा, भीम सिंह चुंडावत, दिनेश श्रीमाली, रणधीर, लक्ष्मण सिंह गोदारा, योगेश नागर, महेश व्यास, अयूब खान, पुष्पेंद्र धाभाई, बृजेंद्र चौधरी,प्रभु दयाल सैनी, रामू राम सांख, अरुण कुमावत, आनंदीलाल मीणा,गोपाल कृष्ण शर्मा, अहसार अहमद,राजेंद्र शर्मा, दिलीप चौधरी, रामनिवास गावड़िया, अजय अग्रवाल,संदीप शर्मा, चतुर सिंह बासड़ा, चंद्र सिंह राणा, आलोक पारीक, शिवकांत, शंकर डंगायच, रंजना शर्मा, शंकर लाल गाडरी, गोवर्धन लाल, डॉक्टर हिमांशु कटारा, डॉ राजेंद्र प्रसाद मीणा, हंसराज मीणा, देवकीनंदन वर्मा, सवेंश सिंह राणा, सूरज शर्मा, रामनिवास कूकणा, मकबूल,बृज लाल मीणा, भूपेंद्र भारद्वाज, चांदमल जैन, महिंद्र बारजोड, रामस्वरूप गुर्जर, वीरेंद्र सिंह महला, हिम्मत सिंह चौधरी, मालचंद राजपुरोहित, रियाजत खान, अनिल बुरड़क और रामजी लाल शर्मा को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है।

प्रभारी मंत्री बोले- टॉयलेट में पानी बर्बाद न करें

बी.डी. कल्ला ने कहा- सिलीसेढ़ से पानी लाने का मुद्दा सीएम तक पहुंचाया

अलवर, 28 मई (एजेंसियां)। प्रभारी मंत्री बीडी कल्ला ने कहा कि सिलीसेढ़ से अलवर शहर में पानी लाने का मुद्दा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तक पहुंच चुका है। इस मामले में जल्दी कोई समाधान निकल सकता है। लेकिन उससे पहले अलवर शहर की जनता को पानी बचाना पड़ेगा।

टॉयलेट में अधिक पानी बर्बाद नहीं करें। बारिश का पानी बर्बाद नहीं हो। इसके लिए वाटर हार्वेस्टिंग जरूरी है। फिलहाल पानी की किल्लत कम करने के लिए आवश्यकता के अनुसार नए बोरवेल कराए जाने लगे हैं।

प्रभारी मंत्री कल्ला ने रविवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए सिलीसेढ़ से अलवर पानी लाने के 35 करोड़ के प्रस्ताव पर इतना ही बोल पाए कि यह मामला मुख्यमंत्री तक पहुंच चुका है।

जब मीडियाकर्मियों ने मंत्री से पूछा कि सिलीसेढ़ से अलवर पानी लाने के प्रस्ताव को एक मंत्री अटकाए बैठा है। इस कारण अलवर शहर की जनता प्यासी और परेशान है। क्यों न जनता के हक में सिलीसेढ़ से अलवर पानी लाने के प्रस्ताव को लागू किया जाए।

इस सवाल के जवाब में प्रभारी मंत्री यही बोल पाए कि यह मसला मुख्यमंत्री के पास है। फिर भी हम आमजन के हित में नए बोरवेल लगा रहे हैं। जहां पानी की उपलब्धता है वहां बोरवेल लगाए जाने लगे हैं। ताकि पानी की पूर्ति की जा सके।

जनता टॉयलेट में पानी ज्यादा बर्बाद न करे

बीडी कल्ला ने कहा कि आमजन को टॉयलेट में अधिक पानी बर्बाद नहीं करना चाहिए। बार-बार टॉयलट का फ्लैश चलाने से पानी की बर्बादी होती है। अलवर में पानी की किल्लत है। इसलिए आमजन को जागरूक होकर बचत करनी होगी।

वाटर हार्वेस्टिंग के महत्व को समझना पड़ेगा। विभाग को आमजन के बीच जाकर उनको जागरूक करने की जरूरत है। असल में अलवर में पानी की किल्लत है। इसलिए सबको मिलकर काम करना होगा।

कलेक्टर के तबादले पर कुछ नहीं बोले

पूर्व कलेक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी के तबादले पर प्रभारी मंत्री कुछ नहीं बोले। जब प्रभारी मंत्री से सवाल किया गया कि कलेक्टर का तबादला करने से पहले आपकी राय ली गई या नहीं। इस पर प्रभारी मंत्री ने इतना ही कहा कि यह अलग मामला है। इसमें जरूरी नहीं कि तबादला करने से पहले राय ली जाए।

सरकारी की योजनाएं गिनाते रहे

प्रभारी मंत्री कल्ला सरकार की योजनाएं गिनाते रहे। उनका कहना था कि स्कूलों की दशा और दिशा बदल गई है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने के लिए वापस लॉटरी निकलने लगी है। रिजल्ट भी अच्छे आए हैं।

हालांकि बिजली के बिलों में सरचार्ज बढ़ाने के मामले में कल्ला ने कहा कि यह नियामक आयोग का निर्णय है। जो समय-समय पर लिया जाता रहा है।

धूलभरी हवाओं के साथ हुई तेज बारिश

नालियों की सफाई नहीं होने से सड़कें जलमग्न, तापमान में आई गिरावट

झालावाड़, 28 मई (एजेंसियां)। झालावाड़ में रविवार सुबह मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे। सुबह 9 बजे से तेज हवाएं चलने लगी। सुबह करीब 10 बजे बारिश का दौर शुरू हुआ, जो करीब एक घंटे तक चला। बारिश की वजह से तापमान में भी गिरावट देखने को मिली।

रविवार को सुबह से ही मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा था। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे और मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जिसके बाद अचानक हुई तेज बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। अचानक हुई बारिश से जनजीवन भी प्रभावित हुआ।

वाहन ड्राइवरों को तेज धूलभरी हवाओं से परेशानी का सामना करना पड़ा। तेज बारिश के कारण नालियां पूरी तरह भर गई और रोड पर पानी भर गया। शहर के जेल रोड, गगरून चौराहा, चंदा महाराज की पुलिया, पंचमुखी बालाजी, मोटर गैराज क्षेत्र में नाले गंदगी से अटे होने के कारण सड़क पर नालियों का कचरा भर गया।

जेल रोड पर जलभराव

तेज बारिश के कारण जेल रोड जलभराव हो गया। जिसके कारण वाहन ड्राइवरों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुरानी जेल के पास निचला हिस्सा और नाला होने से हल्की बारिश में भी वहां पानी भर जाता है, जिसके कारण वहां से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन ड्राइवरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

केजरीवाल की सभा से आप करेगी चुनावी आगाज

18 जून को श्रीगंगानगर में होगी सभा, 5 हजार पदाधिकारियों ने ली शपथ

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों को लेकर आम आदमी पार्टी अपना चुनावी आगाज़ करने जा रही है। 18 जून को आप संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सभा से प्रदेश में आप चुनावी शंखनाद करेगी। सभा में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे। आम आदमी पार्टी ने सभा के लिए एक लाख की भीड़ का लक्ष्य रखा है। इससे पहले आम आदमी पार्टी प्रदेश में अपना संगठन विस्तार कर रही है। जयपुर में आप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप पाठक ने आज एक साथ 5 हज़ार से ज्यादा नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा, प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

भाजपा-कांग्रेस ने किया विश्वासघात

आप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री संदीप पाठक ने कहा कि राजस्थान की जनता ने बार-बार भाजपा व कांग्रेस को मौका दिया। 50 साल कांग्रेस को और 18 साल बीजेपी को मौका दिया। लेकिन इन दोनों पार्टियों ने हर बार जनता के साथ विश्वासघात किया। लेकिन दिल्ली की जनता ने एक बार केजरीवाल को मौका दिया और केजरीवाल जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान में 2100 सरकारी स्कूल ऐसे है जहां एक भी टीचर है। वहीं 10 हज़ार से ज्यादा ऐसे स्कूल हैं, जहां केवल एक टीचर है। प्रदेश में 90 हज़ार से ज्यादा टीचर्स के पद खाली हैं, लेकिन भाजपा-कांग्रेस दोनों को इससे कोई मतलब नहीं है। इन्हें केवल एक ही चीज से मतलब है कि कैसे सत्ता में आया जाए। पाठक ने कांग्रेस में गहलोत-पायलट के बीच चल रहे विवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दोनों कुर्सी के लिए लड़ रहे है।

एक साथ 5 हज़ार पदाधिकारियों ने ली शपथ

विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अब आम आदमी पार्टी ने प्रदेश में अपना संगठन विस्तार करना शुरू कर दिया है। पार्टी अब तक करीब 6,322 पदाधिकारियों की नियुक्ति कर चुकी हैं। पहली लिस्ट में प्रदेशाध्यक्ष नवीन पालीवाल सहित 239 पदाधिकारियों, दूसरी लिस्ट में 1,057 पदाधिकारियों और तीसरी लिस्ट में 5,026 पदाधिकारियों की नियुक्ति पार्टी ने की हैं। इन 5 हज़ार पदाधिकारियों को आज एक साथ शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल का कहना है कि हम जल्द ही यह संख्या 12 हजार तक लेकर जाएंगे। प्रदेश के गांव- गांव व ढाणी-ढाणी तक आम आदमी पार्टी का संगठन होगा।

विधायक-तहसीलदार में हाथपाई की नौबत

फसल खराबे की विशेष गिरदावरी की बात को लेकर हुआ विवाद

हनुमानगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। फसल खराबे की विशेष गिरदावरी की बात को लेकर बीजेपी विधायक और तहसीलदार में विवाद हो गया। इस दौरान दोनों में हाथापाई हो गई। जब दोनों में तू-तू मैं-मैं होने लगी तो बैठक में अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। विवाद बढ़ता देख लोगों ने तहसीलदार को बाहर जाने की सलाह दी, जिसके बाद वो बाहर चले गए। मामला हनुमानगढ़ जिले के संगरिया का शनिवार का है।

जानकारी के अनुसार संगरिया क्षेत्र में बरसात, ओलावृष्टि और अंधड़ से किसानों की फसल को नुकसान पहुंचा है। शनिवार को पंचायत समिति ऑफिस में राजीव गांधी जल संरक्षण योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की तैयारी की डीपीआर के अनुमोदन को लेकर बैठक हुई। बैठक में किसानों के फसल खराबे को लेकर चर्चा चल रही थी। इस दौरान संगरिया विधायक गुरदीप शाहपीनी ने फसल खराबे की स्पेशल गिरदावरी की मांग की। इस दौरान दोनों में विवाद हो गया।

विधायक ने तहसीलदार विश्व प्रकाश चारण को बाहर जाने के लिए कहा तो तहसीलदार ने कहा कि मैं क्यों जाऊं, आप जाइए। इस पर विधायक ने कहा कि क्या बोल रहे हैं, थप्पड़ मारूंगा। तहसीलदार ने कहा कि तेरे लगेगी। इसके बाद दोनों में हाथापाई की नौबत आ गई।

एसडीएम रमेश देव, विकास अधिकारी पवन सुथार और अन्य जनप्रतिनिधियों ने बीच बचाव किया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य विक्रम कलहरी ने फर्श पर बैठकर तहसीलदार के खिलाफ नारे लगाए। कलहरी और तहसीलदार के बीच भी बहस हुई। आखिरकार तहसीलदार को मौके से जाना पड़ा, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

विधायक गुरदीप शाहपीनी ने बताया कि शनिवार को आरजीएसवाई की बैठक थी, जिनमें ग्राम पंचायतों के कामों का अनुमोदन करना था। इसके बाद ओलावृष्टि से जो नुकसान हुआ है, उस पर चर्चा हुई। चर्चा करते-करते तहसीलदार उखड़ गए और मेरे साथ दुर्व्यवहार किया। पंचायत समिति सदस्यों से तहसीलदार की चर्चा चल रही थी तो मैंने भी बीच में पूछ लिया कि फसल खराबे की इकाई किसको मानेंगे। वो इस बात को स्पष्ट नहीं बता पाए।

हम इतना ही कह रहे थे कि नरमा, बाग और अन्य फसल का नुकसान हुआ है, वो सभी विशेष गिरदावरी में शामिल करें। मैंने कहा था कि बिजाई अभी 25 प्रतिशत ही हुई है, उसको आप शत प्रतिशत बता रहे हो, जिससे किसानों को क्लेम नहीं मिल पाएगा।

इसी बात को लेकर तहसीलदार उखड़ गए और धमकियां देने लग गया। तहसीलदार बदतमीजी से भी पेश आए, जिसको लेकर पंचायत समिति सदस्यों, प्रधान, सरपंचों ने निंदा प्रस्ताव पास किया है। सोमवार को भाजपा की बैठक भी है, जिसमें हम चर्चा करेंगे कि तहसीलदार को जब तक एपीओ नहीं किया जाएगा, हम इसको ऑफिस में बैठने नहीं देंगे। विधायक ने कहा कि इस व्यवहार के कारण तहसीलदार को गांवों में चल रहे किसी भी शिविर में घुसने नहीं देंगे।

सीनियर टीचर्स ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

बोले- 25,000 से ज्यादा पद रिक्त, फिर भी 3 साल से नहीं हुई डीपीसी

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले टीचर्स ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। प्रदेशभर के सीनियर टीचर्स ने आरोप लगाया है कि सरकार ने पिछले 3 साल से डीपीसी नहीं करवाई है। जिसकी वजह से प्रदेश के सरकारी स्कूल में 25,000 से ज्यादा लेक्चर के पद खाली चल रहे हैं। जिसकी वजह से शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। ऐसे में अगर सरकार ने जल्द से जल्द डीपीसी करवाकर सीनियर टीचर्स को प्रमोट नहीं किया। तो प्रदेशभर के सीनियर टीचर्स सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

यूजी - पीजी समान विषय समर्थक संघर्ष समिति के संयोजक भींवा राम जाखड ने बताया कि राजस्थान में पिछले लंबे समय तक सैकण्ड ग्रेड शिक्षकों की पदोन्नति में 1970 के नियम ही काम आए। लेकिन आबादी बढ़ने के साथ ही राज्य में शिक्षा का स्तर सुधारने और बच्चों को क्वालिटी शिक्षा देने के उददेश्य से साल 2021 में पहली बार स्नातक एवं स्नातकोत्तर में समान विषय की अनिवार्यता के साथ डीपीसी करने का फैसला लागू किया गया था।

ट्रेलर में जा घुसी कार, युवती की मौत

खाटूश्याम दर्शन कर एमपी अपने घर लौट रहा था परिवार

चित्तौड़गढ़, 28 मई (एजेंसियां)। खाटू श्याम जी से दर्शन कर लौट रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। आगे चल रहे ट्रेलर के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रही कार ट्रेलर में जा घुसी। इस हादसे में एक युवती की मौत हो गई जबकि ड्राइवर सहित चार जने घायल हो गए, जिन्हें जिला हॉस्पिटल लाया गया। घायलों में एक युवक की हालत खराब होने से उसे उदयपुर रेफर कर दिया गया। पूरा परिवार एमपी का रहने वाला है। हादसे की सूचना पर मौके पर पुलिस भी पहुंची। मामला सदर थाना क्षेत्र का है। हादसे में घायल हुए परिवार के परिचित डालचंद ने बताया कि 27 मई को खाटू श्याम के दर्शन कर एक परिवार एमपी अपने घर जाने के लिए रवाना हुआ था। सुबह करीब 4 बजे उदयपुर-चित्तौड़गढ़ हाइवे पर पुराने टोल नाका, रिठोला के पास पहुंचे ही थे कि हादसा हो गया।

डॉक्टर ने किया महिला से रेप

रिवॉल्वर सिर पर लगाकर बोला- लाश का भी पता नहीं चलेगा

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। जयपुर में एक डॉक्टर के महिला केयर टेकर से रेप करने का मामला सामने आया है। खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर रिवॉल्वर लगाकर धमकाया- लाश का भी पता नहीं चलने दूंगा। जयपुर के अशोक नगर थाने में शनिवार को पीड़िता ने FIR दर्ज करवाई है। एसएचओ विक्रम सिंह ने बताया- कोटा निवासी 45 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। दिसम्बर-2022 में ऐड देखकर दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉन्टैक्ट किया। कॉन्टैक्ट करने पर उसकी बात जयपुर में युधिष्ठिर मार्ग सी-स्कीम निवासी डॉ. शालभद्र (60) से हुई। बातचीत होने पर केयर टेकर के रूप में देखभाल करने की बात कही। आरोप है कि डॉक्टर ने उसे मिलने अपने घर बुलाया। घर पर रखकर आरोपी डॉक्टर की देख-रेख करने लगी। आरोप है कि 2 फरवरी की रात को खाना खाकर सो गई। देर रात नींद खुलने पर बेहोशी की हालत में थी। आरोपी डॉक्टर ने उसके साथ बेहोशी की हालत में रेप किया।

नए संसद भवन का उद्घाटन भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने शुभकामना संदेश में नए संसद भवन के उद्घाटन को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कहा कि यह महान अवसर भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज रहेगा। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संसद के नए भवन का उद्घाटन करने पर संतोष जाहिर करते हुए यह भी कहा, हमारे संविधान के शिल्पकारों ने एक ऐसे राष्ट्र की परिकल्पना की थी, जिसका स्वरूप, लोकतांत्रिक पद्धति से चुने गए प्रतिनिधियों से बनी संसद के विधायी विवेक के आधार पर निर्मित होगा। इसलिए उन्हें इस बात पर गहरा संतोष है कि संसद के विश्वास के प्रतीक, प्रधानमंत्री इस भवन का उद्घाटन कर रहे हैं। नए संसद भवन के उद्घाटन कार्यक्रम के दूसरे चरण के दौरान राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह शुभकामना संदेश कार्यक्रम में पढ़ कर सुनाया।

राष्ट्रपति ने अपने शुभकामना संदेश में कहा, संसद के नए भवन के उद्घाटन का यह महान अवसर भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज रहेगा। इस अवसर पर यह संदेश प्रेषित करते हुए मुझे अपार प्रसन्नता हो रही है। नए संसद भवन का उद्घाटन, हमारी विशाल और विविधतापूर्ण भारत-भूमि के सबसे उत्तरी छोर से दक्षिणी सिरे तक पूर्वी-सीमा पश्चिमी तटरेखा तक रहने वाले सभी देशवासियों के लिए गौरव व अतुलनीय आनंद का अवसर है।

उन्होंने कहा, भारत की संसद का, हमारी सामूहिक चेतना में एक विशिष्ट स्थान है। संसद हमारी समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं का प्रकाश स्तंभ है। लोकतांत्रिक विमर्श के प्रति श्रद्धाभाव हमारी सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं का मूल सत्व है, जिसके आधार पर स्वस्थ वाद-विवाद, अर्थपूर्ण संवाद तथा विचारों के आदान-प्रदान की सुचारू पद्धतियां सदियों से हमारे देश में फलती-फूलती रही हैं। अपनी सहज लोकतांत्रिक जन भावना के बल पर हमारे देश ने जन भागीदारी का निरंतर विस्तार किया है और समाज के सबसे गरीब वर्गों को सशक्त बनाया है। साथ ही, एक ऐसे वातावरण का सृजन किया गया है, जो सभी व्यक्तियों को, चाहे उनके जीवन की शुरूआत, अभावों और चुनौतियों के बीच क्यों न हुई हो, विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व के शिखर तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

राष्ट्रपति ने आगे कहा, बीते सात दशकों के दौरान, हमारी संसद अनेक परिवर्तनकारी विधायी प्रयासों की धुरी रही है। संसद ने ऐसे कई बदलाव किए हैं, जिनसे हमारे करोड़ों देशवासियों के जीवन को संवारना संभव हो सका है। नए संसद भवन का उद्घाटन, हमारी लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान हो रहा यह महत्वपूर्ण आयोजन हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण और विस्तार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। यह हमारे देशवासियों की सामूहिक आशाओं व आकांक्षाओं से आलोकित उज्जवल भविष्य की दिशा में हमारे राष्ट्र को अग्रसर करने की ऊर्जा प्रदान करता है।

उन्होंने आगे कहा, इस विश्वास के साथ कि नए संसद भवन का अनावरण, हम सभी के बीच एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को और अधिक मजबूत बनाएगा, मैं उन लोगों की हृदय से सराहना करती हूं, जिन्होंने हमारे महान लोकतंत्र के जीवंत प्रतीक, इस भवन का निर्माण कार्य सम्पन्न करने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम किया है। इनके अनथक प्रयासों की स्मृति, देशवासियों के मनो-मस्तिष्क में सदैव अंकित रहेगी। मेरी हार्दिक शुभकामना है कि नव-निर्मित संसद भवन, भारतीय लोकतंत्र की महान परम्पराओं और आदर्शों के अनुरूप नए प्रतिमान स्थापित करे।

राष्ट्रपति से नए संसद भवन का उद्घाटन नहीं कराने से विपक्ष नाराज

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से न कराए जाने पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने केंद्र सरकार की निंदा की। पार्टी ने रविवार को कहा कि यह बेहद दुखद है कि नए संसद भवन का उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से नहीं कराया गया।

शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया है कि राष्ट्रपति मुर्मू को अनदेखा करके नए संसद भवन का उद्घाटन करना नियम और परंपरा के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से संसद को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश की जा रही है, यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। पार्टी के नेता संजय राउत ने कहा, भारत की राष्ट्रपति को समारोह में के लिए आमंत्रित भी नहीं किया गया और यही वजह है कि 20 विपक्षी दलों ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया।

उन्होंने कहा कि नए संसद भवन की कोई आवश्यकता नहीं थी क्योंकि मौजूदा भवन अच्छी स्थिति में थी। उन्होंने एक मराठी अखबार में लिखा, इतिहाल में याद रखा जाएगा कि नए संसद भवन के लिए बेवजह 20,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे और इस समारोह के लिए देश की राष्ट्रपति को आमंत्रित भी नहीं किया गया।

अस्पताल में सत्येंद्र जैन से मिले केजरीवाल

गले लगाकर कहा बहादुर आदमी, आप नेता को एक साल बाद मिली है जमानत

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अस्पताल में भर्ती आप नेता सत्येंद्र जैन से मुलाकात की। यहां केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन को गले लगाया।

उन्होंने जैन से मुलाकात की तस्वीरें अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर की हैं। दिल्ली सीएम ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, बहादुर से आदमी मिला हीरो।

आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन का दिल्ली के लोक नायक अस्पताल में इलाज चल रहा है। 25 मई की सुबह आप नेता सत्येंद्र जैन तिहाड़ जेल के वॉशरूम में फिसलकर गिर पड़े थे। उन्हें दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोपहर करीब 12 बजे उनकी हालत बिगड़ने के बाद उन्हें लोकनायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल (एलएनजेपी) में शिफ्ट कर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था।

इससे पहले 22 मई को उन्हें दिल्ली के ही सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। तब उन्हें रीढ़ में परेशानी आई थी। 20 मई को भी वो इसी परेशानी के चलते दीन दयाल अस्पताल लाए गए थे।

न्यूज एजेंसी ने इस मामले से वाकिफ लोगों के हवाले से बताया कि सिर में चोट लगने की वजह से खून का थक्का जम गया था, हालांकि उनकी हालत स्थिर है। जैन के इलाज के लिए चार सदस्यीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। बोर्ड के सदस्यों में एलएनजेपी अस्पताल के सीनियर डॉक्टर और जीबी पंत अस्पताल के न्यूरोलॉजिस्ट के अलावा क्रिटिकल केयर के एक्सपर्ट्स शामिल हैं।

जैन को एक साल बाद मिली जमानत :

31 मई 2022 को ईडी ने जैन को मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के करीब एक साल बाद यानी 26 मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने जैन को 42 दिन (6 हफ्तों) की जमानत दी है। 11 जुलाई तक उन्हें कोर्ट से अंतरिम राहत मिली है।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी ने की बैठक

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पंकज संघी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार करीब 20-30 लोगों ने अपने पुत्र-पुत्री के बायोडाटा आदान प्रदान किए और इस विषय में चर्चा कर अपने रिश्ते को आगे बढ़ाने की कामना की। आज के युग में जो यह सेवा कार्य यहां पर हो रहा है वह बहुत सराहनीय है और आज इस सामाजिक कार्य की अति आवश्यकता है। इस संस्था को कार्य करते हुए 4 वर्ष से अधिक हो गया है और सभी अग्रवाल भाइयों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। इस अवसर पर दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, अजय तुलसियान, अरविंद गोयल,नरेश अग्रवाल,नरेश बंसल,राजेंद्र,ओम प्रकाश पचेरिया, रविंदर अग्रवाल, संतोष देवी बंसल, एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा तेलंगाना का चुनाव सिकंदराबाद में बहुत भव्यता से संपन्न हुआ। सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि शाखा के संस्थापक सदस्य बद्री विशाल बंसल की उपस्थिति में शाखा के पदाधिकारियों का गौरव बढ़ा। सलाहकार जोगी राम, विनोद गुप्ता, राकेश अग्रवाल एवं असिस्टेंट चुनाव अधिकारी धीरेंद्र बंसल ने चुनाव संपन्न कराया। पदाधिकारियों एवं कार्य समिति का चयन पहले ही निर्विरोध हो चुका था।

अध्यक्ष के रूप में धीरज खेतान, उपाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, मानद मंत्री दीपक अग्रवाल, सह मंत्री पवन अजीत सरिया, कोषाध्यक्ष अशोक चोखानी को आने वाले 2 वर्षों के लिए शाखा की जिम्मेदारी दी गई।

केंद्रीय समिति के लिए नामांकन पत्र सुरेंद्र केडिया, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल और श्याम गोयंका ने भरा। इसमें सुरेंद्र केडिया 70 वोटों से और लक्ष्मीनारायण अग्रवाल 63 वोटों से विजय रहे। कार्यकारिणी समिति के रूप में उमेश अग्रवाल, संदीप मित्तल, दिनेश अग्रवाल, अभिषेक झुनझुनवाला, संतोष चोखानी, आयुष मोदी, दिनेश सबलका, दिनेश चांदगोठिया, विनय अग्रवाल, बेनी प्रसाद सिंघल, कृष्ण चोखानी का निर्विरोध चयन किया गया।

नये संसद भवन का उद्घाटन लोकतंत्र की सशक्तता का प्रमाण : सेन

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नये संसद भवन के उद्घाटन किये जाने पर भाजपा हैदराबाद संयुक्त कोषाध्यक्ष व युवा भाजपा नेता अशोक कुमार सेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए इसे लोकतंत्र की सशक्तता का प्रमाण बताया। उन्होंने इस पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि संसद परम्परा, संस्कृति की रक्षा का विश्वविद्यालय है। इसका भवन भारत की तरक्की और गर्व का प्रतीक है। ये भवन 140 करोड भारतीय वासियों का भवन है। इस भवन में सेंगोल स्थापित किया गया है। सेंगोल भारत की गौरवशाली परम्परा को स्वतंत्र भारत के भविष्य से जोडता है।

दामोदर वीर सावरकर के जन्मोत्सव पर काचीगुड़ा चौराहे पर वीर सावरकरजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद उपस्थित भाजपा नेता गोविंद नारायण राठी, वीर सावरकर सेवा समिति के अध्यक्ष पद्माकर दीक्षित, लक्ष्मीकांत शिंदे, श्रीनिवास, नवल किशोर सांखला, श्रीमती परमेश्वरी, रमेश व अन्य।

सीए को जमीन का सर्वे कर रिपोर्ट देनी चाहिए : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि जिले के तिरयानी मंडल के पांगीड़ी मदारा के उपनगर बुग्गा गांव में सीए भूमि के लिए आवंटित शासकीय भूमि का सर्वे कराकर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए।जिला अपर समाहर्ता राजेशम, जिला वन अधिकारी, आरडीओ राजेश्वर ने शनिवार को जिले के तिरयानी मंडल के पांगीड़ी मदारा स्थित बुग्गा गुडा गांव के बाहरी इलाके में सीए की जमीन का निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला कलक्टर ने कहा कि अधिकारी सीए की जमीन का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।इस कार्यक्रम में तहसीलदार अनंतराजू, एफआरओ श्रीनिवास, अप्पलाकोंडा, भूमि सर्वेक्षण रिकॉर्ड एडी सोमेश्वर, राजस्व, वन विभाग के अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

वीर सावरकर जयंती पर वीर सावरकर चौक, काचीगुडा पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बजरंग सेना अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, प्रवीण दुबे, नंद किशोर अग्रवाल, श्रीनिवास गुप्ता, मनोज, विकास सिंह, प्रवीण यादव व अन्य।

मारवाड़ी युवा मंच गंडीमैसम्मा शाखा द्वारा खाद्य सामग्री वितरित

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मारवाड़ी युवा मंच गंडीमैसम्मा शाखा द्वारा अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय कार्यक्रम 'आनंद सबके लिए' के तहत गंडीमैसम्मा स्थित पल्लवी अनाथ आश्रम में अनाथ लोगों के बीच कपड़े की व्यवस्था एवं खाद्य सामग्री, चावल के बैग आम, केले, सेब बिस्कुट, चॉकलेट, चिप्स के पैकिट इत्यादि शाखा द्वारा वितरण की गई। इस अवसर पर उपस्थित शाखा अध्यक्ष मंगल मुलेवा, उपाध्यक्ष धर्मीचंद काग, केसाराम चौधरी, सुरेश भाई बर्फा, भरत भाई चौधरी, नेमाराम राठौड़, हेमंत सोलंकी, नरेश सीरवी, नेमाराम परिहारिया, चोलाराम सोलंकी, किशोर बर्फा, तनीश मुलेवा, दिव्या परिहारिया के साथ ही श्रीआई माता नवयुवक गेर मंडली के अध्यक्ष नरेश सीरवी के साथ ही शाखा के अन्य पदाधिकारी गण एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

घटकेसर में आईआरएस विनोदकुमार काग के स्वागत कार्यक्रम में भाग लेते हुए आयोजक कोरेमुला सीरवी समाज पूर्व अध्यक्ष प्रभुराम परिहारियां, रणजीत, चेतन परिहारियां, अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग, सोहनलाल हाम्बड़, कोरेमुला सीरवी समाज अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, शमशाबाद सीरवी समाज अध्यक्ष आशाराम गेहलोत, भूराराम परिहार, जयराम सीरवी, परबत सोलंकी, भीकाराम काग व अन्य।

नये संसद भवन के शुभारंभ पर जश्न मनाया गया

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नये संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल में जश्न मनाया तथा लोगों में मिठाइयां बांटी। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि संदस भवन प्रगति और एकता का एक शानदार प्रतीक है। सफल उद्घाटन हमारे राष्ट्र के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। उन्होंने पीएम मोदी को इसके लिए बधाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अमर सिंह राजपुरोहित, मोहिज़, आनंद जैन, रामकृष्ण, रवि, हरिनाथ, कल्पना, संगीता आदि उपस्थित रहे।

अग्रणी महिला मंच ने वीर सावरकर की जयंती मनाई

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने बताया कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानी और राष्ट्रवादी नेता विनायक दामोदर सावरकर की 140वीं जयंती के उपलक्ष्य पर उनके कथन भारत में हिंदुत्व का प्रचार प्रसार करने का श्रेय विनायक दामोदर सावरकर को जाता है। इस अवसर पर काचीगुड़ा चौरास्ता पर विनायक दामोदर सावरकरजी की मूर्ति पर हार चढ़ाया गया और उन्हें याद किया। इस अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनैना नारसरिया, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

नगर में बढती गर्मी के प्रकोप से लोगों को राहत दिलाने के लिए काचीगुड़ा स्थित बैंक ऑफ इंडिया के पास निःशुल्क बटर मिल्क वितरित किया गया। इसमें भाग लेते हुए जलाराम बटर मिल्क सेवा के सदस्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नया संसद भवन...

बीते डेढ़-दो दशकों से नए संसद भवन की आवश्यकता पर चर्चा हो रही थी। यह भी देखना होगा कि आने वाले समय में सांसद बढ़ेंगे, वो लोग कहां बैठेंगे।

नए भवन में श्रम को समर्पित एक डिजिटल गैलरी

संसद भवन ने 60 हजार श्रमिकों को रोजगार देने का काम किया। उन्होंने अपना पसीना बहाया है। इनके श्रम को समर्पित एक डिजिटल गैलरी बनाई गई है, विश्व में ये शायद पहली बार हुआ हो। संसद के निर्माण में उनका योगदान भी अमर हो गया है। कोई एक्सपर्ट पिछले 9 साल का आकलन करे तो ये 9 साल भारत में नव निर्माण और गरीब कल्याण के रहे हैं।

आज से 25 साल का समय अमृतकाल खंड

भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करेगा। हमारे पास भी 25 वर्ष का अमृतकाल खंड है। इन 25 वर्षों में हमें मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। लक्ष्य बड़ा है, लक्ष्य कठिन भी है, लेकिन हर देशवासी को आज इसके लिए जी-जान से जुटना ही है, नए प्रण लेने हैं, नई गति पकड़नी है। इतिहास गवाह है कि हम भारतीयों का विश्वास सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहता। आजादी की लड़ाई ने दुनिया के बहुत सारे देशों में एक नई चेतना जागृत कर दी थी। भारत तो आजाद हुआ ही, साथ ही कई देश आजादी की राह पर चल पड़े।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नई संसद नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगी

जब संसद के इस नए भवन में अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे तो देशवासियों को नई प्रेरणा मिलेगी। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को नई संसद नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगी। हमारे श्रमिकों ने अपने पसीने से इस संसद भवन को इतना भव्य बना दिया है। अब हम सभी सांसदों का दायित्व है कि इसे अपने समर्पण से और ज्यादा दिव्य बनाएंगे। हम सभी 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प ही इस नई संसद की प्राण प्रतिष्ठा है। यहां होने वाला हर निर्णय आने वाली सदियों को सजाने और संवारने वाला है। आने वाली पीढ़ियों को सशक्त करने वाला होगा। भारत के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। समाज के हर वंचित परिवार के सशक्तिकरण का रास्ता यहीं से गुजरता है। हर ईंट, हर दीवार, कण-कण गरीब के कल्याण के लिए समर्पित है। पीएम ने कहा, नया भवन नए भारत के सृजन का आधार बनेगा। नीति, न्याय, सत्य, मर्यादा और कर्तव्य पथ पर ज्यादा सशक्त होकर चलने वाला भारत बनेगा।

एच एस प्रणय ने रचा इतिहास

मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट की मेंस कैटेगरी में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने, चीन के होंगयांग को हराया

कुआला लम्पुर, 28 मई (एजेंसियां)। भारत के स्टार शटलर एच एस प्रणय ने मलेशिया के कुआला लुम्पुर में खेले जा रहे मलेशिया मास्टर्स में गोल्ड मेडल जीत इतिहास रच दिया। प्रणय ने फाइनल मुकाबले में चीन के वेंग होंगयांग को तीन गेम में 21-19, 13-21 और 21-18 से 2 में हरा कर जीत हासिल की। दोनों के बीच मुकाबला 94 मिनट तक चला।

प्रणय साइना नेहवाल और पीवी सिंधु के बाद मलेशिया मास्टर्स चैंपियनशिप जीतने वाले तीसरे भारतीय बन गए है। साथ ही मेंस सिंगल्स कैटेगरी में जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस सीजन यह प्रणय का पहला मेडल है।

भारत ने अब चार बार जीती चैंपियन शिप

प्रणय के साथ ही भारत को चैंपियनशिप में अब 4 बार जीत मिल गई है। पहली बार मेंस सिंगल्स में गोल्ड आया। वहीं, तीन बार विमेंस सिंगल्स में भारत को गोल्ड मिला है। 2 बार पीवी सिंधु और एक बार साइना नेहवाल ने चैंपियनशिप में जीत हासिल की।

सेमीफाइनल में प्रणय को वॉकओवर मिला

प्रणय ने शनिवार को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के क्रिस्टियन अदीनाता के खिलाफ वॉकओवर मिला। मैच के दौरान एडिनाटा के घुटने में चोट आ गई। पहले सेट के दौरान प्रणय 19-17 से आगे चल रहे थे। इस दौरान एडिनाटा का बाएं घुटना मुड़ गया और उनके घुटने में चोट आ गई।

भारत के एचएस प्रणय मलेशिया में जबरदस्त फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दुनिया के नंबर 6 चाउ टीएन चेन, मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन ली शी फेंग और मैड्रिड मास्टर्स 2023 के विजेता केंटा निशिमोतो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है।

सिंधु सेमीफाइनल में हारी

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु सेमीफाइनल में हार गई। शनिवार को विमेंस सिंगल्स के मुकाबले में उन्हें दो सेट में लगातार हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिसाका ने पहले सेट में 14-21 से हराया और फिर दूसरे सेट में 17-21 से शिकस्त दी।

इसके साथ ही लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और मालविका बंसोड़ को क्रमश राउंड ऑफ 16, क्वार्टर फाइनल्स और राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा।

दुनिया के 84 शटलर्स ने सिंगल्स में लिया था हिस्सा

मलेशिया मास्टर्स में दुनियाभर के 84 शटलर्स ने हिस्सा लिया था। वहीं, इसमें 108 डबल्स टीमें भी शामिल थी। मलेशिया मास्टर्स की शुरुआत 2009 में हुई थी और तब से यह हर साल मलेशिया के अलग-अलग वेन्यू पर खेला जाता है।

आईपीएल 2023 में तीन शतक लगा चुके शुभमन गिल को महान खिलाड़ी नहीं मानते कपिल देव

खेल डेसक, 28 मई (एजेंसियां)। पूर्व चैंपियन कपिल देव ने शुभमन गिल को महान खिलाड़ियों की सूची से बाहर रखते हुए कहा है कि अभी तीन साल उनके प्रदर्शन पर नजर रखने की जरूरत है, क्योंकि आज के खिलाड़ियों पर हर किसी की नजर होती है।

आईपीएल 2023 में अभी तक तीन शतक लगा चुके गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल अपने आंकड़ों से पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव को प्रभावित नहीं कर पाए हैं। दरअसल, कपिल देव का मानना है कि अभी गिल को सचिन और गावस्कर जैसे महान खिलाड़ियों की सूची में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अभी अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया है और मेरे हिसाब से उनपर तीन साल नजर बनाकर रखनी चाहिए।

गिल पर तीन साल नजर रखना जरूरी- कपिल

स्पोर्टस्टार से बात करते हुए कपिल देव ने कहा, "वर्तमान समय के महान खिलाड़ियों की सूची में गिल को जगह देने से पहले उनपर तीन साल नजर रखने की जरूरत है, क्योंकि सुनील गावस्कर के बाद सचिन आए और सचिन के जाने के बाद विराट कोहली ने महान खिलाड़ी का टैग हासिल किया, लेकिन शुभमन गिल को अभी से उन सूची में रखना जल्दबाजी है। भारतीय क्रिकेट भाग्यशाली है कि शुभमन जैसा टैलेंटेड खिलाड़ी विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाने की तैयारी कर रहा है।"

जमीन से जुड़े रहना जरूरी- कपिल देव

कपिल देव ने आगे कहा कि आज के आधुनिक युग में एक खिलाड़ी सिर्फ अपने खेल की वजह से महान नहीं होता बल्कि वह अपने नेचर की वजह से भी महान बनता है।

शुभमन गिल को लेकर जरूर नहीं कि उन्हें खेल के मैदान पर ही चुनौतियों का सामना करना पड़े बल्कि सोशल मीडिया के जमाने में जमीन से जुड़े रहना और सभी का आशीर्वाद प्राप्त करना बहुत जरूरी है।

गिल को अभी बहुत आगे जाना है- कपिल

कपिल देव ने आगे कहा कि एक खिलाड़ी जैसे-जैसे खेल में आगे बढ़ेगा वैसे-वैसे उससे उम्मीदें बढ़ती जाती हैं, सचिन और गावस्कर का समय अलग था, लेकिन आज हर युवा खिलाड़ी जांच के दायरे में है और उनकी एक हरकत सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है।

कपिल का मानना है कि गिल जमीन से जुड़े रहें और अपने से वरिष्ठ का आशीर्वाद प्राप्त करते रहें, क्योंकि उन्हें अभी बहुत आगे जाना है, लेकिन अगले तीन साल उनके करियर के लिहाज से बहुत अहम हैं।

आपको बता दें कि शुभमन गिल ने आईपीएल 2023 में अपने बल्लेबाजी कौशल से गुजरात टाइटंस को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। गिल ने फाइनल से पहले 16 मैचों में 851 रन बना लिए हैं, जिसमें तीन शतक और 4 अर्द्धशतक शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान घोषित होगा वर्ल्डकप शेड्यूल व वेन्यू

जय शाह बोले- अभी 15 स्टेडियम चयनित, संख्या बढ़ाई जा सकती है

अहमदाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। भारत में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप का शेड्यूल और वेन्यू वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के दौरान घोषित किया जा सकता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने विशेष आम बैठक के बाद यह जानकारी दी। टेस्ट फाइनल 7 जून से ओवल में होना है। शाह ने यह भी कहा कि वर्ल्ड कप के लिए अभी 15 स्टेडियम का चयन किया गया है। इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है। एशिया कप को लेकर बीसीसीआई सचिव ने कहा, एशियन क्रिकेट काउंसिल के सदस्य IPL फाइनल के दौरान मौजूद रहेंगे। उनसे चर्चा के बाद आगामी कुछ दिनों में इस पर फैसला लिया जाएगा।

वहीं, अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज वर्ल्ड कप के पहले आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी स्टेट बोर्ड में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच व स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम होगी। इनका इंटरव्यू एनसीए का पैनल करेगा।

भारत-पाकिस्तान की होगी अहमदाबाद में भिड़ंत

माना जा रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मुकाबला 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में खेला जा सकता है। वहीं वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला भी 5 अक्टूबर को न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में खेला जा सकता है। इंग्लैंड पिछले वर्ल्ड कप का विनर था और न्यूजीलैंड उप-विजेता। वहीं भारत अपना पहला मुकाबला चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल सकता है। अभी इसकी तारीख नहीं आई है। पाकिस्तान के खिलाफ मैच 15 अक्टूबर यानी रविवार को हो सकता है। इस दिन पाकिस्तानी टीम के कप्तान बाबर आजम का जन्मदिन भी है। खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के लिए भारत में 15 स्टेडियम शॉर्ट लिस्ट किए गए

बता दें कि वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो सकता है और इसके लिए 15 वेन्यू शॉर्ट लिस्ट किए गए हैं। इनमें चेन्नई और कोलकाता भी शामिल हैं। बाकी 13 वेन्यू अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, राजकोट, बेंगलुरु, दिल्ली, इंदौर, गुवाहाटी, हैदराबाद, तिरुवनन्तपुरम, नागपुर, पुणे और धर्मशाला शामिल है।

टीम इंडिया ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए प्रैक्टिस शुरू की

आईपीएल फाइनल के बाद इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे गिल, रहाणे और शमी

खेल डेसक, 28 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2023 का फाइनल रविवार को खेला जाएगा। फाइनल के ठीक 10 दिन बाद 7 जून को टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड में आईपीएल फाइनल खेलेगी।

आईपीएल फाइनल से पहले ही भारतीय टीम के कई खिलाड़ी इंग्लैंड पहुंच चुके है। शुक्रवार को मुंबई इंडियंस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इसके साथ ही मुंबई के खिलाड़ी रोहित शर्मा और ईशान किशन जल्द ही स्क्वाड को जॉइन करेंगे। वहीं, विराट कोहली लंदन पहुंच गए है। उन्होंने प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है।

दूसरी ओर मोहम्मद शमी, शुभमन गिल और अजिंक्य रहाणे आईपीएल फाइनल के बाद रवाना होंगे। ग्रुप स्टेज में बाहर होने वाले खिलाड़ी 24 मई को लंदन पहुंचे

खिलाड़ियों का पहला जत्था 24 मई को लंदन पहुंचा था। इनमें वे खिलाड़ी भी शामिल थे जो आईपीएल 2023 के प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहे थे। इसमें अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर और मोहम्मद सिराज, आर अश्विन, उमेश यादव और विराट कोहली शामिल थे।

सूर्यकुमार यादव और गायकवाड को करना होगा इंतजार

सूर्यकुमार यादव, मुकेश कुमार और ऋतुराज गायकवाड को इंग्लैंड जाने के लिए इंतजार करना होगा। दोनों रिजर्व खिलाड़ी है और ऐसे में उन्हें मैनेजमेंट से अप्रूवल चाहिए होगा।

चेतेश्वर पुजारा पहले से ही इंग्लैंड में थे। वह काउंटी क्रिकेट खेल रहे थे। काउंटी क्रिकेट की डिवीजन 2 में इस समय पुजारा टॉप रनस्कोरर है। उन्होंने 5 मैच में 545 रन स्कोर किये और तीन शतक लगाए। पुजारा ने आईपीएल में हिस्सा नहीं लिया था।

एशेज से पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने भरी हुंकार, बोले- 'हम इंग्लैंड को हराने के लिए तैयार'

खेल डेसक, 28 मई (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज खेलनी है। भारत के खिलाफ खेले जाने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 फाइनल के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज खेलनी है। ये सीरीज कंगारुओं के लिए बेहद ही जरूरी है इसके लिए टीम इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। ऑस्ट्रेलिया इसमें बेहतर प्रदर्शन करते हुए 2001 के बाद पहली बार इंग्लैंड को उसके घर में हराना चाहेगी। इसके लिए टीम के कप्तान पैट कमिंस ने हुंकार भर ली है। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का दौरा किया था। जिसमें 5 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज 2-2 में संपन्न हुई थी। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट जीता और इस टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। हालांकि इसके बाद इंग्लैंड ने भी जबरदस्त वापसी की और लीड्स में 1 विकेट से जीत दर्ज की। इसके बाद फिर ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 की बढ़त बनाई लेकिन अंतिम टेस्ट में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। टीम इसे जीत सकती थी लेकिन छोटे से अंतर से हार गई थी।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को 2019 की हार अभी भी याद है और वे इस बार इंग्लैंड को उसके घर में हराने के लिए आतुर हैं। उन्होंने एक मीडिया चैनल से बातचीत के दौरान कहा कि "मुझे ऐसा लगा कि हमने 2019 में कुछ पीछे छोड़ दिया है। मुझे लगता है कि दूसरा और तीसरा टेस्ट जीतना हमारे लिए था और निश्चित रूप से, पांचवां टेस्ट हम विशेष रूप से अच्छा नहीं खेले। ये अवसर इंग्लैंड में दुर्लभ हैं, ऐसे में हमें अच्छा खेलना चाहिए था।

उन्होंने आगे ये भी कहा कि – 2019 में हम इंग्लैंड को उनके घर में मात नहीं दे पाए लेकिन इस बार हम उनको उन्हीं के घर में हराने के लिए पूरी तरह से तैयार है।' पैट कमिंस की मानें तो भले ही डेविड वार्नर 36 साल के हो गए हैं लेकिन उसके बावजूद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में और एशेज सीरीज में वे ऑस्ट्रेलिया के एसेट साबित होंगे। उन्होंने इसे लेकर कहा कि 'मुझे पूरा भरोसा है कि डेविड वार्नर ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में और एशेज सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हमारे पास उनसे अच्छा ओपनर नहीं है और उनके अंदर अभी भी बड़ा स्कोर बनाने की क्षमता है।'

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को लगा बड़ा झटका

कप्तान मेग लैनिंग पूरी सीरीज से हुई बाहर

खेल डेसक, 28 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एशेज सीरीज 2023 से पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को एक बड़ा झटका लगा है।

इंग्लैंड के खिलाफ खेली जाने वाली एशेज सीरीज 2023 से पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को एक बड़ा झटका लगा है। दरअसल टीम की कप्तान और शानदार बल्लेबाज मेग लैनिंग पूरी सीरीज से बाहर हो गई हैं। लैनिंग के बाहर होने के बाद टीम ने एलिसा हिली को कमान सौंपी है। लैनिंग चिकित्सा कारणों के चलते इसमें भाग नहीं ले पाएगी।

डब्ल्यूपीएल में किया था बेहतरीन प्रदर्शन

अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए खेल से एक लंबा विश्राम लेने के बाद, लैनिंग ने जनवरी में फिर से खेलना शुरू किया।महिला प्रीमियर लीग के पहले संस्करण में भाग लेने से पहले उन्होंने मार्च में ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप जीतने में मदद की। लैनिंग को दिल्ली की राजधानियों का कप्तान नामित किया गया था, और उन्होंने शानदार ढंग से टीम का नेतृत्व किया क्योंकि उन्होंने इस लीग के पहले फाइनल में जगह बनाई, लेकिन अंततः मुंबई इंडियंस के खिलाफ फाइनल में हार गईं।

सीरीज से बाहर होने से दुखी हैं लैनिंग

वहीं लैनिंग के बाहर होने को लेकर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बयान जारी किया है। इसमें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के परफॉर्मेंस की अध्यक्ष शॉन फ्लेगर ने कहा है कि "यह मेग के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण झटका है और वह स्पष्ट रूप से एशेज से बाहर होने से निराश है। यह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण श्रृंखला है और उसे याद किया जाएगा, लेकिन वह पहले अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखने की आवश्यकता को समझती है।"

पिछली सीरीज में भी नहीं ले पाई थी भाग

बता दें कि यह दूसरी एशेज श्रृंखला होगी जिसमें लैनिंग 2017-18 श्रृंखला के बाद चूक जाएंगी, जहां उन्हें कंधे की चोट के कारण बाहर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हेली ने पिछले साल कप्तान के रूप में पदभार संभाला था जब लैनिंग पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक पर थी और इस बार फिर से ताहलिया मैकग्रा उप-कप्तान के रूप में काम करेंगी।

आकाश मधवाल को लेकर वीरेंद्र सहवाग का बड़ा दावा

बोले- 'उनका रिकॉर्ड तोड़ना असंभव'

खेल डेसक, 28 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस के गेंदबाज आकाश मधवाल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट झटके थे। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को बुरी तरह से मात दे दी। इस मैच में युवा गेंदबाज आकाश मधवाल ने 5 विकेट झटके और सभी को अपना मुरीद बना लिया। मैच के बाद जहां कई दिग्गजों ने उनकी तारीफ की वहीं दूसरी ओर पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने उन्हें लेकर बड़ा दावा किया। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के पेसर आकाश मधवाल के गेंदबाजी फिगर को दोहरोना किसी के लिए भी संभव नहीं होगा। आकाश ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मात्र 3.3 ओवर में 5 विकेट झटके थे। उन्होंने इस दौरान सिर्फ 5 ही रन दिए थे। मैच के बाद क्रिकबज पर चर्चा के दौरान वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि 'अगर मैं दें सकता तो मैं मधवाल को 11/10 अंक देता। उसने बदोनी को जिस तरह से सेटअप किया और उसे ऑउट किया, वह बहुत ही शानदार था।

आईपीएल 2023 में बेहतरीन प्रदर्शन का यशस्वी जायसवाल को मिला इनाम

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया में हुई एंट्री !

खेल डेसक, 28 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में शानदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी जायसवाल को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जा सकता है। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में यशस्वी जायसवाल ने अपने प्रदर्शन से सभी को मुरीद बना लिया। उनकी बल्लेबाजी की स्कील्स देखकर कई एक्सपर्ट्स ने इस युवा खिलाड़ी को आईपीएल 2023 की समाप्ति के बाद टीम इंडिया में शामिल करने की मांग उठाई थी।

अभी आईपीएल समाप्त भी नहीं हुआ है और ये पूरी होती नजर आ रही है। दरअसल रिपोर्ट्स की माने तो यशस्वी जायसवाल को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है।

दरअसल आईपीएल के समाप्त होने के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 जून से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना है। इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए बीसीसीआई ने भारतीय स्क्वॉड का ऐलान करने के साथ स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची भी जारी की थी। अब खबर यह है कि स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल ऋतुराज गायकवाड़ अगले महीने की शुरुआत में शादी कर रहे हैं जिसकी वजह से वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए इंग्लैंड नहीं जा पाएंगे। ऐसे में यशस्वी जायसवाल को उनकी जगह चुना गया है।

द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट की मानें तो बीसीसीआई ने यशस्वी को रेड बॉल क्रिकेट से प्रैक्टिस शुरू करने के लिए कहा है।

चूंकि उनके पास पहले से ही यूके का वीजा है, इसलिए वे कुछ दिनों में लंदन के लिए उड़ान भरेंगे। हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है।

जीएचएमसी ने शुरू कर दी मानसून की तैयारी

अप्रिय घटनाओं से लोगों को बचाने के लिए कसी कमर

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएचएमसी) ने अपनी मानसून की तैयारी के तहत बारिश के दौरान अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए एहतियाती उपायों की एक श्रृंखला शुरू की है। अभ्यास के एक भाग के रूप में जर्जर इमारतों, ढलान वाले इलाकों, चट्टान काटने वाली जगहों, भूस्खलन की संभावना वाले स्थानों और खुदाई वाले तहखानों वाले निर्माण स्थलों की पहचान की गई। आयुक्त द्वारा अधिकारियों को मानसून से संबंधित गतिविधियों को करने और एक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था। उन्हें यह भी चेतावनी दी गई कि मानसून संबंधी गतिविधियों के निर्वहन में लापरवाही बरतने पर गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों के मुताबिक जर्जर ढांचों की पहचान के बाद उन्हें या तो तोड़ा जाएगा, सील किया जाएगा या उनकी मरम्मत की जाएगी। एक अधिकारी ने कहा, "जर्जर इमारतों के मालिकों को ढांचे को गिराने या खाली करने या मरम्मत के लिए नोटिस दिए जा रहे हैं। इसी तरह, मिट्टी की मजबूती, रिटेनिंग वॉल का निर्माण, और बैरिकेडिंग सहित उपायों को तहखाने के उत्खनन स्थलों पर लिया जाएगा और अगली सूचना तक किसी नए तहखाने की खुदाई की अनुमति नहीं दी जाएगी। मानसून से पहले, जीएचएमसी आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, मैला इलाके या आस-पास की रिटेनिंग दीवारों के नीचे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

एई, डीई को नालों पर सुरक्षा कदम उठाने को कहा

मानसून से पहले एहतियाती उपायों के एक भाग के रूप में, जीएचएमसी ने अपने सहायक इंजीनियरों (एईएस) और उप कार्यकारी इंजीनियरों (डीईएस) को नालों में सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। संबंधित वार्ड में अप्रिय घटना होने पर एई और डीई को जिम्मेदार ठहराया जाएगा और अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी। जीएचएमसी ने इंजीनियरों को निर्देश दिया कि वे नालों की सफाई करें और पैरापेट की दीवारों को बहाल करें और यह सुनिश्चित करें कि नाले पर बैरिकेडिंग के अलावा चेन फेंसिंग और अन्य सुरक्षा उपाय किए जाएं। इन सभी उपायों को नालों की गाद निकालने के तुरंत बाद किया जाना चाहिए।

अभियंताओं को जारी निर्देश के अनुसार सभी खुले नालों की बाड़ लगायी जाये तथा खुले नाले, बाक्स नालों एवं तूफानी जल नालों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लोगों को सचेत करने वाले साइन बोर्ड प्रदर्शित किये जायें। एई और डीई को बरसाती पानी की नालियों के कैच पिट और बॉक्स ड्रेन पर मैनहोल की भी देखभाल करनी चाहिए और क्षतिग्रस्त कवर को तुरंत बदलना चाहिए।

अधिक मेनपावर और मशीनरी को तैनात किया जाना है

अपनी मानसून कार्य योजना के हिस्से के रूप में जीएचएमसी ने यह सुनिश्चित करने के लिए अधिक जनशक्ति और मशीनरी तैनात करने का निर्णय लिया है कि भारी बारिश के दौरान नागरिक प्रभावित न हों। बाढ़ और बारिश से संबंधित अन्य पहलुओं को तुरंत संबोधित करने के लिए स्थिर और मोबाइल दोनों विशेष टीमों को तैनात किया जाएगा। ये विशेष टीमें बारिश के दौरान शिकायतों को दूर करने के लिए तैनात आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) की टीमों के अलावा होंगी। डीआरएफ टीमों की निगरानी जीएचएमसी के प्रवर्तन सतर्कता और आपदा प्रबंधन निदेशालय (ईवी और डीएम) द्वारा की जाती है।

चंद्रबाबू की वजह से एनटीआर को पड़ा दिल का दौरा : पोसानी

विजयवाड़ा, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष और फिल्म अभिनेता पोसानी कृष्ण मुरली के अनुसार, चंद्रबाबू नायडू की मानसिक पीड़ा के कारण जब एनटी रामाराव को तीन बार दिल का दौरा पड़ा, तो वह लक्ष्मी पार्वती थीं जिन्होंने उनकी देखभाल की। रविवार को यहां एनटीआर विज्ञान ट्रस्ट और देवीनेनी नेहरू चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एनटीआर शताब्दी समारोह में भाग लेते हुए उन्होंने लक्ष्मी पार्वती को एक शिक्षित, संपन्न और बुद्धिमान महिला बताया। उन्होंने कहा कि जब एनटीआर ने अपने परिवार के सदस्यों से कहा कि वह लक्ष्मी पार्वती से शादी करना चाहते हैं जो उनके बीमार होने पर उनकी सेवा कर रही थीं, तो परिवार के सदस्य राजी नहीं हुए। उन्हें डर था कि एनटीआर अपनी संपत्तियों को उनके नाम कर देंगे। हालांकि, वह कभी भी संपत्ति नहीं चाहती थी, लेकिन वह संतुष्ट थी कि वह एक महान व्यक्ति की भागीदार बन सकती है। पोसानी ने यह भी खुलासा किया कि एनटीआर के उत्तराधिकारियों ने उनकी सारी संपत्ति ले ली, लक्ष्मी पार्वती सेवा कार्यक्रमों का आयोजन करके उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए पैसा खर्च कर रही थीं।

हमेशा के लिए इतिहास में रहेंगे एनटीआर : तलसानी

मंत्री ने एनटीआर की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि महान फिल्म अभिनेता और संयुक्त आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नंदमुरी तारक रामा राव हमेशा के लिए इतिहास में रहेंगे। दिवंगत एनटी रामाराव की 100वीं जयंती के अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने रविवार को यहां शहर के एनटीआर घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की और लोगों के लिए उनकी सेवाओं को याद किया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, मंत्री ने शहर में चित्रपुरी कॉलोनी, कुक्कटपल्ली में मोती नगर और केपीएचबी कॉलोनी में वसंत नगर बस स्टॉप में एनटी रामाराव की मूर्तियों का अनावरण किया। मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि एनटी रामाराव फिल्मों और राजनीति दोनों में सबसे सफल व्यक्ति थे और उनका नाम हमेशा फिल्मों और राजनीति में रहेगा। उन्होंने कहा कि दिग्गज फिल्म अभिनेता ने फिल्मों में निभाई गई विभिन्न भूमिकाओं के साथ करोड़ों लोगों का प्यार और स्नेह अर्जित किया है और तेलुगु फिल्म उद्योग में उनका योगदान बहुत बड़ा है।

राजनीति में भी, तेलुगु देशम पार्टी की स्थापना के नौ महीने के भीतर एनटीआर ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बनकर एक इतिहास रचा। उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति में एक छाप छोड़ी और दुनिया भर में तेलुगु गौरव का प्रचार किया, तलसानी ने याद किया। मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने कई लोगों को राजनीतिक जीवन दिया, खासकर पिछड़े वर्ग से संबंधित और महान नेता हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे।

ब्राह्मण सदन एक आदर्श आध्यात्मिक केंद्र होगा : सीएम केसीआर

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावने कहा कि तेलंगाना में मंदिरों के पुनरुद्धार के साथ, आध्यात्मिकता और धार्मिक गतिविधियां पूरे राज्य में फैल रही हैं। तेलंगाना ब्राह्मण सदन के उद्घाटन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं पर समीक्षा बैठक करने वाले मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रगति भवन में तेलंगाना ब्राह्मण कल्याण परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों के साथ तेलंगाना ब्राह्मण सदन का उद्घाटन किया। सदन देश के लिए सभी आध्यात्मिक और धार्मिक सूचनाओं का केंद्र बने। उन्होंने कहा कि देश भर से आध्यात्मिक साहित्य और कर्मकांड से संबंधित जानकारी एकत्र कर उसे किताबों और डिजिटल रूप में संरक्षित कर सभी के लिए उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च महत्वाकांक्षा के साथ देश में निर्मित पहला 'ब्राह्मण सदन' देश के लिए एक आदर्श आध्यात्मिक और धार्मिक सूचना केंद्र के रूप में खड़ा होना चाहिए और समाज के लिए धार्मिक मार्गदर्शन का केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के सदस्यों की यह जिम्मेदारी थी कि वे ब्राह्मण समुदाय की रक्षा करें, जो हमेशा भागवत की सेवा में लगे रहते हैं और पूरे विश्व का कल्याण चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ब्राह्मण समुदाय के कल्याण को प्राथमिकता दे रही है और उनकी भलाई के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि मंदिरों के पुनरुद्धार और राज्य में सुविधाओं में सुधार के साथ, पुजारी और वैदिक विद्वान रोजगार के लिए अन्य राज्यों से तेलंगाना की ओर पलायन कर रहे हैं।

तेलंगाना ब्राह्मण कल्याण परिषद के अध्यक्ष केवी रमना चारी ने बताया कि कल्याण परिषद की स्थापना के बाद से राज्य में ब्राह्मण समुदायों के कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा लाई गई विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग 6,500 परिवारों को लाभान्वित किया गया है।

फिल्म नगर में सड़क डिवाइडर से टकराया अभिनेता शारवानंद, सुरक्षित

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड के युवा अभिनेता शारवानंद को आज सुबह मामूली चोटें आईं, जब उनकी रेंज रोवर कार दुर्घटनावश यहां फिल्म नगर जंक्शन पर एक सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। जब खबर फैली, तो शारवानंद के दोस्त और प्रशंसक चौंक गए और उन्होंने अभिनेता के रिश्तेदारों और दोस्तों को बुखार से भर दिया। उन्होंने राहत की सांस ली जब शारवानंद ने खुद अपने चिंतित प्रशंसकों और दोस्तों से बात की और कहा कि वह साधारण चोटों को छोड़कर ठीक हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से अपने शुभचिंतकों को जवाब दिया और कहा कि दुर्घटना मामूली थी और वह पूरी तरह से ठीक हैं और चिंता की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने अपने शुभचिंतकों को उनके प्रति प्यार बरसाने के लिए धन्यवाद भी दिया। इस बीच, यह पता चला है कि शारवानंद 3 जून को जयपुर पैलेस में रक्षिता से शादी के बंधन में बंधेंगे। इनकी सगाई 26 जनवरी को हुई थी।

वरंगल हवाई अड्डे के विस्तार में तेजी लाने के लिए संयुक्त निरीक्षण दल का गठन

वारंगल, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वरंगल (ममनूर) हवाई अड्डे के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, सर्वेक्षण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक संयुक्त निरीक्षण दल का गठन किया गया है। जिला कलेक्टर पी. प्रविण्य ने कहा कि राजस्व विभाग, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और सर्वेक्षण और भूमि रिकॉर्ड विभाग के अधिकारियों की टीम आवश्यक 271 एकड़ भूमि के लिए भू-समन्वय आधारित नक्शा तैयार करेगी। टीम को एक सप्ताह के भीतर सर्वे पूरा करने का काम सौंपा गया है।

सर्वेक्षण कार्य का प्राथमिक उद्देश्य हवाई अड्डे के विस्तार के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि के स्थान का सटीक निर्धारण करना है। कलेक्टर ने कहा कि सर्वेक्षण को अंतिम रूप देने के बाद, जिला प्रशासन किसानों से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करेगा। एयरपोर्ट के विकास के लिए सरकार पहले ही 100 करोड़ रुपये आवंटित कर चुकी है। उन्होंने पुष्टि की कि राज्य सरकार वारंगल हवाई अड्डे के कायाकल्प के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और एएआई को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। हवाई अड्डे के विस्तार के लिए आवश्यक भूमि खिला वारंगल मंडल के नक्कलापल्ली, गढ़ेपल्ली और ममनूर गाँवों में स्थित है, जिन्हें हवाई अड्डे के विकास के लिए उपयुक्त क्षेत्रों के रूप में पहचाना गया है।

प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए कलेक्टर ने प्रस्ताव दिया है कि ममनूर गांव से सटे पीवी नरसिम्हा राव पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाली 373.02 एकड़ जमीन सरकार संबंधित तहसीलदार को हस्तांतरित करे. बदले में, किसानों के स्वामित्व वाली भूमि का अधिग्रहण किया जा सकता है और एएआई को हस्तांतरित किया जा सकता है, उसने सुझाव दिया। बोइंग 747 सहित बड़े विमानों को समायोजित करने के लिए वर्तमान रनवे की लंबाई 1.8 किमी से 3.9 किमी तक का विस्तार महत्वपूर्ण है।

वरंगल हवाई अड्डे को पुनर्जीवित करना क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, विशेष रूप से वारंगल के पास मेगा टेक्सटाइल पार्क की स्थापना को देखते हुए। हवाई अड्डा वारंगल और आसपास के जिलों के लोगों के लिए हवाई संपर्क बढ़ाएगा, आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा, निवेश आकर्षित करेगा और पर्यटन को बढ़ावा देगा। मूल रूप से 1930 के दशक में निर्मित और निज़ाम शासन के तहत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय वायु सेना द्वारा उपयोग किया जाने वाला वारंगल हवाई अड्डा, 2018 से राज्य सरकार के पुनरोद्धार के प्रयासों का केंद्र बिंदु रहा है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव, मंत्री केटी रामाराव, और अन्य जनप्रतिनिधियों ने ममनूर हवाई अड्डे को पुनर्जीवित करने के प्रयास में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के साथ कई बैठकें की हैं, जो 1981 में बंद हो गया था।

करीमनगर में बारिश व कीड़ों ने आम किसानों को बुरी तरह प्रभावित किया

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले से आम की आपूर्ति को इस वर्ष फसल की खराब गुणवत्ता के कारण भारी झटका लगा है। फसल विभिन्न रोगों और कीटों के हमलों के साथ-साथ बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित हुई है, जिससे उपज में काफी गिरावट आई है। जिले में 2 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की क्षमता होने के बावजूद कीट आक्रमण, बीमारियों और बेमौसम बारिश के हानिकारक प्रभाव के कारण कुल उपज में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। कम उपज के अलावा, फसल की गुणवत्ता भी प्रभावित हुई है, अग्रणी व्यापारियों ने आमों के लिए कम कीमतों की पेशकश की है। किसानों की रिपोर्ट है कि व्यापारी वर्तमान में केवल 25 रुपये से 30 रुपये प्रति किलोग्राम का भुगतान कर रहे हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले आमों के लिए औसत मूल्य सीमा 45 रुपये से 50 रुपये प्रति किलोग्राम से काफी कम है।

इसके अलावा, उत्तर भारतीय राज्यों में आम की फसलों के परिवहन में काफी गिरावट आई है, क्योंकि व्यापारी जिले से आम के स्रोत के प्रति अनिच्छा दिखा रहे हैं। बागवानी विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 1.31 लाख मीट्रिक टन की तुलना में इस सीजन में केवल 49,000 मीट्रिक टन लॉरी और किसान ट्रेनों के माध्यम से दिल्ली और अन्य उत्तरी राज्यों में पहुंचाया गया है।

परंपरागत रूप से, दिल्ली के व्यापारी जगतियाल और जिले के अन्य बाजारों से आम खरीदते थे और उन्हें उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और अन्य राज्यों में वितरित करते थे। पिछले साल, औसतन 20 लॉरी आमों को दिल्ली ले जाया गया था, और हर दूसरे दिन जगतियाल आम बाजार से आमों को एक किसान ट्रेन के माध्यम से भेजा जाता था। हालांकि, आम के किसानों के लिए इस वर्ष की स्थिति बहुत अलग और बेहद निराशाजनक है। स्थानीय व्यापारी, जिन्होंने अपनी बिक्री के लिए फसल खरीदने में रुचि नहीं दिखाई है, वे भी अन्य राज्यों को आपूर्ति करने के लिए खरीदने में संकोच कर रहे हैं। खराब गुणवत्ता का हवाला देते हुए, सीजन की शुरुआत में दिल्ली में व्यापारियों द्वारा आमों के कुछ लॉरी भार को अस्वीकार करने की सूचना ने आम किसानों के लिए संभावनाओं को और कम कर दिया है।

पत्नी से बदतमीजी करने पर युवक ने कर दी चाचा की हत्या

मनचेरियल, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदमरी मंडल के नरलापुर गांव में शनिवार को पत्नी से कथित तौर पर बदसलूकी करने पर एक व्यक्ति की उसके भतीजे ने हत्या कर दी। जिले में दो माह के अंतराल में यह पांचवीं हत्या है। मंदमरी इंस्पेक्टर महेंद्र रेड्डी ने कहा कि एम पोशम को उसके भाई के बेटे सुरेश ने आरोपी व्यक्ति द्वारा पीटा और कुछ दूर तक घसीट कर ले जाने के बाद उसकी मौत हो गई। पॉशम को अपने कृषि क्षेत्र में दुर्व्यवहार पर गरमागरम बहस के बाद लकड़ी के खंभे से सिर पर चोट लगने से गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुरेश पोषम से नाराज था, जब उसकी पत्नी ने उसे अपने चाचा के अनियंत्रित व्यवहार के बारे में बताया।

एक मामला दर्ज किया गया था और जांच की गई थी। 19 मई को मनचेरियल कस्बे के राजीवनगर की जनगामा स्वप्ना (26) को उसके पूर्व पति और दो अन्य लोगों ने मनचेरियल में जमीन के एक टुकड़े को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या कर दी थी। काशीपेट के मामिडिगुड़ा गांव के 21 वर्षीय लॉरी क्लीनर लवुद्या सागर को 14 मई को मंदमरी में एक लड़की के साथ घूमने के लिए चार लोगों ने मौत के घाट उतार दिया था। 25 अप्रैल को, मुस्के महेश (24), एक लॉरी चालक को जयपुर मंडल के इंदराम गांव में एक विधवा को परेशान करने के आरोप में एक परिवार के पांच लोगों ने सार्वजनिक रूप से पीट-पीट कर मार डाला था। मनचेरियल के 62 वर्षीय रियल एस्टेट व्यवसायी नादिपेली लक्ष्मीकांत राव की 11 अप्रैल को रामकृष्णपुर के गड्डरगड़ी में हत्या कर दी गई थी। सल्लूरी अंजलि (21) की 22 मार्च को रामकृष्णपुर के जंगलों में शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर महिला मित्र ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी।

तेलंगाना में 10 वर्षों में दोगुने हो गए वाहन

दिन-प्रतिदिन बढ रही है यातायात समस्या

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगानाने पिछले दस वर्षों में मोटर वाहनों में जबरदस्त वृद्धि दर का अनुभव किया है, मोटर वाहनों की कुल संख्या 2014 में 70.73 लाख से बढ़कर 2023 में 1.54 करोड़ हो गई है, जो प्रति वर्ष 9 प्रतिशत की औसत वृद्धि दर है। अकेले 2022-23 के वित्तीय वर्ष में राज्य में लगभग 10 लाख नए वाहन जोड़े गए।

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, 1.54 करोड़ वाहनों में, दोपहिया वाहनों की संख्या 1.13 करोड़, मोटरकार 20 लाख, ऑटो-रिक्शा 4.5 लाख, स्कूल बसें 28,962, माल रिक्शा 6.09 लाख, ई-कार्ट 235, मोटर कैब 20,337, मैक्सी कैब 31,060, ठेका गाड़ी 9,244 और 7 लाख ट्रैक्टर और ट्रेलर्। हैदराबाद में, लगभग 70 लाख निजी वाहन हैं, इनमें से 50 लाख से अधिक दोपहिया और लगभग 13 लाख चार पहिया हैं।

एक दशक पहले, राज्य में लगभग 70.73 लाख पंजीकृत वाहन थे, जिनमें से 8.22 लाख परिवहन और 63.68 लाख गैर-परिवहन वाहन थे। 2013-14 के दौरान, राज्य में 52.84 लाख से अधिक दुपहिया, 7,96,232 कार, 14,989 जीप, 74,097 टैक्सी, 40,807 बसें, 1,85,688 हल्के वाहन (माल) और 1,25,240 ट्रक की रजिस्ट्री थी। तेलंगाना के गठन के समय हैदराबाद में केवल 25 लाख वाहन थे, जो पिछले दस वर्षों के दौरान हर साल लगातार बढ़े हैं।

आरटीए अधिकारियों के अनुसार, राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनोंकी बिक्री धीरे-धीरे बढ़ रही है और वर्तमान में सड़कों पर चलने वाले पंजीकृत ईवी की कुल संख्या 46,937 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा बैटरी से चलने वाले विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट के साथ, राज्य में बड़ी संख्या में लोग अब ईवी का विकल्प चुन रहे हैं। परिवहन विभाग के अधिकारी चालू वित्त वर्ष में वाहन पंजीकरण, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

करीमनगर को सुंदर शहर के रूप में विकसित किया जाएगा : गंगुला

करीमनगर, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके करीमनगरको एक सुंदर शहर के रूप में विकसित करना उनका उद्देश्य है। मंत्री ने महापौर वाई सुनील राव के साथ रविवार को यहां बद्दाम येल्लारेड्डी चौक पर 1.11 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले बीटी सड़कों के मरम्मत कार्यों की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर बोलते हुए कमलाकरने कहा कि इतिहास में पहली बार शहर में मुख्य सड़कों के अलावा आंतरिक सड़कों का भी विकास किया जा रहा है। भारी बारिश के कारण कस्बे की सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं। राज्य सरकार के संज्ञान में लाए जाने पर मरम्मत कार्य के लिए राशि जारी की गई। 14.5 किलोमीटर खंड पर हुई क्षति पखवाड़े के भीतर मुख्य सड़क की मरम्मत की जाएगी।

मरम्मत कार्य पूरा हो जाने के बाद अगले पांच वर्षों में कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कस्बे के विकास के लिए जनता का सहयोग मांगते हुए कहा कि यह भी जनता की जिम्मेदारी है कि नई बनी सड़कों को नुकसान न पहुंचे। सड़कों पर पानी जमा होने से बीटी सड़कों को नुकसान होना स्वाभाविक था। इसलिए नगर निगम के अधिकारी बीटी सड़कों पर पानी जमा नहीं करने के लिए कदम उठाएं। नगरपालिका ईई नागमल्लेश्वर राव, आरएंडबी ईई संबाशिव राव, नगरसेवक और अन्य उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भाकपा ने बंडी संजय से जुबान पर नियंत्रण रखने को कहा

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव ने आजभाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार से अपने मुंह पर नियंत्रण रखने को कहा। उन्होंने मजाक उड़ाया कि तेजाब और आग से भी बंडी का मुंह साफ नहीं किया जा सकता। संबाशिव राव ने आलोचना की कि भाजपा जैसी पार्टियां समाज के लिए एक बीमारी हैं और कहा कि संजय बीमारी का कारण हैं।

खम्मम में बंडी संजय के संबोधन का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि संजय इस तरह से बात करते थे जैसे वह मदहोशी में हों। उन्होंने भाजपा सांसद से खम्मम जिले के अलावा दिल्ली में भी अपना बेरोजगार मार्च निकालने को कहा। उन्होंने मज़ाक उड़ाया कि संजय इस बार अपनी पार्टी की विधानसभा सीटों की रक्षा करने की स्थिति में नहीं हैं, जिसमें अगले विधानसभा चुनाव में उनकी अपनी एमपी सीट भी शामिल है। उन्होंने कहा कि खम्मम के लोग एक भी विधानसभा सीट नहीं जीतने देंगे।

आदिवासी समुदायों को धोखा दे रहा है केंद्र : सत्यवती

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने मोदी-सरकार पर आदिवासी समुदायों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए केंद्र से शिक्षा और नौकरियों में आदिवासी आरक्षण को मौजूदा 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की मांग की। रविवार को यहां नेशनल बंजारा मीट 2023 में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकारने आदिवासियों के लिए आरक्षण 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है और उनके कल्याण और विकास के लिए कई योजनाओं को लागू कर रही है। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कुमराम भीम आदिवासी भवन और सेवालाल बंजारा भवन का

निर्माण किया है, जिनका नाम क्रमशः आदिवासी क्रांतिकारी नेता कुमराम भीम और बंजारा आध्यात्मिक नेता संत सेवालाल के नाम पर रखा गया है। उन्होंने केंद्र से देश भर में आधिकारिक रूप से संत सेवालाल महाराज की जयंती मनाने का आग्रह किया। राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न उपायों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने राज्य में सभी आदिवासी आवासों को जोड़ने के लिए 3152.41 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिए 2,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और 3,146 आदिवासी समुदायों के टांडाओं को ग्राम पंचायतों में अपग्रेड किया है। विभिन्न बंजारा संघों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया और समुदाय के विकास के लिए 14 प्रस्ताव पारित किए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.